नीलू प्रिंटिंग प्रेस
हर प्रकार की वेब ऑफसेट एक रंगीन या बहुरंगीन प्रिंटिंग के लिए नोयडा में एक मात्र स्थान
ई-33, सेक्टर-7 नोएडा (यूपी)
फोन नं. : 9811157562

फरीदाबाद हरियाणा का नंबर 1 समाचार पत्र

भेदी नज़र

संस्थापक : स्वाधीनता सेनानी सुखवासी लाल शर्मा (ब्रह्मलीन)

ई-पेपर पढ़ने के लिए लॉगऑन करें - www.bhedinazar.com

फरीदाबाद , शुक्रवार 4 जुलाई 2025

दिल्ली, हरियाणा, चड़ीगढ़, पंजाब, राजस्थान, बिहार, झारखंड, उत्तराखण्ड एवं उत्तर प्रदेश का प्रमुख हिन्दी दैनिक

वर्ष : 15 अंक : 185 Email : bhedinazardaily@gmail.com RNI NO. HAR/HIN/2011/43680 Postal REG. No. HR (FBD) -260/2023/25 पृष्ठ : 12 मूल्य : 1 रुपये

अमरनाथ में पहली आरती हुई,पहलगाम से पहला जत्था रवाना

● *38 दिन बाद रक्षाबंधन को होगा समापन,अब तक 3.5 लाख का रजिस्ट्रेशन*

पहलगाम (एजेंसी)। गुरुवार से अमरनाथ यात्रा की शुरुआत हो गई है। गुरुवार सुबह बाबा अमरनाथ की पहली आरती की गई। वहीं, पहला जत्था बालटाल और नुनवान (पहलगाम) बेस कैंप से रवाना अमरनाथ गुफा के लिए रवाना हुआ। इस दौरान श्रद्धालु 'हर हर महादेव' और 'बम बम भोले' के जयकारे लगाते रहे। बुधवार को पहला जत्था 5,892 श्रद्धालुओं का जम्मू के भगवती नगर कैंप से उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रवाना किया था। ये लोग दोपहर में कश्मीर पहुंचे, जहां प्रशासन और स्थानीय लोगों ने उनका स्वागत किया। 38 दिन तक चलने वाली यात्रा पहलगाम और बालटाल दोनों रूटों से होगी। यात्रा का समापन 9 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन होगा। पिछले साल यात्रा 52 दिन चली थी और 5 लाख श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा के दर्शन किए थे। इस साल अब तक 3.5 लाख से ज्यादा तीर्थयात्री रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। तुरंत रजिस्ट्रेशन के लिए जम्मू में सरस्वती धाम, वैष्णवी धाम, पंचायत भवन और महाजन सभा में सेंटर खोले गए हैं। ये सेंटर रोज दो हजार श्रद्धालुओं का रजिस्ट्रेशन कर रहे हैं। पहलगाम रूटः इस रूट से गुफा तक पहुंचने में 3 दिन लगते हैं, लेकिन ये रास्ता आसान है।

यात्रा में खड़ी चढ़ाई नहीं है। पहलगाम से पहला पड़ाव चंदनवाड़ी है। ये बेस कैंप से 16 किमी दूर है। यहां से चढ़ाई शुरू होती है। तीन किमी चढ़ाई के बाद यात्रा पिस्सू टॉप पहुंचती है। यहां से पैदल चलते हुए शाम तक यात्रा शेषनाग पहुंचती है। ये सफर करीब 9 किमी का है। अगले दिन शेषनाग से यात्री पंचतरणी जाते हैं। ये शेषनाग से करीब 14 किमी है। पंचतरणी से गुफा सिर्फ 6 किमी रह जाती है। बालटाल रूटः वक्त कम हो, तो बाबा अमरनाथ दर्शन के लिए बालटाल रूट से जा सकते हैं। इसमें सिर्फ 14 किमी की चढ़ाई चढ़नी होती है, लेकिन एकदम खड़ी चढ़ाई है, इसलिए बुजुर्गों को इस रास्ते पर दिक्कत होती है। इस रूट पर संकरे रास्ते और खतरनाक मोड़ हैं।

यूपी में अवैध खनन पर योगी सरकार की एयर स्ट्राइक

● **एआई और ड्रोन से कसी जा रही नकेल,जीपीएस से ट्रैकिंग**

लखनऊ (एजेंसी)। योगी सरकार ने प्रदेश में अवैध खनन, परिवहन और भंडारण पर रोकथाम के लिए अभूतपूर्व कदम उठाए हैं। प्रदेश में 57 एआई और जीपीएस आधारित चेकगेट्स स्थापित किए गए हैं, जो खनन में शामिल वाहनों की कड़ी निगरानी कर रहे हैं। इन चेकगेट्स पर परिवहन विभाग के सहयोग से वेट-इन-मोशन तकनीक का उपयोग कर ओवरलोडिंग पर अंकुश लगाया जा रहा है।

अब तक 21,477 वाहनों को अवैध परिवहन के लिए ब्लैक लिस्टेड किया गया है। इसके अतिरिक्त, भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग गूगल अर्थ, उपग्रह डेटा के माध्यम से अवैध खनन की पहचान और नए खनिज क्षेत्रों की खोज कर रहा है। विभाग की रिमोट सेंसिंग प्रयोगशाला (पीजीआरएस लैब) भूवैज्ञानिक मानचित्र तैयार कर रही है और स्वीकृत खनन पट्टों की निगरानी कर रही है।

भारत और पाकिस्तान के बीच तेज हुई पानी की जंग

● **हकीकत में बदलने वाला है शहबाज का डर,भारी पड़ गया इंडिया से पंगा**

इस्लामाबाद (एजेंसी)। सिंधु जल संधि को स्थगित किए जाने के भारत के फैसले के बाद से ही पाकिस्तान बौखलाया हुआ है। इस बीच भारत ने एक और ऐसा फैसला किया है जो पाकिस्तान की नींद उड़ाने वाला है। भारत ने जम्मू-कश्मीर में तुलबुल नेविगेशन प्रोजेक्ट को फिर से पुनर्जीवित करने का फैसला किया है। अप्रैल में सिंधु जल

संधि को स्थगित किए जाने के बाद यह भारत का पहला बड़ा कदम है। पीटीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने का काम शुरू हो गया है। भारत ने यह फैसला लेकर साफ कर दिया है कि सिंधु जल संधि को स्थगित किए जाने का फैसला केवल दिखाने के लिए नहीं है, बल्कि पाकिस्तान के खिलाफ नई दिल्ली के पास पूरी प्लानिंग तैयार है।

दिल्ली हाईकोर्ट की पतंजलि च्यवनप्राश के विज्ञापन पर रोक

● **डाबर बोली-हमारा च्यवनप्राश आयुर्वेदिक औषधि, ऐसे विज्ञापन प्रोडक्ट को बदनाम कर रहे**

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को पतंजलि को निर्देश दिया है कि वह डाबर च्यवनप्राश के खिलाफ कोई भी नकारात्मक या भ्रामक विज्ञापन न दिखाए। यह आदेश जस्टिस मिनी पुष्करणा ने डाबर की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई के बाद दिया। डाबर ने कोर्ट में तर्क रखा कि इस तरह के विज्ञापन न सिर्फ उनके उत्पाद को बदनाम करते हैं, बल्कि उपभोक्ताओं को गुमराह भी करते हैं। च्यवनप्राश एक पारंपरिक आयुर्वेदिक औषधि है, जिसे ड्रग्स और कॉस्मेटिक एक्ट के तहत नियमानुसार ही बनाना होता है। ऐसे में अन्य ब्रांड्स को सामान्य कहना गलत, भ्रामक और नुकसानदायक है। इस मामले की अगली सुनवाई 14 जुलाई को होगी। फिलहाल पतंजलि च्यवनप्राश के विज्ञापन पर रोक लगा दी गई है।

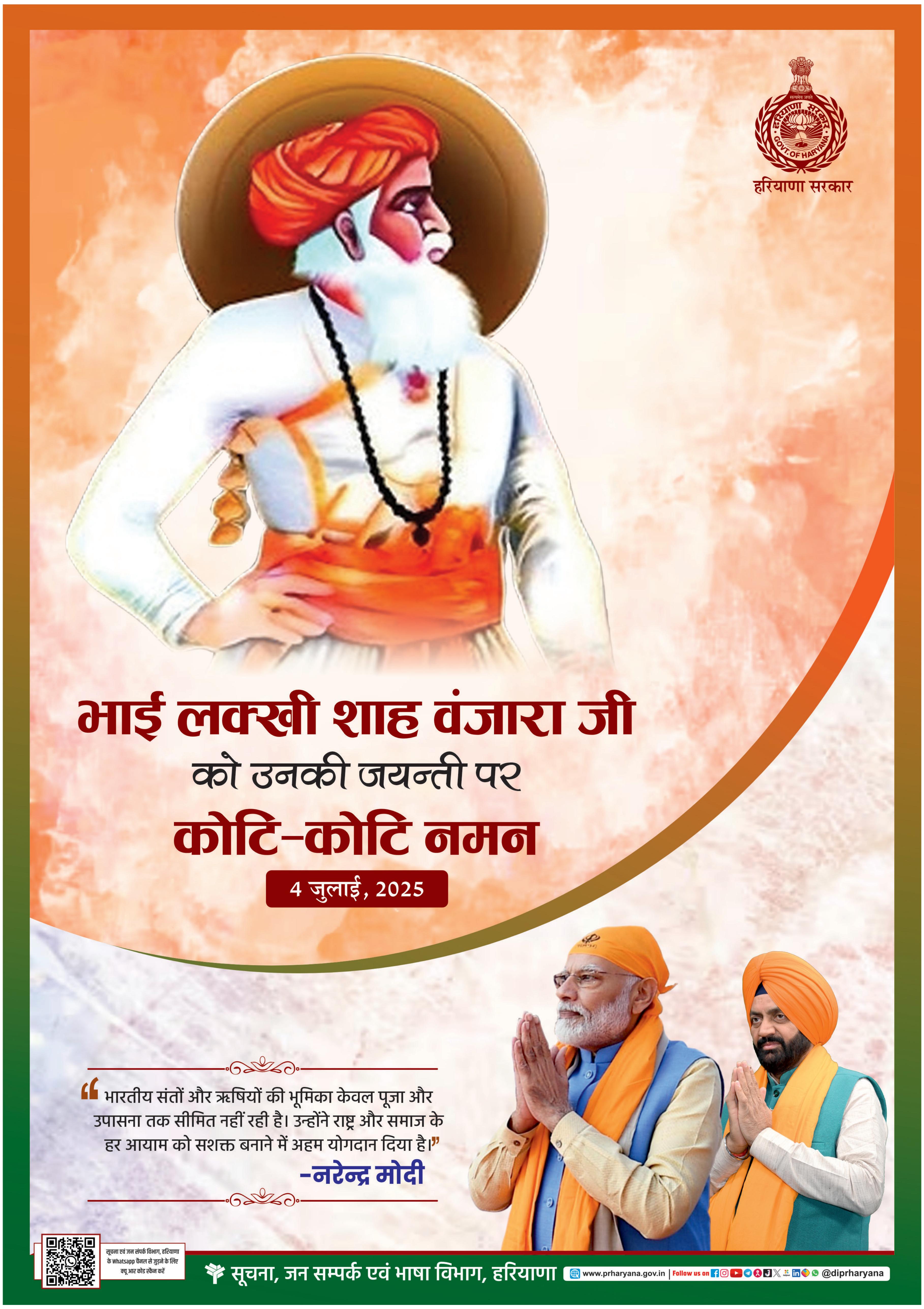

हरियाणा में जनप्रतिनिधियों के राष्ट्रीय सम्मेलन पर गर्व- हरविन्द्र कल्याण

राष्ट्रीय सम्मेलन विभिन्न राज्यों द्वारा अपनाई गई विकास की अच्छी प्रक्रियाओं के प्रसार में शहरी निकायों के लिए मार्गदर्शक बनेगा

चंडीगढ़, 03 जुलाई-- हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष श्री हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि जिस पावन धरती से भगवान श्रीकृष्ण ने संपूर्ण मानवता को गीता ज्ञान और कर्म का संदेश दिया, उसी धरती पर देशभर के राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के शहरी स्थानीय निकायों के जनप्रतिनिधियों का राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित होना, न केवल हरियाणा विधानसभा बल्कि पूरे राज्य के लिए गर्व का विषय है। यह राष्ट्रीय सम्मेलन विभिन्न राज्यों द्वारा अपनाई गई विकास की अच्छी प्रक्रियाओं के प्रसार में शहरी निकायों के लिए मार्गदर्शक बनेगा। श्री कल्याण गुरुवार को मानेसर स्थित आईकैट-2 परिसर सभागार में आयोजित देश के शहरी स्थानीय निकायों के प्रथम राष्ट्रीय सम्मेलन में स्वागत संबोधन कर रहे थे। विधानसभा अध्यक्ष ने बताया कि यह दो दिवसीय सम्मेलन शहरी स्थानीय निकायों, पंचायती राज संस्थाओं, महिलाओं और युवाओं को समर्पित है। सम्मेलन में संवाद और चर्चा के माध्यम से जो अच्छी प्रक्रियाएं और नवाचार सामने आएंगे, उन्हें जनप्रतिनिधि अपने-अपने क्षेत्रों में लागू करेंगे। हरियाणा की धरती पर मिले अनुभवों को देशभर में प्रसारित किया जाएगा। विधानसभा अध्यक्ष ने यह भी बताया कि हाल ही में पटना में आयोजित राज्यों की विधानसभाओं के पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन में जो प्रस्ताव पारित किए गए थे, उनका समर्थन मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने अपने बजट भाषण में भी किया है। अपने स्वागत संबोधन में उन्होंने कहा कि विधायी संस्थाएं जिनमें संसद, विधानसभाएं, शहरी निकाय व पंचायतें मिलकर एक मजबूत लोकतंत्र का निर्माण करें इसी उद्देश्य को लेकर आज यह सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। यह पहल आने वाली पीढ़ियों के लिए लाभकारी सिद्ध होगी और यहां से निकले विचार विधायिकाओं की भूमिका को सक्रिय, प्रभावी, सहभागी और जनहितकारी बनाने में सहयोग करेंगे। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण व उपाध्यक्ष डॉ.कृष्ण लाल मिड्ढा ने मुख्य अतिथि व अन्य अतिथियों को श्रीमद्भगवद्गीता भेंट कर उनका अभिनंदन किया।

शहरी निकाय वह सरकार है जिनका जनता से सीधा सरोकार है- विपुल गोयल- शहरी निकाय अध्यक्षों के राष्ट्रीय सम्मेलन में हरियाणा सरकार के शहरी निकाय एवं राजस्व मंत्री विपुल गोयल ने कहा कि शहरी स्थानीय निकाय नागरिक सेवा एवं नागरिक संपर्क की प्रथम एवं अहम कड़ी है। उन्होंने कहा कि शहरी निकाय वह सरकार है जिनका जनता से सीधा सरोकार है। लोकतंत्र की सबसे छोटी नहीं बल्कि सबसे महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील इकाई है। उन्होंने सम्मेलन में पहुंचे लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला, मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी, हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष श्री हरविन्द्र कल्याण व देश भर से आए शहरी निकाय जन प्रतिनिधियों का धन्यवाद व्यक्त किया।

6 जुलाई को होगा वीएमसी का नेशनल एडमिशन टेस्ट

पानीपत, (चुघ) भेदी नजर। विद्यामंदिर क्लासेज (वीएमसी) जेईई (मेन व एडवांस), नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में विशिष्टता रखता है। वीएमसी अपने फ्लैगशिप टेस्ट यानी एनएटी के लिए तैयार है जिसके जरिए छात्र एडमिशन और स्कॉलरशिप पा सकेंगे।ये टेस्ट 6 जुलाई को होगा जिस में अच्छे छात्रों को प्रोत्साहित किया जाएगा और उनकी परफॉर्मेंस के लिए रिवॉर्ड भी दिया जाएगा।

यह परीक्षा उन छात्रों के लिए है जो कक्षा 6वीं, 7वीं, 8वीं, 9वीं, 10वीं, 11वीं और 12वीं में जा रहे हैं। उन्हें विद्यामंदिर क्लासेज के विभिन्न प्रोग्राम्स में दाखिले और 100त्न तक की स्कॉलरशिप पाने का अवसर मिलेगा। इस टेस्ट के माध्यम से छात्र जेईई और नीट जैसी परीक्षाओं की तैयारी में भी बढ़त हासिल करेंगे।

विद्यामंदिर क्लासेज के सह-संस्थापक बृज मोहन ने कहा ÷विभिन्न चरणों में छात्रों की जरूरतों को समझना वीएमसी की शिक्षण पद्धति की प्रेरणा रहा है। यही कारण है कि हमारे छात्र राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं। वीएमसी में कक्षाओं का नेतृत्व संस्थापकों और अत्यधिक अनुभवी फैकल्टी सदस्यों द्वारा किया जाता है, जो जेईई और नीट जैसी प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के लिए छात्रों को तैयार करते हैं। विद्यामंदिर क्लासेज का मुख्य उद्देश्य वैज्ञानिक और तकनीकी ज्ञान की एक ठोस नींव तैयार करना और योग्य और प्रेरित इंजीनियरों और डॉक्टरों को तैयार करना है। अधिक जानकारी और एनएटी के लिए रजिस्ट्रेशन करने हेतु www.vidyamandir.com पर जाएं।

समाधान शिविर में आने वाली समस्याओं के निस्तारण में पुलिस अधिकारी लाए तेजी पुलिस अधीक्षक- भूपेंद्र सिंह

समाधान शिविर में पहुंची 78 समस्याएं

पानीपत, (चुघ) भेदी नजर। पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र सिंह ने गुरूवार को जिला सचिवालय के सभागार में जरूरतमंद लोगों की समस्याओं की सुनवाई करते हुए कहा कि पुलिस विभाग से संबंधित जो भी समस्या जनता समाधान शिविर में दर्ज होती है निश्चित रूप से उन पर संज्ञान लिया जाता है।

निगम संयुक्त आयुक्त मनी त्यागी ने कहा कि समाधान शिविर में अधिकारी समय की कीमत को पहचाने व लोगों की समस्याओं के प्रति और गम्भीरता दिखाएं।

समाधान शिविर में गुरूवार को फैमिली आईडी, क्रीड़ विभाग और पुलिस से सम्बंधित 78 पहुंची । कुछ समस्याएं रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ी भी शिविर में पहुंची। प्रार्थी संदीप, विनोद, निशांत, और पंकज वासी पल्हेड़ी ने गांव के खेल स्टेडियम को साफ सुथरा करवाने के लिए प्रशासन से अनुरोध किया। निगम संयुक्त आयुक्त मनी त्यागी ने संबंधित विभाग को कार्रवाई करने के लिए कहा। प्रार्थी रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन ने हुडा ग्रीन बेल्ट पर से अवैध कब्जा हटवाने के लिए प्रशासन से अनुरोध किया। प्रार्थी धर्मपाल वासी शास्त्री नगर, समालखा ने गली का निर्माण करवाने के लिए प्रशासन से अनुरोध किया। एक अन्य शिकायतकर्ता राजेंद्र वास शाहपुर ने खेत के ट्रांसफार्मर बदलवाने के लिएप्रशासन से अनुरोध किया। निगम संयुक्त आयुक्त ने संबंधित विभाग को जांच के आदेश दिए। प्रार्थी सरोज बाला वासी वार्ड नंबर 5 ने बेटी की कन्यादान राशि दिलवाने के लिए प्रशासन से अनुरोध किया। निगम संयुक्त आयुक्त ने समाज कल्याण विभाग को जांच के आदेश दिए। इस मौक पर डीएसपी सतीश वत्स, जन स्वास्थ्य विभाग के कार्यकारी अभियंता करण बहल, एसडीएम सूबे सिंह, बिजली विभाग के एसडीओ मनोज कुंडू, कृषि विभाग के एसडीओ राधे श्याम, मत्स्य अधिकारी मदन मोहन आदि मौजूद रहे।

जन जागरूकता और भागीदारी से दो साल में अव्वल बना लखनऊ नगर निगम

- वेस्ट से बेस्ट पॉलिसी अपनाकर पुणे बना शहरी निकाय का बेहतरीन उदाहरण।
- इंदौर अब क्लीन सिटी से ग्रीन और डिजिटल सिटी बनने की ओर अग्रसर।

वैद्य पण्डित प्रमोद कौशिक

गुरुग्राम, 3 जुलाई – लखनऊ, पुणे और इंदौर नगर निगम का नाम सर्वोत्तम शहरी निकायों की सूची में शामिल है। मानेसर में आयोजित प्रथम राष्ट्रीय शहरी निकायों के अध्यक्ष सम्मेलन में इन निकायों के जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने अन्य राज्यों के साथ सर्वोत्तम अभ्यास (बेस्ट प्रेक्टिस) साझा किए। इसमें लखनऊ ने डीजल पट्रोल की जगह कूड़ा एकत्रित करने के लिए ई-व्हीकल का उपयोग, विस्तृत क्षमता के कूड़ा निस्तारण प्लांट, डंपिंग प्वाईंट को राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल में परिवर्तित करने जैसी पहल साझा की। पुणे ने वेस्ट मैनेजमेंट कलेक्शन, वार्ड वाइज लगाए गए बायोगैस सेंटर से इलेक्ट्रिसिटी उत्पादन, इंदौर ने कूड़ा कलेक्शन गाडियों के जीपीएस सिस्टम, सफाई मित्र और स्वच्छता में जनभागीदारी के उदाहरण साझा किए।

लखनऊ महापौर सुषमा खरकवाल ने बताया कि 2047 के विकसित भारत की नींव मजबूत और सुदृढ शहरी निकाय पर आधारित है इसमें नागरिक जागरूकता और सहभागिता के साथ सक्षम प्रतिनिधी का मुख्य स्थान है। उन्होंने कहा कि लगभग 50 लाख की आबादी के बावजूद लखनऊ जीरो वेस्ट शहर बनकर उभरा है। यहां मियावाकी तकनीक से सिटी फॉरेस्ट बनाए गए है। सडक़ों की सफाई के लिए मैकेनिकल स्वीपर उतारे गए है। टूरिजम को बढ़ावा देने के लिए मैंगों म्यूजियम पार्क जैसे नेचर ट्रेल विकसित किए जा रहे है। कुरेत नदी के किनारे 20 हजार से अधिक पेड़ लगाकर एक पेड़ मां के नाम राष्ट्रीय मुहिम में योगदान दिया है।

वेस्ट से बेस्ट पॉलिसी अपनाकर पुणे बना शहरी निकाय का बेहतरीन उदाहरण।

पुणे में 2007 से अपनाई जा रही वेस्ट मैनेजमेंट रणनीति से स्थानीय लोगों की रोजमर्रा जिंदगी में लाभदायक परिणाम देखने को मिल रहे है। पुणे नगर निगम कमिश्नर पुनीत राज और वार्ड पार्षदों ने यहां के वेस्ट मैनेजमेंट कलेक्शन और वार्ड वाइज लगाए गए बायोगैस सेंटर से इलेक्ट्रिसिटी उत्पादन के उदाहरण मंच पर रखे। इसी के साथ वार्ड सभा में जरूरी संशोधन के बाद स्लम को घर में तबदील करने के सफल उदाहरण गिनवाएं। इसी तरह लाइट हाउस मॉडल पीपीपी के जरिए सफल बनाने की इबारत भी इस मंच पर साझा की। सतत विकास का अनोखा उदाहरण पेश करते हुए पुणे में शुरू की गई ट्री-एम्बुलेंस और कॉल सेंटर के अलावा स्मार्ट वॉटर मीटर और सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के लिए कॉपरेटिव के तहत अपनाई स्वच्छ पहल सभी के साथ साझा की।

इसी तरह 26 ट्रिपल आर सेंटर बनाए गए है। यहां अनुपयोगी वस्तुओं को जरूरतमंद लोगों के लिए रखा जाता है। इसी तरह सिबरी और गहला नामक स्थान पर बीते 20 सालों में एकत्रित कूड़े के पहाड़ को मात्र दो साल में जनभागीदारी जागरूकता और कूड़ा निस्तारण की सही कार्यशैली से निस्तारित किया गया है। कूड़ा डंपिंग प्वाइंट को टूरिज्म हब के रूप में विकसित करने का प्रयास राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल के रूप में उभरा है। यहां राष्ट्रीय जनप्रतिनिधियों की मूर्तियां लगाई गई है। उन्होंने बताया कि निगम और प्रशासनिक सहयोग से शहर की सूरत बदली है।

इंदौर अब क्लीन सिटी से ग्रीन और डिजिटल सिटी बनने की ओर अग्रसर।

दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के सत्र में इंदौर के मेयर पुष्यमित्र भार्गव व आयुक्त शिवम वर्मा की टीम ने शहर के स्वच्छता में नंबर एक का खिताब बरकरार रखने का मूल मंत्र देशभर से आए नगर निकायों के सदस्यों के साथ साझा किया। उन्होंने कहा कि 85 वार्डों के शहर इंदौर में हर व्यक्ति सफाई के प्रति जागरूक है। सभी लोग अपने घरों की सफाई की तरह अपने मोहल्लों, गली और आस-पास के क्षेत्र में भी सफाई व्यवस्था की पूरी तरह जिम्मेदारी निभा रहे हैं। शहर की पूरी सफाई की जिम्मेदारी का दायित्व सफाई मित्र बखूबी रूप से निभा रहे हैं। भारत देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत अभियान को मूर्त रूप देने के लिए हर दिन सुबह 6 बजे से सफाई मित्र अपने दायित्व को निर्वहन करने में लग जाते हैं। वहीं स्थानीय प्रशासन की ओर से स्वच्छता कार्य की पूर्ण रूप से मॉनिटरिंग भी की जाती है। प्रत्येक गाड़ी में जीपीएस सिस्टम लगा हुआ है। कोई भी कचरा गाड़ी 10 मिनट भी लेट होने पर संबंधित ड्राइवर से जवाब-तलब किया जाता है। उन्होंने कहा कि शहर को स्वच्छ रखने के लिए प्रशासन की ओर से सख्ती की जाती है, जिसके परिणाम स्वरूप मात्र एक वर्ष में नियमों की अवहेलना करने वालों पर डेढ़ करोड़ रुपए से अधिक का जुर्माना लगाया गया है। उन्होंने कहा कि अब इंदौर शहर क्लीन सिटी के साथ-साथ ग्रीन और डिजिटल सिटी बनने की ओर अग्रसर है। इंदौर शहर के नाम एक दिन में 12 लाख 40 हजार पौधे रोपित करने का रिकॉर्ड गिनीज बुक में दर्ज है और यह सभी पौधे आज भी हरे-भरे हैं और शहर के पर्यावरण को हरा-भरा बनाने के साथ-साथ आमजन को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दे रहे हैं। शहर के डिजिटलाईजेशन के लिए यूनिक आईडी नंबर और क्यू आर कोड घरों पर लगाए जा रहे है, आमजन क्यू आर कोड स्कैन कर जानकारी प्राप्त कर सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। शहर में जाम की स्थिति से निपटने के लिए वालंटियर लोगों को जागरूकता का संदेश दे रहे हैं।

ड्रग्स डी एडिक्शन कार्यक्रम – जेआरसी का ड्रग्स डी एडिक्शन पर स्लोगन लेखन कॉम्पिटिशन

गवर्नमेंट मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल सराय ख्वाजा फरीदाबाद में शिक्षा विभाग के आदेशानुसार प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा की अध्यक्षता में जूनियर रेडक्रॉस और सैंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड ने ड्रग मैनेस के अंतर्गत ड्रग्स डी एडिक्शन पर स्लोगन राइटिंग कॉम्पिटिशन कार्यक्रम आयोजित किया। विद्यालय की जूनियर रेडक्रॉस और सैंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड अधिकारी प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा ने विद्यार्थियों को ड्रग्स के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि ड्रग्स के सेवन से सेहत और मस्तिष्क पर बुरा प्रभाव पड़ता है। इस कारण ड्रग्स एडिक्ट अपने साथ अपने परिवार के लिए भी समस्या बन जाता है। इस से स्वास्थ्य और पैसे दोनों का अपव्यय होता है। विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए प्राचार्य मनचंदा ने कहा कि यदि उनके आसपास कोई ड्रग एडिक्ट है तो उसे स्वास्थ्य केंद्र में लेकर आएं और उसका उपचार करवाएं। यहां रोगियों का निःशुल्क में काउंसलिंग एवं उचित मार्गदर्शन से मनोवैज्ञानिक माध्यम से उपचार किया जाता है। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को ड्रग मुक्त स्वस्थ समाज बनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार, शिक्षा विभाग एवम स्वास्थ्य विभाग की ओर से समय समय पर ड्रग्स के विरुद्ध जागरूकता सेमिनार लगाए जाते हैं। हरियाणा सरकार द्वारा ड्रग्स, नशा एवं धूम्रपान मुक्ति के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है।आओ हम सभी इस में सहयोगी बनें और संपूर्ण राष्ट्र को ड्रग्स रूपी दलदल के दुष्प्रभावों से बचाएं। प्राचार्य मनचंदा ने कहा कि देश से ड्रग्स तथा नशा समाप्त करने का उद्देश्य लोगों को ड्रग्स एडिक्शन की बुरी आदत से छुटकारा दिलाना तथा उन्हें ड्रग्स के सेवन से होने वाले शारीरिक और मानसिक दुष्प्रभाव से बचाना है।

हाथ धोने से बच सकते हैं कई बीमारियों से- प्रदीप शर्मा

- नगर परिषद की तरफ से सफाई अपनाओ बीमारी भगाओ कार्यक्रम के तहत सेक्टर 13 के डीएवी स्कूल में कार्यक्रम का आयोजन,बच्चों को हैंड वॉश करने के प्रति किया जागरूक।

वैद्य पण्डित प्रमोद कौशिक

कुरुक्षेत्र, 3 जुलाई – नगर परिषद थानेसर सफाई निरीक्षक प्रदीप कुमार शर्मा ने कहा कि नगर परिषद थानेसर की सफाई की टीम द्वारा सेक्टर 13 डीएवी स्कूल में सफाई अपनाओ बीमारी भगाओ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बच्चों को बताया गया कि हाथ धोने से किन-किन बीमारियों से बचा जा सकता है और किस प्रकार से हम स्वस्थ रह सकते हैं।

नगर परिषद थानेसर सफाई निरीक्षक प्रदीप कुमार शर्मा ने कहा कि सुबह वॉशरूम यूज करने के बाद बच्चों को अपने हाथ करीब 20 सेकंड तक धोने चाहिए। यदि हम स्वच्छ होंगे तो हमारा आज पड़ोस भी स्वच्छ होगा। उन्होंने कहा कि बड़ों के साथ साथ छोटे बच्चे के हाथ स्वच्छ रखना सबसे ज्यादा जरूरी है,क्योंकि अक्सर छोटे बच्चे इधर-उधर हाथ मारते रहते हैं जिससे कई प्रकार के फंगस और कीटाणु हाथों के जरिए उनके मुंह में चले जाते हैं जोकि बीमारियों का कारण बनते हैं।

फील्ड अधिकारी अनूप सिंह ने बच्चों को जानकारी देते हुए कहा कि जब आप अपने पालतू पशु के साथ खेलते हैं या पार्क में जाते हैं या अस्पताल में भर्ती अपने किसी सगे संबंधी से मिलने के लिए जाते हैं तो वहां पर कई प्रकार के कीटाणु होते हैं जो आपके हाथों के माध्यम से पेट के अंदर जाकर आपको बीमार कर सकते हैं। इसलिए जब भी आप बाहर से अपने घर आए तो अपने हाथ साबुन या सैनिटाइजर से जरूर साफ करें। उन्होंने कहा कि कई बार छींकते समय, खांसते व नाक साफ करते समय यह कीटाणु हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। इसके बाद बच्चों में दस्त, पेट दर्द व स्किन संबंधी रोग होने की संभावना बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि जिला नगर आयुक्त सतेन्द्र सिवाच के मार्गदर्शन में स्कूलों में जाकर बच्चों को हैंड वॉश के प्रति मोटिवेट करने का कार्यक्रम नगर परिषद द्वारा चलाया जा रहा है। इसके तहत नगर परिषद की टीम स्कूलों में जाकर बच्चों को हैंड वॉश करने के तरीके वह अन्य जानकारी दे रही है। सुपरवाइजर राजेश ने बच्चों को सैनिटाइजर व साबुन से हाथ धोकर बताया कि हमें हाथ कैसे धोने हैं जिस पर बच्चों ने कहा कि वह आगे से इन बातों का ध्यान रखेंगे और भविष्य में उन्हें अपने जीवन में अपनाएंगे। इस अवसर पर डीएवी स्कूल की प्रिंसिपल मनीषा लांबा, राजन व स्कूल का स्टाफ उपस्थित था।

उन्होंने कहा कि इसके अलावा गांधीनगर स्थित गवर्नमेंट मिडिल स्कूल, झांसा रोड़ श्याम कालोनी स्थित महंत प्रभात पुरी कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में नगर परिषद थानेसर द्वारा स्वच्छता अपनाओ, बीमारी भगाओ अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य भजन राठोर, अतिरिक्त उप प्राचार्य मंजुला शर्मा,रेखा धीमान, सरिता शर्मा, जया वत्स, हैड टीचर सुशीला देवी,अनु पाहवा, अनिता वालिया, सुमन धीमान, तमन्ना धमीजा, ज्योति रानी,मोनिका माटा, अनूप शर्मा, आलिषा अरोडा, बिंदु, पिंकी रानी,सीमा शर्मा व मधु शर्मा, बलजीत जांगड़ा प्रभारी राजकीय माध्यमिक विद्यालय गांधी नगर, संजय शर्मा, बीरेंद्र सिंह, सुदेश रानी, निर्मला देवी, मिनाक्षी चौधरी, सौरभ गांधी, सतीश कौशिक, अमित बंसल सोमनाथ, सुरेंद्र, राजेंद्र, अनिल, पवन आदि मौजूद रहे।

केंद्रीय सरकार की आरडीआई व ईएलआई योजना से आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को मिलेगी तेज गति - विनोद बापना

- आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को मिलेगा बढ़ावा – केंद्रीय मंत्रिमंडल के ऐतिहासिक फैसलों पर उद्योग जगत उत्साहित
- आरडीआई व ईएलआई योजना से आत्मनिर्भर और नवाचार-संचालित अर्थव्यवस्था का निर्माण करना है सरकार का लक्ष्य – विनोद बापना

गुरूग्राम, 03 जुलाई – केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा हाल ही में अनुमोदित एक लाख करोड़ रुपये की अनुसंधान, विकास और नवाचार (आरडीआई) योजना तथा 99 हजार 446 करोड़ रुपये की रोजगार-लिंक्ड प्रोत्साहन (ईएलआई) योजना ने देश में आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को एक नई गति देने की उम्मीद जगाई है। उद्योग जगत ने भी इन दूरदर्शी योजनाओं के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार का हार्दिक आभार व्यक्त किया है।

सीआईआई गुरुग्राम जोन के चेयरमैन और कैपेरो मारुति के सीईओ विनोद बापना ने इन योजनाओं के प्रति अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा ये निर्णय भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ हैं। विनोद बापना ने कहा कि ये योजनाएं भारत को विनिर्माण और नवाचार के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने में मदद करेंगी। निवेश, रोजगार और नवाचार के इस संगम से, भारत तीव्र और समावेशी आर्थिक विकास की राह पर आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि आरडीआई योजना नवाचार को बढ़ावा देगी, जिससे नए उत्पादों, प्रक्रियाओं और सेवाओं का विकास होगा। यह हमारी कंपनियों को वैश्विक स्तर पर अधिक प्रतिस्पर्धी बनाएगा और उच्च-मूल्य वाले रोजगार के अवसर पैदा करेगा। बापना ने ईएलआई योजना की भी सराहना की, जिसका उद्देश्य रोजगार सृजन को सीधे प्रोत्साहन देना है। उन्होंने कहा कि ईएलआई योजना विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि यह न केवल उद्योगों को अपना विस्तार करने के लिए प्रोत्साहित करेगी बल्कि कुशल और अर्ध-कुशल श्रमिकों के लिए रोजगार के नए रास्ते भी खोलेगी। यह हमारे युवाओं के लिए बेहतर भविष्य सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

सीआईआई गुरुग्राम जोन के चेयरमैन और कैपेरो मारुति के सीईओ विनोद बापना ने कहा कि इन दोनों योजनाओं को एक साथ देखने पर यह स्पष्ट है कि सरकार का लक्ष्य एक आत्मनिर्भर और नवाचार-संचालित अर्थव्यवस्था का निर्माण करना है। आरडीआई योजना भारतीय उद्योगों को अनुसंधान और विकास में भारी निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करेगी, जिससे उन्हें अत्याधुनिक तकनीक अपनाने और वैश्विक बाजार में अग्रणी बनने में मदद मिलेगी। वहीं ईएलआई योजना यह सुनिश्चित करेगी कि आर्थिक विकास का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचे, विशेष रूप से उन लोगों तक जिन्हें रोजगार के अवसरों की सबसे अधिक आवश्यकता है।

जन्म के समय लिंगानुपात में सुधार हेतु फरीदाबाद में ट्रांसजेंडर समाज के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित

- बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान को जन-आंदोलन बनाने की दिशा में प्रशंसनीय पहल

फरीदाबाद, 3 जुलाई। जिले में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ÷ (BBBP) योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा बुधवार को एक विशेष संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम फरीदाबाद के ट्रांसजेंडर समाज के सदस्यों के साथ आयोजित किया गया, जिसमें प्रशासन ने ट्रांसजेंडर समुदाय से लिंगानुपात सुधार की दिशा में सहयोग की अपील की।

बैठक के दौरान अधिकारियों ने कहा कि ट्रांसजेंडर समाज का पारंपरिक रूप से नवजात शिशु जन्म के बाद परिवारों से संपर्क होता है, इसलिए वे समाज में लिंगानुपात के वास्तविक हालात को भली-भांति समझते हैं। ऐसे में यदि किसी परिवार में बार-बार केवल पुत्र जन्म हो रहा है या कन्या भ्रूण हत्या की आशंका है, तो ट्रांसजेंडर समाज ऐसे मामलों की जानकारी प्रशासन को गोपनीय रूप से दे सकता है ताकि समय रहते उचित कार्यवाही की जा सके।प्रशासन ने ट्रांसजेंडर समाज से आग्रह किया कि वे ÷बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ÷ अभियान के प्रचार-प्रसार में भी सक्रिय भागीदारी निभाएं। इसके अंतर्गत नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से बेटियों की सुरक्षा, शिक्षा और सम्मान का संदेश आमजन तक पहुँचाया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई इस महत्वाकांक्षी योजना का मूल उद्देश्य बालिका जन्म दर को सुधारना और समाज में बेटियों को बराबरी का दर्जा दिलाना है।

ट्रांसजेंडर समाज के प्रतिनिधियों ने प्रशासन की इस पहल का स्वागत करते हुए भरोसा दिलाया कि वे इस सामाजिक अभियान में पूरी तत्परता से भाग लेंगे और बेटियों के संरक्षण हेतु लोगों को जागरूक करने में हरसंभव सहयोग देंगे।

कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों ने यह भी बताया कि आने वाले दिनों में जिले के विभिन्न स्थानों पर नुक्कड़ नाटकों, पोस्टर प्रदर्शनी, रैली एवं जागरूकता शिविरों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें समाज के सभी वर्गों को सहभागिता हेतु प्रेरित किया जाएगा। यह पहल जिला प्रशासन की सामाजिक समावेशन की नीति को दर्शाती है, जिसमें समाज के प्रत्येक वर्ग को विकास यात्रा का सहभागी बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

प्रकृति संरक्षण के प्रति हम सबकी जबाबदेही - अजय मित्तल

स्वदेशी जागरण मंच ने स्वदेशी वस्तुओं के प्रयोग की दिलाई शपथ

पंचकूला–03 जुलाई– पंचकूला सेक्टर 21 के पार्ट 3 में रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा जिला प्रधान अजय मित्तल ने एक पेड़ मां के नाम से पौधारोपण किया। इस अवसर पर अजय मित्तल ने कहा, प्रकृति के प्रति हम सभी को अपनी जवाबदेही सुनिश्चित करनी चाहिए। प्रकृति का संरक्षण अपनी जिम्मेदारी मानकर हम सभी ने एक पौधा मां के नाम की भावना से अवश्य लगाना चाहिए। इस मौके पर पार्षद सुनीत सिंगला, मंडल अध्यक्ष सिद्धार्थ राणा, आरडब्ल्यूए प्रधान वी पी नरवाल, मंडल द्वञ्ज प्रमुख ललित गोयल सहित तमाम गणमान्य नागरिक एवं आरडब्ल्यूए के पदाधिकारी उपस्थित रहे। वृक्षारोपण के तहत तीस से अधिक पौधे लगाए गए जिसे स्थानीय नागरिकों ने गोद लिया साथ ही पौधों के नियमित देखभाल का वचन लिया। इस अवसर पर स्वदेशी जागरण मंच की जिला महिला सह प्रमुख एवं भाजपा मंडल महामंत्री पुष्पा सिंहरोहा ने स्वदेशी वस्तुओं को बढ़ावा देने के लिए सभी से अनुरोध किया एवं अरुण गर्ग ने उपस्थित स्थानीय नागरिकों को स्वदेशी वस्तुओं के प्रयोग करने एवं प्रोत्साहन देने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर आनंद सिंह, चित्रा गलहोत्रा, विजयलक्ष्मी, समाजसेवी टोनी गुप्ता, राजेश गोयल (लक्की) सहित अन्य उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

एक पेड़ मां के नाम मुहिम के खिलाफ थे केजरीवाल! सिरसा ने कौन सी नई बात बताई

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज और मंत्रियों मंजिंदर सिंह सिरसा तथा परवेश वर्मा के साथ वन महोत्सव 2025 समारोह में भाग लिया। इस दौरान पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिरसा ने बताया कि दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल एक पेड़ मां के नाम मुहिम के खिलाफ थे। सिरसा ने केजरीवाल के खिलाफ होने की वजह भी बताई। उन्होंने कहा कि दिल्ली वन महोत्सव 2025 राजधानी के लिए मील का पत्थर साबित होगा। अरविंद केजरीवाल के एक पेड़ मां के नाम मुहिम के खिलाफ होने का दावा करते हुए सिरसा ने बताया कि जब पीएम मोदी ने एक पेड़ मां के नाम शुरू किया था, तब दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इसे खारिज कर दिया था क्योंकि इसे पीएम मोदी ने शुरू किया था। इस वजह से दिल्ली को बहुत नुकसान हुआ। सिरसा ने आगे बताया कि दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता अब इसकी भरपाई कर रही हैं। दिल्ली तभी विकसित होगी जब दिल्ली हरी-भरी होगी। जब दिल्ली के लोग स्वच्छ हवा में सांस ले पाएंगे। आज एक बहुत ही ऐतिहासिक दिन है। इस दिन से दिल्ली में 70 लाख पेड़ लगाने की शुरुआत हो रही है। दिल्ली का हर व्यक्ति इसमें भाग लेगा।

ट्रेन से 17 दिन में रामायण यात्रा करने का मौका

नईदिल्ली, एजेंसी। आईआरसीटीसी की ओर से भारत गौरव डिलक्स एसी टूरिस्ट ट्रेन का परिचालन 25 जुलाई को किया जाएगा। सफदरजंग स्टेशन से चलने वाली यह गाड़ी 17 दिनों में रामायण यात्रा कराकर वापस दिल्ली लौटेगी। सफर में यात्रियों को अयोध्या, नंदीग्राम, सीतामढ़ी, जनकपुर, बक्सर, वाराणसी, प्रयागराज, चित्रकूट, नासिक, हम्पी, रामेश्वरम आदि स्थानों की यात्रा कराई जाएगी। यात्री इस गाड़ी में दिल्ली के अलावा गाजियाबाद, अलीगढ़, टुंडला, इटावा, कानपुर और लखनऊ से भी सवार हो सकेंगे। यह गाड़ी अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगी, ताकि यात्रियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। ट्रेन में दो रेस्तरां, एक मॉडर्न किचन, शॉवर क्यूबिकल, फुट मसाजर आदि हैं। इसके साथ ही सुरक्षा के लिए गार्ड एवं सीसीटीवी कैमरे भी मौजूद हैं। यात्री आईआरसीटीसी की वेबसाइट से टिकट बुक कर सकते हैं। इसमें प्रथम एसी, द्वितीय एसी और तृतीय एसी की कुल 150 सीटें उपलब्ध हैं। 17 दिनों में कुल 7600 किलोमीटर की यात्रा यह गाड़ी करेगी। इसमें तृतीय एसी के लिए 1.18 लाख, द्वितीय एसी के लिए 1.40 लाख और प्रथम एसी के लिए 1.66 लाख रुपये का टिकट है। यात्रियों को होटल में ठहराने और खाने के खर्च का वहन भी इस पैकेज में शामिल है।

इंटरव्यू में शख्स ने सबसे लूटी वाहवाही

नई दिल्ली। एक भारतीय स्टार्टअप के मालिक ने हाल ही में एक होनहार उम्मीदवार को दी गई 22 लाख रुपये सालाना की नौकरी का ऑफर वापस ले लिया। वजह? उम्मीदवार की लिंक्डइन पर की गई ऐसी टिप्पणियां, जो धार्मिक समुदायों के खिलाफ थीं। जॉबी के संस्थापक मोहम्मद अहमद भाटी ने कहा कि हुनर से ज्यादा उनके लिए इज्जत और इंसानियत मायने रखती है। इस फैसले ने सोशल मीडिया पर एक नए बहस को जन्म दे दिया है। सोशल मीडिया पर जहां कुछ लोग तारीफ कर रहे हैं, तो कुछ इसे कैंसिल कल्चर का नाम दे रहे हैं। मोहम्मद अहमद भाटी ने लिंक्डइन पर बताया कि उनकी कंपनी जॉबी ने एक रेडिट पोस्ट के बाद 12,000 आवेदनों में से 450 इंटरव्यू किए, मगर कोई सिलेक्ट नहीं हुआ। इसी दौरान एक उम्मीदवार ने अपनी काबिलियत से सबको प्रभावित किया। लेकिन, आखिरी बैकग्राउंड चेक में उम्मीदवार की धार्मिक समुदायों के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां सामने आईं, जिसके बाद ऑफर रद कर दिया गया। भाटी ने लिंक्डइन पर लिखा, ÷हम इंटरव्यू से इतने प्रभावित हुए कि बजट से ज्यादा का ऑफर देने को तैयार थे। मगर बैकग्राउंड चेक में हमें उम्मीदवार की हालिया टिप्पणियां मिलीं, जो धार्मिक समुदायों के खिलाफ थीं।

टॉयलेट तक साफ नहीं और आप ओलंपिक कराएंगे; बुरी तरह भड़क गया दिल्ली हाई कोर्ट?

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली हाई कोर्ट ने बुधवार को सार्वजनिक शौचालयों के रखरखाव में उदासीनता और असंवेदनशीलता दिखाने के लिए नगर निकायों की आलोचना की। मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय और तुषार राव गेडेला की पीठ ने टिप्पणी करते हुए कहा,हम ओलंपिक की मेजबानी का दावा कर रहे हैं, और हमारे शहर में साफ-सुथरे सार्वजनिक शौचालय भी नहीं हैं। उन्होंने सार्वजनिक सुविधाओं की स्थिति को दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण बताया।

अदालत ने कहा कि नगर निकायों और विकास एजेंसियों जैसे कि ÷ÿð,ÿð और ÿ÷ÿ ने सार्वजनिक सुविधाओं के रखरखाव के मामले में पूरी तरह से उदासीनता,असंवेदनशीलता और यहां तक कि कर्तव्य की उपेक्षा दिखाई है। इन एजेंसियों को बार-बार यह याद दिलाने की आवश्यकता नहीं है कि कानून के तहत पर्याप्त सार्वजनिक सुविधाएं प्रदान करना उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी है। हाई कोर्ट ने जन सेवा वेलफेयर सोसाइटी नामक एक पंजीकृत ह्लह्र की जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इस याचिका में नगर अधिकारियों को शहर में स्वच्छ पानी और बिजली के साथ साफ-सुथरे सार्वजनिक शौचालय उपलब्ध कराने के निर्देश देने की मांग की गई थी। पिछली सुनवाई के निर्देशों के बाद,अधिकारियों ने इस मुद्दे पर उठाए गए कदमों का विवरण देते हुए अपनी स्टेटस रिपोर्ट दाखिल की।

हालांकि,याचिकाकर्ता के वकील ने कुछ सार्वजनिक शौचालयों की ताज़ा स्थिति का हवाला दिया,जिसके बाद अदालत ने अधिकारियों द्वारा अपेक्षित कार्रवाई की कमी दर्ज की। अदालत ने कहा,आखिरकार,नगर निकाय और विकास एजेंसियां विधानमंडल द्वारा आम जनता के लाभ के लिए बनाई गई हैं और वे जनता के पैसे से काम करती हैं।पीठ ने टिप्पणी करते हुए कहा कि शौचालयों की हालत देखकर दुख होता है और यह दुर्भाग्यपूर्ण है। ऐसा लगता है कि शहर में हर जगह शौचालयों की स्थिति बेहतर नहीं है। पीठ ने आश्चर्य व्यक्त किया कि क्या सार्वजनिक शौचालयों को साफ रखने वाले अधिकारी कभी उनका उपयोग करते हैं,यह बताते हुए कि यदि उन्हें मजबूरन इनका उपयोग करना पड़े,तो ये सुविधाएं तुरंत चकाचक साफ हो जाएंगी। पीठ ने आगे कहा,शहर में उपलब्ध सार्वजनिक सुविधाओं की ऐसी स्थिति को देखते हुए,महिलाओं को जिन समस्याओं का सामना करना पड़ता है, वे स्वाभाविक कारणों से और बढ़ जाती हैं। इस मुद्दे को उच्चतम स्तर तक ले जाने का आदेश दिया गया। साथ ही,उन्हें अपने-अपने क्षेत्रीय अधिकार क्षेत्रों में व्यक्तिगत व्यापक योजनाएं तैयार करने का भी निर्देश दिया गया। पीठ ने कहा कि यह योजना एक उचित विशेषज्ञ अध्ययन पर आधारित होनी चाहिए,जिसमें यह सुनिश्चित करने के लिए उचित सिफारिशें की जानी चाहिए कि सार्वजनिक उपयोगिता सेवाएं उपयोग करने योग्य बनी रहें। इसने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि सार्वजनिक सुविधाएं ठीक से काम करें।

दिल्ली स्टेशन बना किडनैपिंग का अड्डा, तीन लेडी चोर बनाती थीं मासूमों का शिकार

नईदिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन, जहां हर दिन हजारों लोग आते-जाते हैं, वह तीन महिलाओं के लिए किडनैपिंग का खतरनाक अड्डा बन गया। तीनों महिलाएं अलग-अलग बैकग्राउंड की हैं। एक नर्स, एक प्रवासी नागरिक और एक अकाउंटेंट। लेकिन जुर्म की दुनिया ने तीनों को एक ही रास्ते पर खड़ा कर दिया। ये महिलाएं भीड़ भाड़ वाले स्टेशन पर मासूम बच्चों को निशाना बनाती थीं। ये प्लेटफॉर्म से बच्चों को उठातीं और फिर बेच देतीं।

35 साल की आरती, जिसका असली नाम रजिना कोटी था, पश्चिम बंगाल के बर्धमान से फरीदाबाद पहुंची थी। 18 साल की उम्र में शादी, दो बच्चे और एक हिंसक पति से तंग आकर 2017 में उसने घर छोड़ दिया। फरीदाबाद में उसकी मुलाकात 28 साल के मजदूर सूरज सिंह से हुई, जिससे उसने शादी कर ली। लेकिन आर्थिक तंगी ने उसे अपराध की राह पर धकेल दिया।

वहीं 45 साल की कांता भुजेल, जो खुद को डॉ. प्रिया कहकर नर्स की आड़ में क्लिनिक चलाती थी और 32 साल की निर्मला नेम्मी, जो दिल्ली में वकीलों के लिए अकाउंटेंट थी, इस रैकेट की अहम कड़ी थीं। तीनों ने मिलकर एक ऐसा जाल बुना, जिसमें मासूम बच्चे फंसते चले गए। 31 जुलाई 2023 को आरती ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के टिकट काउंटर के पास सो रहे एक तीन साल के बच्चे को उठा लिया। उसे दो दिन तक फरीदाबाद में अपने घर में रखा, लेकिन जब कांता ने खरीदार न मिलने की बात कही, तो आरती घबरा गई। उसने बच्चे को फरीदाबाद के एक टोल प्लाजा के पास छोड़ दिया। हरियाणा पुलिस ने बच्चे को ढूंढकर उसके परिवार तक पहुंचाया, लेकिन तब तक किडनैपर्स का कोई सुराग नहीं था। 17 अक्टूबर 2024 को आरती फिर स्टेशन पहुंची। इस बार उसने ढाई साल के एक बच्चे को उसकी मां के पास से सोते हुए उठाया। निर्मला की मदद से उसने और सूरज ने खुद को बच्चे के माता-पिता बताकर उसे गाजियाबाद के एक दंपति को बेच दिया, जो बेटा चाहता था। जाली कागजात बनाए गए और 3 लाख रुपये में सौदा हुआ, जिसमें से 1.2 लाख रुपये आरती और सूरज को मिले।

दिल्ली में मां-बेटे की गला काटकर हत्या, गिरफ्तार नौकर बोला- मालकिन ने डांटा था

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली में दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां के लाजपत नगर में एक महिला और उनके बेटे की घर में गला कटी हुई लाश मिली है। इस घटना के बाद से घर का नौकर लापता है। पति ने घर पर फोन ना रिसीव होने और सीढ़ियों पर खून के धब्बे मिलने के बाद पुलिस को बताया। वहां पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर अंदर देखा तो दोनों की लाश पड़ी हुई थी। पुलिस ने दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और जांच शुरू कर दी है। इस मामले में पुलिस ने महिला के घर में काम करने वाले नौकर को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि यह हत्या नौकर ने ही की है।

पिता ने घर पर कॉल किया और किसी ने कॉल नहीं रिसीव की। फिर इसकी जानकारी पुलिस को दी गई। पुलिस पहुंची तो पहले दरवाजा खुलवाने का प्रयास किया लेकिन अंदर से कोई जवाब ना आने पर पुलिस ने दरवाजा तोड़ दिया। जब अंदर जाकर देखा तो मां और उनके बेटे की गला कटी हुई लाश पड़ी थी। बेटे का शव बाथरूम में पड़ा मिला और मां का शव बेडरूम में। इस घटना के बाद घर में खून ही खून बिखरा पड़ा था।

इस घटना की जानकारी देते हुए पुलिस सूत्रों ने बताया कि पुलिस ने घर के नौकर को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार, महिला ने नौकर को किसी बात के लिए डांटा था, जिससे गुस्साए नौकर ने दोनों की गला काटकर हत्या कर दी। पुलिस नौकर को गिरफ्तार कर पूछताछ कर रही है।

इस मामले में पुलिस ने बताया कि बुधवार को करीब 10 बजे कुलदीप नाम के शख्स ने पुलिस को फोन किया और बताया कि लाजपत नगर-1 से बोल रहा है। कुलदीप ने कहा कि उनके पत्नी और बेटे को फोन लगा रहे हैं लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं आ रही है और घर की सीढ़ियों पर खून बिखरा हुआ है। सूचना मिलने के बाद पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और दरवाजा तोड़ा तो अंदर महिला और उनके बेटे की गला कटी हुई लाश पड़ी थी।

इतिहास की अदुभुत सैर पर ले जाएगा 'शीश महल', आम लोगों के लिए खुला

नईदिल्ली, एजेंसी।
राजधानी के ऐतिहासिक धरोहरों की सूची में पर्यटकों के लिए एक और नाम जुड़ गया है। दिल्ली के शालीमार बाग स्थित शीश महल का जीर्णोद्धार कार्य पूरा करने के बाद भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) और दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने इसे पर्यटकों को समर्पित कर दिया है।

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को शीश महल विरासत संरचनाओं का अनावरण किया। इस मौके पर सांसद प्रवीण खंडेलवाल भी मौजूद रहे।

अधिकारियों ने बताया कि संरक्षण को लेकर योजनाबद्ध तरीके से काम किया। इसके संरक्षण में राजस्थान और आगरा के लाल बलुआ पत्थर का उपयोग किया गया। बारादरी के साथ संरचनाओं को प्रामाणिकता और मजबूती सुनिश्चित करने के लिए चुने की कंक्रीट, सुर्खी, लखौरी ईंटों का इस्तेमाल किया। इसके साथ गुड़, बेलगिरी और उड़द जैसे प्राकृतिक बाइंडरों जैसी पारंपरिक सामग्रियों और तकनीकों का भी उपयोग किया। इसके संरक्षण के कार्य में मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के कई कारीगरों ने काम किया। शीश महल में प्रवेश निशुल्क है।

शीश महल में बारादरी और तीन ऐतिहासिक कुटीर का जीर्णोद्धार किया है। एक कुटीर में बुक कैफे बनाया गया है। दूसरे कुटीर, कैफे शालीमार बाग में पर्यटकों को कई खानपान की वस्तुएं मिलेंगी। तीसरे कुटीर को आधिकारिक प्रयोजनों के लिए समकालीन उपयोग के लिए तैयार किया गया है। दिल्ली विकास प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि डीडीए दिल्ली के अन्य विरासत संरचनाओं की रक्षा और उन्हें बहाल करने के लिए सक्रिय रूप से संरक्षण का काम कर रहा है। इसी दिशा में महरौली पुरातत्व पार्क, सेंट जेम्स चर्च, हजरत निजामुद्दीन बस्ती और अनंगपाल तोमर वन में विरासत संरचनाओं की बहाली जैसी परियोजनाएं शामिल हैं। इन ऐतिहासिक धरोहर स्थलों का मरम्मत, जीर्णोद्धार प्रक्रिया पूरी होने के बाद यह पर्यटकों के लिए नए पर्यटन स्थल के रूप में फिर से स्थापित होंगे। ये बहाल कार्य पर्यटकों और नागरिकों को शहर के इतिहास से जुड़ने के नए रास्ते प्रदान करेंगे। यह स्थल मनोरंजन के स्थान के रूप में भी काम करेंगे। शालीमार बाग मेट्रो स्टेशन से ई-रिक्शा और ऑटो पकड़ कर शीश महल जा सकते हैं। इसके अलावा दिल्ली की बस रूट नंबर 127, 183, 631 और 160 से भी जा सकते हैं। यह शीश महल 17वीं सदी का स्मारक है। इसका निर्माण शाहजहां ने अपनी बेगम अइज्जुन्निसा की याद में करवाया था। महल के अवशेष को देख कर इसकी भव्यता और खूबसूरती का अंदाजा लगाया जा सकता है। इतिहासकार बताते हैं कि शालीमार बाग का इस्तेमाल दिल्ली में मौजूद अंग्रेज अधिकारी भी करते थे। अंग्रेज रेजिडेंट सर डेविड ऑक्टरलोनी ने इसका इस्तेमाल गर्मियों में अपने एकांतवास के रूप में किया था।

दिल्ली में उमस भरी गर्मी, फिर वीकेंड पर होगी झमाझम बारिश

नईदिल्ली, एजेंसी।
राजधानी दिल्ली में बुधवार को कुछ इलाकों में हुई हल्की बारिश ने मौसम को थोड़ा सुकून भरा बना दिया। सुबह-सुबह नजफगढ़ में 15.1 मिमी और मयूर विहार में 1.5 मिमी बारिश ने दिल्लीवासियों को उमस भरी गर्मी से हल्की राहत दी। हालांकि, दिनभर तेज धूप और 61 से 89 प्रतिशत के बीच रही नमी ने गर्मी का अहसास बढ़ा दिया। मौसम विभाग के मुताबिक, गुरुवार को भी आंशिक बादल छाए रहेंगे और कुछ इलाकों में हल्की बौछारें पड़ सकती हैं।

बुधवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान 36.6 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 0.8 डिग्री कम था। न्यूनतम तापमान 27.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 0.3 डिग्री कम रहा। नमी की वजह से हीट इंडेक्स 44.3 डिग्री तक पहुंच गया, जिससे दोपहर में लोगों को 44 डिग्री जैसी गर्मी का अहसास हुआ। सुबह 8:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक नजफगढ़ में 3.5 मिमी, सफदरजंग और पालम में 1 मिमी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने गुरुवार के लिए आंशिक बादल छाए रहने और गरज-चमक के साथ हल्की बारिश की संभावना जताई है। अधिकतम तापमान 37 डिग्री और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस रह सकता है।

स्काईमेट के अनुसार, बारिश की संभावना कम है, लेकिन अगर हुई तो यह हल्की और कम समय की होगी। मौसम विभाग और स्काईमेट दोनों का अनुमान है कि 4 जुलाई से मॉनसूनी ट्रफ उत्तर की ओर खिसकेगी, जिससे बादल घने होंगे। शनिवार और रविवार (5-6 जुलाई) को दिल्ली में अच्छी बारिश हो सकती है। 5 से 9 जुलाई के बीच रुक-रुककर बारिश होने से तापमान में गिरावट की संभावना है। इस दौरान अधिकतम तापमान 32 से 37 डिग्री और न्यूनतम तापमान 26 से 28 डिग्री के बीच रह सकता है। बारिश के साथ आंधी और बिजली चमकने की भी संभावना है।दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक बुधवार को 83 रहा, जो संतोषजनक स्तर पर है। गाजियाबाद (86), ग्रेटर नोएडा (100), गुरुग्राम (53) और नोएडा (79) में भी एक्यूआई संतोषजनक रहा। अगले कुछ दिन (3-5 जुलाई) तक प्रदूषण का स्तर संतोषजनक रहने की उम्मीद है, जबकि 6 जुलाई के बाद यह संतोषजनक से सामान्य स्तर के बीच रह सकता है।

74 किमी लंबे ग्रीन फील्ड लिंक एक्सप्रेसवे का काम शुरू

नईदिल्ली, एजेंसी।
उत्तर प्रदेश के जेवर में बन रहे नोएडा एयरपोर्ट को यमुना एक्सप्रेसवे के जरिये गंगा एक्सप्रेसवे से जोड़ने की प्रक्रिया तेज हो गई है। इसके लिए ग्रीन फील्ड लिंक एक्सप्रेसवे की मार्किंग का काम शुरू हो गया है। उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) ने 74.3 किलोमीटर लंबे ग्रीन फील्ड लिंक एक्सप्रेसवे के निर्माण के लिए अधिसूचित जमीन की मार्किंग का काम शुरू कर दिया है। यह लिंक एक्सप्रेसवे गौतमबुद्ध नगर और बुलंदशहर के 56 गांव की भूमि पर बनेगा। इसे फिल्म सिटी के पास यमुना एक्सप्रेसवे से जोड़ा जाएगा।

गंगा और यमुना एक्सप्रेसवे को जोड़ने के लिए लिंक एक्सप्रेसवे बनना है। यह 120 मीटर चौड़ा लिंक एक्सप्रेसवे, गंगा एक्सप्रेसवे पर 44.3 किलोमीटर यानी बुलंदशहर के सियाना क्षेत्र में शुरू होगा और यमुना एक्सप्रेसवे के 24.8 किलोमीटर यानी सेक्टर-21 फिल्म सिटी के पास आकर जुड़ेगा। पहले इसकी लंबाई 83 किलोमीटर थी, लेकिन एलाइमेंट में बदलाव के बाद इसे सेक्टर से बचाते हुए इसे सेक्टर-21 में जोड़ने की योजना तैयार की गई है। इससे लंबाई करीब 8.7 किलोमीटर कम हो गई। लिंक एक्सप्रेसवे का निर्माण गौतमबुद्ध नगर के 8 गांव और बुलंदशहर के 48 गांवों की जमीन पर होगा। इनमें 14 गांव खुर्जा तहसील के हैं, बाकी बुलंदशहर, सियाना और शिकारपुर तहसील के रहेंगे। एक्सप्रेसवे के निर्माण को लेकर मार्किंग शुरू कर दी गई है। ये परियोजना करीब 4000 करोड़ रुपये में पूरी होगी। मार्किंग के बाद अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। ऐसे में यूपीडा ने अधिसूचित जमीन की खरीद-फरोख्त बंद करने के लिए दोनों जिलों के प्रशासन को भूमि के बैनामों पर रोक लगाने के लिए पत्र भी भेजा है।

ठग इतने एक्सपर्ट कि सुप्रीम कोर्ट की वकील भी झांसे में आ गई, 9 दिन डिजिटल अरेस्ट रख सवा 3 करोड़ ठगे

नईदिल्ली, एजेंसी।
साइबर अपराधियों ने नोएडा सेक्टर-47 में रहने वाली सुप्रीम कोर्ट में वकील रह चुकी बुजुर्ग महिला को नौ दिन तक डिजिटल अरेस्ट कर तीन करोड़ 29 लाख रुपये ठग लिए। आरोपियों ने उनसे दिल्ली, महाराष्ट्र और कोलकाता में खुले बैंक खातों में रकम ट्रांसफर कराई। आशंका जताई जा रही है कि ठगी की रकम किराये के खातों में गई।

पूछताछ के क्रम में जालसाजों ने महिला को 16 जून से 24 जून तक डिजिटल अरेस्ट करके रखा। महिला के बैंक खातों और उसमें जमा राशि के बारे में जानकारी एकत्र की। महिला से कहा गया कि वह अपनी एफडी तुड़वा लें और सारी रकम उनके बताए गए

खाते में ट्रांसफर कर दें। ठगों द्वारा यह भी वादा किया गया कि जांच के बाद पूरी रकम मूल खाते में वापस आ जाएगी। महिला को लगा वह सच में बड़े संकट में फंस गई हैं और पुलिस अधिकारी उसको केस से बाहर निकालने में मदद कर रहे हैं। झांसे में आने के बाद महिला ने ठगों द्वारा बताए खाते में पांच बार में करीब तीन करोड़ 30 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए।

महिला ने बताया कि जिस समय ठगों ने कॉल की, उस वक्त वह घर में अकेली थीं। ठगों ने महिला को हिदायत और चेतावनी दी कि अगर इस संबंध में उन्होंने घर के किसी अन्य सदस्य को बताया तो परिवार के अन्य लोग भी जेल जा सकते हैं। महिला के बेटी और बेटे बाहर थे। इस दौरान बच्चों ने मां को कई बार कॉल की, लेकिन उनको कोई बात नहीं बताई। कई दिन बाद जब महिला ज्यादा परेशान रहने लगी तब उन्होंने बेटे को पूरी आपबीती बताई। बेटे ने कहा कि वह साइबर ठगी का शिकार हो गई हैं। इसके बाद मामला पुलिस स्टेशन तक पहुंचा। महिला ने ट्रांजेक्शन संबंधी सभी दस्तावेज पुलिस को सौंपे हैं। महिला के घर पड़ोसियों का आना-जाना नहीं था। ऐसे में नौ दिन की अवधि में कोई आया ही नहीं। दिन-रात ठग वीडियो कॉल से महिला पर नजर बनाए रहे। समय-समय पर महिला को रिपोर्ट करने के लिए कहा गया और वह ऐसा ही करती रहीं। महिला ने कहा कि वह पेशे से अधिवक्ता थीं। आरोपियों को सजा दिलाने के लिए जूझी। एक छोटी सी गलती और डर ने जिंदगी भर की जमा पूंजी गंवा दी। महिला ने कहा कि शुरुआत में उन्हें लगा कि परिवार के सदस्यों से इस बारे में बात की जाए, लेकिन ठगों ने ऐसा डर बैठा दिया कि वह कुछ समझ नहीं पा रही थीं। जैसा ठग कह रहे थे, वह वैसा ही करती जा रही थीं। इस दौरान महिला की बेटी ने परेशान होने का कारण भी पूछा पर उन्होंने कुछ नहीं बताया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि देश की कोई भी जांच एजेंसी डिजिटल अरेस्ट नहीं करती है। यदि वीडियो कॉल पर पुलिस, सीबीआई, सीआईडी आदि के अधिकारी आ जाएं तो सब फर्जी होता है। इस तरह की कॉल आने पर कॉलर से कहें कि लोकल पुलिस के साथ घर आकर पूछताछ करें।

साइबर ठगी होने पर जितना जल्दी शिकायत दर्ज कराएंगे, उतना धनराशि फ्रीज कराने में आसानी होगी।

संपादकीय

डील पर न झुके भारत

भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील अटकी हुई है। मसला फंसा है कृषि और डेयरी प्रॉडक्ट्स को लेकर, जिसमें अमेरिका खुली छूट चाहता है। यह डील भारत के लिए जरूरी है, क्योंकि इसके बिना उसे डॉनल्ड ट्रंप के टैरिफ का सामना करना पड़ेगा, लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि अमेरिका की हर शर्त को मान लिया जाए। डील होनी चाहिए, पर ऐसी जिसमें भारत के हितों का भी ख्याल रखा गया हो।भारत के लिए अमेरिका सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर है और उन कुछ देशों में से एक है, जिसके साथ उसका ट्रेड सरप्लस है। पिछले वित्तीय वर्ष में भारत ने अमेरिका से आयात की तुलना में 41 अरब डॉलर से ज्यादा का निर्यात किया था। ट्रंप प्रशासन की आंखों में यही चुभ रहा है और वह इस अंतर को कम करना चाहता है। ट्रंप ने फिलहाल 8 जुलाई तक रिसिप्रोकल टैरिफ से छूट दी है और अगर इस तारीख तक डील न हुई, तो माना जा रहा है कि भारत को अभी के 10 प्रतिशत के बजाय 26प्रतिशत टैरिफ का सामना करना पड़ेगा। कृषि को लेकर कोई भी डील आसान नहीं। देश की करीब 65 करोड़ आबादी कृषि पर निर्भर है और अमेरिका को इस सेक्टर में टैरिफ पर छूट देना, इनके हितों को खतरे में डालना है। भारत को लचीला रुख अपनाकर कृषि, डेयरी को भी अमेरिका के लिए खोलना चाहिए। लेकिन दोनों देशों के किसानों में जमीन-आसमान का अंतर है। आज भारत दुनिया के टॉप 10 कृषि उत्पाद निर्यातक देशों में से एक है, इसके बावजूद यहां खेती में अब भी उत्पादन पूरी क्षमता से नहीं हो रहा। करीब आधी आबादी के खेती करने के बाद भी जीडीपी में इस सेक्टर का योगदान केवल 18त्न है। कम जोत, मौसम पर निर्भरता, उचित मूल्य न मिलना जैसी समस्याएं हैं। अमेरिका की 2 प्रतिशत से भी कम आबादी खेती से जुड़ी है और जीडीपी में योगदान 5.5 प्रतिशत, जबकि रोजगार में 10.4 प्रतिशत है। एस डिपार्टमेंट ऑफ एग्रीकल्चर के मुताबिक, अमेरिका में औसत फार्म 466 एकड़ का होता है, जबकि भारत में एक किसान के पास औसतन महज पौन एकड़ जमीन है। अमेरिका में खेती बस खेतों तक सीमित नहीं, उससे जुड़े कई उद्योग हैं। भारत ने ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन के साथ डील में भी एग्रीकल्चर और डेयरी सेक्टर को पूरी तरह मुक्त रखने पर हामी नहीं भरी। व्यापार में यही समानता अमेरिका के साथ भी होना चाहिए।

दक्षिण भारत के विभिन्न राज्यों में हिन्दी विरोध की राजनीति अब महाराष्ट्र में भी उग्र से उग्रत्तर हो गयी, इसी के कारण त्रिभाषा नीति को महाराष्ट्र में लगा झटका दुखद और अफसोसजनक है। आखिरकार राजनीतिक दबाव, लंबी रस्साकशी और कशमकश के बाद महाराष्ट्र की देवेंद्र फडणवीस सरकार ने स्कूलों में हिंदी की पढ़ाई से जुड़े मुद्दे पर यू-टर्न लेते हुए अपने कदम पीछे खींच लिए। विदित हो कि केंद्र सरकार की नीति के तहत महाराष्ट्र के स्कूलों में पहली कक्षा से हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाया जाना था। राजनीतिक आग्रहों एवं दुराग्रहों के चलते अब ऐसा नहीं हो पाएगा। मतलब, महाराष्ट्र को तीसरी भाषा के रूप में भी हिंदी मंजूर नहीं है।

हिन्दी को संघर्ष का नहीं, सेतु का माध्यम बनायें

(ललित गर्ग)

हिन्दी को हथियार बनाकर उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने मराठी समर्थक राजनीति को इस तरह से गरमा दिया था कि सरकारी प्रयासों के हाथ-पांव फूलने लगे और अपने फैसलों पर पुनर्विचार करना पड़ा। ठाकरे बंधुओं का हिन्दी विरोधी आंदोलन दिनोंदिन उग्र होता जा रहा था।

दक्षिण भारत के विभिन्न राज्यों में हिन्दी विरोध की राजनीति अब महाराष्ट्र में भी उग्र से उग्रत्तर हो गयी, इसी के कारण त्रिभाषा नीति को महाराष्ट्र में लगा झटका दुखद और अफसोसजनक है। आखिरकार राजनीतिक दबाव, लंबी रस्साकशी और कशमकश के बाद महाराष्ट्र की देवेंद्र फडणवीस सरकार ने स्कूलों में हिंदी की पढ़ाई से जुड़े मुद्दे पर यू-टर्न लेते हुए अपने कदम पीछे खींच लिए। विदित हो कि केंद्र सरकार की नीति के तहत महाराष्ट्र के स्कूलों में पहली कक्षा से हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाया जाना था। राजनीतिक आग्रहों एवं दुराग्रहों के चलते अब ऐसा नहीं हो पाएगा। मतलब, महाराष्ट्र को तीसरी भाषा के रूप में भी हिंदी मंजूर नहीं है। महाराष्ट्र में हिंदी का संकट वास्तव में एक गहरे सामाजिक-राजनीतिक विमर्श का हिस्सा है। यह केवल भाषाई नहीं, बल्कि अस्मिता, पहचान और सह-अस्तित्व से जुड़ा हुआ है। जबकि भाषा को संघर्ष का नहीं, सेतु का माध्यम बनाना चाहिए। क्योंकि जब मराठी और हिंदी एक-दूसरे की सहयोगी बनेंगी, तभी महाराष्ट्र और भारत दोनों का भविष्य उज्ज्वल होगा और तभी महाराष्ट्र राष्ट्रीयता से जुड़ते हुए समग्र विकास की ओर अग्रसर हो सकेगा।

हिन्दी को हथियार बनाकर उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने मराठी समर्थक राजनीति को इस तरह से गरमा दिया था कि सरकारी प्रयासों के हाथ-पांव फूलने लगे और अपने फैसलों पर पुनर्विचार करना पड़ा। ठाकरे बंधुओं का हिन्दी विरोधी आंदोलन दिनोंदिन उग्र होता जा रहा था। यह सच है, हर राज्य के लिए भाषा की राजनीति मायने रखती है और कोई भी पार्टी स्थानीय स्तर पर अपनी क्षेत्रीय भाषा से मुंह नहीं मोड़ सकती। यह सर्वविदित है कि महाराष्ट्र में पूर्व में एक समिति ने जब हिंदी पढ़ाने की सिफारिश की थी, तब उद्धव ठाकरे ही राज्य के मुख्यमंत्री थे। तब हिंदी का मामला बड़ा नहीं था, पर आज जब ठाकरे विपक्ष में हैं, तब यही मुद्दा सबसे अहम हो गया है। शायद यह शर्म की बात है कि जिस राज्य की राजधानी में पूरा हिंदी फिल्म उद्योग बसता है, समूचे देश की आर्थिक राजधानी होने का गौरव जिसे मिला हुआ है, जहां समूचे देश के लोगों बसे है, जिसे सांझा-संस्कृति का गौरव प्राप्त है, उस राज्य की राजनीति अब हिंदी से परहेज करती दिख रही है। आज उद्धव ठाकरे बोल रहे हैं कि देवेंद्र फडणवीस सरकार मराठी मानुष की शक्ति से हार गई, पर वे इस बात को छिपा रहे हैं कि हारी सरकार नहीं, बल्कि राष्ट्र-भाषा हिंदी हारी है, जिसने मुंबई को सपनों का शहर बनाए रखा है।

भारत विविधताओं का देश है, यहां भाषाएं न केवल संवाद का माध्यम हैं, बल्कि सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक भी हैं। परंतु जब भाषाएं टकराव का विषय बन जाएं, तो वह केवल भाषाई संकट नहीं रह जाता, बल्कि एक सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक मुद्दा बन जाता है। ऐसा ही कुछ महाराष्ट्र में देखने को मिल रहा है, जहां हिंदी भाषा को लेकर एक अनकहा-अनचाहा-सा संघर्ष चल रहा है। महाराष्ट्र में मराठी भाषा केवल एक भाषा नहीं, बल्कि मराठी अस्मिता का प्रतीक है। कई मराठी संगठनों और राजनीतिक दलों का यह मानना है कि हिंदी भाषा का बढ़ता वर्चस्व मराठी संस्कृति के लिए खतरा बन सकता है।

फडणवीस सरकार की ताजा घोषणा यह दर्शा रही है कि हिंदी का मुद्दा राज्य में विपक्षी दलों के हाथों का एक ताकतवर राजनीतिक हथियार बनता जा रहा था। न केवल विपक्ष के सभी दल इस मसले पर एकजुट और विधानसभा के मॉनसून सत्र को हंगामेदार बनाने पर आमादा थे, बल्कि ठाकरे बंधुओं को भी हिंदी विरोध की राजनीति की अपनी जानी-पहचानी जमीन वापस मिलती दिख रही थी। क्योंकि शिवसेना प्रमुख बाला साहेब ठाकरे के शुरुआती दौर में पार्टी खास तौर पर हिंदीभाषियों के विरोध के लिए जानी जाती थी। मुंबई और महाराष्ट्र में हिंदीभाषियों की निरंतर बढ़ती आबादी को शिवसेना मराठी अस्मिता के लिए खतरे के रूप में देखती थी। हालांकि बाद के दौर में, खासकर नब्बे के दशक से भाजपा के गठबंधन में शिवसेना की राजनीति भी हिंदी से हिंदू की ओर मुड़ती गई। ऐसे में निश्चित ही मराठा राजनीति से हिन्दी विरोध की उम्मीद नहीं थी। अब तक तमिलनाडु को ही हिंदी विरोध के लिए जाना जाता था, पर इधर तीखे हिंदी विरोध में कर्नाटक के साथ ही, महाराष्ट्र भी शामिल हो गया है। दुनिया की सर्वाधिक तीसरी बोली जाने वाली हिन्दी भाषा अपने ही देश में उपेक्षा एवं राजनीति की शिकार है। अब केन्द्र सरकार के साथ-साथ हिंदी समाज को ज्यादा सजग होना पड़ेगा। हिन्दी भाषी प्रांतों को अपनी राजनीतिक व आर्थिक शक्ति को इतना बल देना पड़ेगा कि कम से कम तीसरी भाषा के रूप में हिंदी को अहिंदीभाषी राज्यों में स्वीकार किया जाए। क्या हिंदी प्रदेश के नेता इससे सबक लेंगे? हालांकि, जिस तरह की त्रासद भाषा-राजनीति महाराष्ट्र में हो रही है, उससे यही लगता है कि इसके लिये बनी समितियों में बैठने वाले विशेषज्ञों की राय को किनारे कर दिया जाएग और राष्ट्रीयता पर क्षेत्रीयता की जीत हासिल हो जाएगी।

महाराष्ट्र में बढ़ते हिन्दीभाषियों के अनुपात को देखते हुए देर-सबेर हिन्दी को अपनाना ही लोकतांत्रिक दृष्टिकोण है। चाहे मुंबई हो या महाराष्ट्र, कुल आबादी में हिंदीभाषियों का बढ़ता अनुपात हिन्दी के पक्ष में है। 2001 की जनगणना के मुताबिक हिंदीभाषियों की संख्या मुंबई में 25.9 प्रतिशत और मराठीभाषियों की 42.9 प्रतिशत थी जो 2011 में क्रमशः 30.2 प्रतिशत और 41 प्रतिशत हो गई। महाराष्ट्र में इसी अवधि में जहां मराठीभाषी आबादी 76 प्रतिशत से 73.4 प्रतिशत पर आ गई, वहीं हिंदीभाषियों का अनुपात 7.3 प्रतिशत से बढ़कर 9.5 प्रतिशत हो गया। इसीलिये हिंदी लादने के इस फैसले ने न केवल उद्धव और राज ठाकरे को आक्रामक रूप में सामने ले आई बल्कि 20 साल बाद उद्धव और राज ठाकरे के एक मंच पर आने की खबर ने महाराष्ट्र की सियासत में हलचल मचा दी। 5 जुलाई को होने वाली हिन्दी विजय रैली पर महाराष्ट्र के लोगों की निगाहें लगी हुई हैं, क्योंकि मराठी भाषा और संस्कृति के मुद्दे पर सुर में सुर मिलाने वाले उद्धव और राज ठाकरे को सियासी हौसला मिल गया है। जिसे महाराष्ट्र की सियासत में एक नया मोड़ माना जा रहा, लेकिन साथ ही सवाल है कि उद्धव और राज ठाकरे की सियासी केमिस्ट्री कब तक बरकरार रहेगी।

हिंदी बनाम मराठी विवाद को कई बार राजनीतिक रंग भी दिया गया है। कुछ स्थानीय दलों ने हिंदी भाषी प्रवासियों, विशेषकर उत्तर प्रदेश और बिहार से आए लोगों को निशाने पर लेकर हिंदी भाषा पर परोक्ष रूप से प्रहार किया है। इससे न केवल भाषा के नाम पर लोगों में दूरी बढ़ी है, बल्कि महाराष्ट्र की समावेशी छवि को भी आघात पहुंचा है। महाराष्ट्र के कई क्षेत्रों, विशेषकर मुंबई, ठाणे, पुणे, और नासिक में बड़ी संख्या में हिंदीभाषी समुदाय निवास करता है। ये लोग महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था, व्यापार, निर्माण और सेवा क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। परंतु जब इनकी भाषा को दोयम दर्जे का माना जाता है, या उनके साथ भेदभाव किया जाता है, तो यह संविधान की आत्मा 'एकता में अनेकता' के विपरीत है। भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में हिंदी और मराठी दोनों को मान्यता प्राप्त है। हिंदी भारत की राजभाषा है और मराठी महाराष्ट्र की राजभाषा। किसी भी राज्य में भाषा का सम्मान होना चाहिए, लेकिन इसके नाम पर दूसरी भाषाओं को अपमानित करना न तो संवैधानिक है और न ही नैतिक। भाषायी सह-अस्तित्व के लिये महाराष्ट्र में मराठी को सर्वोच्च स्थान मिले, लेकिन हिंदी भाषा को भी सम्मान मिले, यह संतुलन ही स्वस्थ लोकतंत्र का आधार है। स्कूलों में मराठी, हिंदी और अंग्रेजी- तीनों भाषाओं को समुचित महत्व देकर बच्चों में बहुभाषिक दृष्टिकोण विकसित किया जा सकता है। विभिन्न राजनीतिक दल भाजपा एवं केन्द्र सरकार को घेरने के लिये जिस तरह भाषा, धर्म एवं जातियता को लेकर आक्रामक रवैया अपनाते हुए देश में अशांति, अराजकता एवं नफरत को फैला रहे रहे हैं, यह चिन्ताजनक है। महाराष्ट्र में हिन्दी का विरोध आश्चर्यकारी है। आजादी के अमृतकाल तक पहुंचने के बावजूद हिन्दी को उसका उचित स्थान न मिलना विडम्बना एवं दुर्भाग्यपूर्ण है। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

देश में नशे के सौदागरों का बढ़ता जाल

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत में नशे का संकट अब व्यक्तिगत बुराई नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आपदा बन चुका है। ड्रग माफिया, तस्करी, राजनीतिक संरक्षण और सामाजिक चुप्पी—सब मिलकर युवाओं को अंधकार में ढकेल रहे हैं। स्कूलों से लेकर गांवों तक नशे की जड़ें फैल चुकी हैं। यह सिर्फ स्वास्थ्य नहीं, सोच और सभ्यता का संकट है। समाधान केवल कानून से नहीं, बल्कि सामूहिक चेतना, संवाद, शिक्षा और सामाजिक नेतृत्व से आएगा। अगर आज हम नहीं जगे, तो कल हम एक खोई हुई पीढ़ी का मातम मनाएंगे।

भारत आज एक दोहरी लड़ाई लड़ रहा है—एक तरफ तकनीक और विकास की उड़ान है, और दूसरी ओर समाज के भीतर नशे का अंधकार फैलता जा रहा है। नशा अब सिर्फ एक व्यक्तिगत बुराई नहीं रह गया, बल्कि यह एक संगठित उद्योग, एक अंतर्राष्ट्रीय षड्यंत्र और एक सामाजिक महामारी का रूप ले चुका है। देश के गाँव से लेकर शहर तक, स्कूलों से लेकर कॉलेजों तक, और अमीरों की पार्टियों से लेकर गरीबों की गलियों तक, नशे के सौदागर अपना जाल फैलाए बैठे हैं।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि अब यह जाल केवल शराब या गांजे तक सीमित नहीं रहा। सिंथेटिक ड्रग्स, केमिकल नशे, हेरोइन, ब्राउन शुगर, कोकीन जैसे घातक पदार्थ अब भारत के युवाओं के जीवन को खोखला कर रहे हैं। पंजाब, हरियाणा, महाराष्ट्र, दिल्ली, मणिपुर, गोवा जैसे राज्यों में तो यह जहर सामाजिक ताने-बाने को चीर चुका है। एक ओर सरकार ÷युवाओं को स्किल्ड बनाने÷ की बात करती है, दूसरी ओर लाखों नौजवान नशे की गिरफ्त में अपनी ऊर्जा, जीवन और भविष्य गंवा रहे हैं।

नशे के पीछेएक पूरा तंत्र सक्रिय है—पैसे के लिए इंसानियत का सौदा करने वाले ड्रग माफिया, पुलिस और राजनीति में मिलीभगत, विदेशों से आने वाली तस्करी की खेप, और स्थानीय स्तर पर युवाओं को इस दलदल में धकेलने वाले एजेंट। ये सब मिलकर देश को अंदर से खोखला कर रहे हैं। यह कोई संयोग नहीं कि हर बड़ी ड्रग बरामदगी के पीछे किसी न किसी रसूखदार का नाम सामने आता है, लेकिन मामला वहीं दबा दिया जाता है।

एक वर्ग ऐसा भी है जो नशे को ÷लाइफस्टाइल÷ का हिस्सा मानने लगा है। ऊंचे दर्जे की पार्टियों में ड्रग्स फैशन बन चुकी है। वहां कोई इसे सामाजिक अपराध नहीं मानता, बल्कि 'कूलनेस' का प्रतीक बना दिया गया है। वहीं दूसरी तरफ गरीब युवा—जो बेरोजगारी, हताशा और टूटी हुई उम्मीदों के शिकार हैं—उन्हें नशा एक अस्थायी राहत की तरह दिखता है। दोनों ही हालात समाज को विनाश की ओर ले जा रहे हैं।

स्कूलों और कॉलेजों में नशा जिस तरह से प्रवेश कर चुका है, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए एक गहरी चेतावनी है। कई रिपोर्टें बताती हैं कि स्कूल के बच्चे तक ड्रग्स की चपेट में हैं। छोटे-छोटे पाउच, चॉकलेट जैसे पैकेट्स, खुशबूदार पाउडर—इनके ज़रिए नशा परोसा जा रहा है। और जब बच्चे इसकी गिरफ्त में आते हैं, तो परिवार, शिक्षक और समाज—सभी असहाय हो जाते हैं।

भारत के संविधान ने हमें एक 'स्वस्थ राष्ट्र' का सपना दिया था, लेकिन जिस देश के युवा ही बीमार और नशे में हों, उस राष्ट्र की कल्पना कैसे साकार होगी? युवा ही देश की रीढ़ होते हैं—यदि वही झुक जाएं, टूट जाएं या खोखले हो जाएं, तो देश भी खड़ा नहीं रह सकता।

नशा केवल शरीर को नहीं, आत्मा को भी मारता है। यह निर्णय क्षमता को खत्म करता है, रिश्तों को तोड़ता है, अपराध को जन्म देता है और समाज में हिंसा और उदासी का माहौल फैलाता है। नशे की लत में पड़ा व्यक्ति अपने परिजनों के लिए बोझ बन जाता है। वह चोरी करता है, झूठ बोलता है, आत्महत्या तक कर लेता है।

यह एक मात्र स्वास्थ्य या क़ानून व्यवस्था की समस्या नहीं है—यह नैतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक संकट है।

माफिया नेटवर्क में पुलिस और राजनीतिक संरक्षण की बात करना कोई षड्यंत्र नहीं है, बल्कि कई बार कोर्ट और जांच एजेंसियों के रिकॉर्ड में यह स्पष्ट रूप से सामने आ चुका है। NDPS एक्ट (Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act) जैसे कानून मौजूद हैं, लेकिन इनका क्रियान्वयन बेहद कमजोर और पक्षपाती है। कई मामलों में पकड़ में आए ड्रग तस्करों को तकनीकी खामियों के चलते छोड़ दिया जाता है। वहीं गरीब या छोटे उपयोगकर्ता जेल में सड़ते हैं।

सरकारें अक्सर ड्रग्स के खिलाफ ÷जागृति अभियान÷, ÷स्लोगन प्रतियोगिता÷, या ÷परेड÷ जैसे प्रतीकात्मक कार्यक्रम करती हैं, लेकिन सवाल है कि क्या इससे कुछ बदलता है? ज़रूरत है एक मजबूत नीति, ईमानदार क्रियान्वयन और सबसे बड़ी बात—राजनीतिक इच्छाशक्ति की।

नशे की तस्करी अक्सर सीमावर्ती इलाकों से होती है—पंजाब-पाकिस्तान सीमा, मणिपुर-म्यांमार सीमा, गुजरात समुद्री तट और मुंबई बंदरगाह जैसे स्थानों से। इन इलाकों में हाई अलर्ट की जरूरत है, लेकिन अक्सर सुरक्षा तंत्र या तो लापरवाह होता है या भ्रष्ट। पिछले कुछ वर्षों में टनों की मात्रा में ड्रग्स पकड़े जाने के बावजूद, ड्रग लॉर्ड्स पर कार्यवाही न के बराबर हुई है। इससे अपराधियों का मनोबल और बढ़ता है।

इसमें मीडिया की भूमिका भी कमज़ोर रही है। कुछ चुनिंदा मामलों में मीडिया टीआरपी के लिए ÷ड्रग्स ड्रामा÷ दिखाता है, लेकिन अधिकतर समय वह इस गंभीर मुद्दे को उपेक्षित छोड़ देता है। और जब बॉलीवुड जैसी चमकती दुनिया में ड्रग्स की चर्चा होती है, तो उसे भी 'गॉसिप' बना दिया जाता है, असल सामाजिक विमर्श नहीं। इस पूरे संकट का सबसे दुखद पहलू यह है कि इससे जुड़ा व्यक्ति अकेला नहीं मरता—उसके साथ पूरा परिवार, और धीरे-धीरे एक पीढ़ी मुरझा जाती है।

मध्यमवर्गीय परिवार नहीं फंसे ऋ ण के जाल में

भारत में चूंकि अब मुद्रा स्फीति की दर नियंत्रण में आ गई है, अतः आगे आने वाले समय में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दर में और अधिक कमी की जा सकती है। इस प्रकार, बहुत सम्भव है ऋणराशि पर लागू ब्याज दरों में कमी के बाद कई नागरिक जिन्होंने पूर्व में कभी बैंकों से ऋण नहीं लिया है, वे भी ऋण लेने का प्रयास करें। बैंक से ऋण लेने से पूर्व इस बात का ध्यान रखना आवश्यक है कि इस ऋण को चुकता करने की क्षमता भी ऋणदाता में होनी चाहिए अर्थात ऋणदाता की पर्याप्त मासिक आय होनी चाहिए ताकि बैंकों द्वारा प्रदत्त ऋण की किश्त एवं ब्याज का भुगतान पूर्व निर्धारित समय सीमा के अंदर किया जा सके।

(प्रह्लाद सबनानी)

बैकों से लिए गए ऋण की मासिक किश्त एवं इस ऋणराशि पर ब्याज का भुगतान यदि निर्धारित समय सीमा के अंदर नहीं किया जाता है तो चूककर्ता ऋणदाता से बैकों द्वारा दंडात्मक ब्याज की वसूली की जाती है।

हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक ने रेपो दर में 50 आधार बिंदुओं की कमी की है। इसके साथ ही, निजी क्षेत्र के बैंकों, सरकारी क्षेत्र के बैंकों एवं क्रेडिट कार्ड कम्पनियों सहित अन्य वित्तीय संस्थानों ने भी अपने ग्राहकों को प्रदान की जा रही ऋणराशि पर लागू ब्याज दरों में कमी की घोषणा करना प्रारम्भ कर दिया है ताकि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दर में की गई कमी का लाभ शीघ्र ही भारत में ऋणदाताओं तक पहुंच सके एवं इससे अंततः देश की अर्थव्यवस्था को बल मिल सके। भारत में चूंकि अब मुद्रा स्फीति की दर नियंत्रण में आ गई है, अतः आगे आने वाले समय में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दर में और अधिक कमी की जा सकती है। इस प्रकार, बहुत सम्भव है ऋणराशि पर लागू ब्याज दरों में कमी के बाद कई नागरिक जिन्होंने पूर्व में कभी बैंकों से ऋण नहीं लिया है, वे भी ऋण लेने का प्रयास करें। बैंक से ऋण लेने से पूर्व इस बात का ध्यान रखना आवश्यक है कि इस ऋण को चुकता करने की क्षमता भी ऋणदाता में होनी चाहिए अर्थात ऋणदाता की पर्याप्त मासिक आय होनी चाहिए ताकि बैकों द्वारा प्रदत्त ऋण की किश्त एवं ब्याज का भुगतान पूर्व निर्धारित समय सीमा के अंदर किया जा सके। इस संदर्भ में विशेष रूप से युवा ऋणदाताओं द्वारा क्रेडिट कार्ड के उपयोग पश्चात संबंधित राशि का भुगतान समय सीमा के अंदर अवश्य करना चाहिए क्योंकि अन्यथा क्रेडिट कार्ड एजेंसी द्वारा चूक की गई राशि पर भारी मात्रा में ब्याज वसूला जाता है, जिससे युवा ऋणदाता ऋण के जाल में फंस जाते हैं।

बैकों से लिए गए ऋण की मासिक किश्त एवं इस ऋणराशि पर ब्याज का भुगतान यदि निर्धारित समय सीमा के अंदर नहीं किया जाता है तो चूककर्ता ऋणदाता से बैकों द्वारा दंडात्मक ब्याज की वसूली की जाती है। इसी प्रकार, कई नागरिक जो क्रेडिट कार्ड का उपयोग करते हैं एवं इस क्रेडिट कार्ड के विरुद्ध उपयोग की गई राशि का भुगतान यदि वे निर्धारित समय सीमा के अंदर नहीं कर पाते हैं तो इस राशि पर चूक किए गए क्रेडिट कार्ड धारकों से भारी भरकम ब्याज की दर से दंड वसूला जाता है। कभी कभी तो दंड की यह दर 18 प्रतिशत से 24 प्रतिशत के बीच रहती है। क्रेडिट कार्ड का उपयोग करने वाले नागरिक कई बार इस उच्च ब्याज दर पर वसूली जाने वाली दंड की राशि से अनभिज्ञ रहते हैं। अतः

बैंकों से ली जाने वाली ऋणराशि एवं क्रेडिट कार्ड के विरुद्ध उपयोग की जाने वाली राशि का समय पर भुगतान करने के प्रति ऋणदाताओं को सजग रहने की आवश्यकता है।

कुल मिलाकर यह ऋणदाताओं के हित में है कि वे बैंक से लिए जाने वाले ऋण की राशि तथा ब्याज की राशि एवं क्रेडिट कार्ड के विरुद्ध उपयोग की जाने वाली राशि का पूर्व निर्धारित एवं उचित समय सीमा के अंदर भुगतान करें क्योंकि अन्यथा की स्थिति में उस चूककर्ता नागरिक की क्रेडिट रेटिंग पर विपरीत प्रभाव पड़ता है एवं आगे आने वाले समय में उसे किसी भी वित्तीय संस्थान से ऋण प्राप्त करने में कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है एवं बहुत सम्भव है कि भविष्य में उसे किसी भी वित्तीय संस्थान से ऋण प्राप्त ही न हो सके। ऋणदाता यदि किसी प्रामाणिक कारणवश अपनी किश्त एवं ब्याज का बैंकों अथवा क्रेडिट कार्ड कम्पनी को समय पर भुगतान नहीं कर पाता है और उसका ऋण खाता यदि गैर निष्पादनकारी आस्ति में परिवर्तित हो जाता है तो इस संदर्भ में चूककर्ता ऋणदाता द्वारा बैंकों को समझौता प्रस्ताव दिए जाने का प्रावधान भी है। इस समझौता प्रस्ताव के माध्यम से चूककर्ता ऋणदाता द्वारा सम्बंधित बैंक अथवा क्रेडिट कार्ड कम्पनी को मासिक किश्त एवं ब्याज की राशि को पुनर्निर्धारित किए जाने के सम्बंध में निवेदन किया जा सकता है। परंतु, यदि ऋणदाता ऋण की पूरी राशि, ब्याज सहित, अदा करने में सक्षम नहीं है तो चूक की गई राशि में से कुछ राशि की छूट प्राप्त करने एवं शेष राशि को एकमुश्त अथवा किश्तों में अदा करने के सम्बंध में भी समझौता प्रस्ताव दे सकता है। ऋण की राशि अथवा ब्याज की राशि के सम्बंध के प्राप्त की गई छूट की राशि का रिकार्ड बनता है एवं समझौता प्रस्ताव के अंतर्गत प्राप्त छूट के चलते भविष्य में उस ऋणदाता को बैकों से ऋण प्राप्त करने में कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है, इस बात का ध्यान चूककर्ता ऋणदाता को रखना चाहिए। अतः जहां तक सम्भव को ऋणदाता द्वारा समझौता प्रस्ताव से भी बचा जाना चाहिए एवं अपनी ऋण की निर्धारित किश्तों एवं ब्याज का निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत भुगतान करना ही सबसे अच्छा रास्ता अथवा विकल्प है।

भारत में तेज गति से हो रही आर्थिक प्रगति के चलते मध्यमवर्गीय नागरिकों की संख्या भी तेजी से बढ़ रही है, जिनके द्वारा चार पहिया वाहनों, स्कूटर, फ्रिज, टीवी, वॉशिंग मशीन एवं मकान आदि आस्तियों को खरीदने हेतु बैकों अथवा अन्य वित्तीय संस्थानों से ऋण लिया जा रहा है। कई बार मध्यमवर्गीय परिवार एक दूसरे की देखा देखी आपस में होड़ करते हुए भी कई उत्पादों को खरीदने का प्रयास करते हुए दिखाई देते हैं, चाहे उस उत्पाद विशेष की आवश्यकता हो अथवा नहीं। उदाहरण के लिए एक पड़ौसी ने यदि अपने चार पहिया वाहन का एकदम नया मॉडल खरीदा है तो जिस पड़ौसी के पास पूर्व में ही चार पहिया वाहन उपलब्ध है वह पुराने मॉडल के वाहन को बेचकर पड़ौसी द्वारा खरीदे गए नए मॉडल के चार पहिया वाहन को खरीदने का प्रयास करता है और बैंक के ऋण के जाल में फंस जाता है। यह नव धनाडय वर्ग यदि बैक से लिए गए ऋण की किश्त एवं ब्याज की राशि का निर्धारित समय सीमा के अंदर भुगतान नहीं कर पाता है तो उस नागरिक विशेष के वित्तीय रिकार्ड पर धब्बा लग सकता है जिससे उसके लिए उसके शेष जीवन में बैकों एवं अन्य वित्तीय संस्थानों से पुनः ऋण लेने में कठिनाई आ सकती है। अतः बैकों से ऋण प्राप्त करने वाले नागरिकों को ऋण की किश्त का समय पर भुगतना करना स्वयं उनके हित में हैं, ताकि भारत में तेज हो रही आर्थिक प्रगति का लाभ आगे आने वाले समय में भी समस्त नागरिक ले सकें।

भारत में तो यह कहा भी जाता है कि जिसके पास जितनी चादर हो, उतने ही पैर पसारने चाहिए। अर्थात, नागरिकों को बैंकों से ऋण लेते समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि ऋण की किश्त एवं ब्याज की राशि का भुगतान करने लायक उनकी अतिरिक्त आय होनी चाहिए, ताकि ऋण की किश्तों एवं ब्याज की राशि का भुगतान निर्धारित समय सीमा के अंदर किया जा सके एवं उनका ऋण खाता गैर निष्पादनकारी आस्ति में परिवर्तित नहीं हो।

(लेखक सेवानिवृत्त उपमहाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक)

हरियाणा के गैर एनसीआर जिलों में स्थित ईंट भट्टों में धान की पराली आधारित बायोमास पेलेट का उपयोग अनिवार्य- राजेश नागर

धान पराली का होगा सदुपयोग, पर्यावरण की रक्षा के लिए उत्तम निर्णय

फरीदाबाद-- हरियाणा के गैर एनसीआर जिलों में स्थित ईंट भट्टों में धान की पराली आधारित बायोमास पेलेट के उपयोग को अनिवार्य कर दिया गया है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने हाल ही में इस बाबत आदेश जारी किए हैं जिसके बाद आज खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग ने सभी जिलों को पत्र जारी किया है। ज्ञात रहे कि

एनसीआर क्षेत्रों में बायोमास ईंधन के प्रयोग का नियम पहले से ही लागू है। इसके साथ ही पराली से होने वाले प्रदूषण को रोकने के लिए अब हरियाणा के सभी जिलों में स्थित ईंट भट्टों में धान की पराली आधारित बायोमास पेलेट के उपयोग अनिवार्य हो गया है।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री श्री राजेश नागर ने बताया कि हरियाणा के गैर-एनसीआर क्षेत्रों सभी ईंट भट्टों में धान की पराली आधारित बायोमास पेलेट के 50% सम्मिश्रण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसमें न्यूनतम उपयोग का लक्ष्य निम्न प्रकार है-

01.11.2025 से – कम से कम 20% सम्मिश्रण
01.11.2026 से – कम से कम 30% सम्मिश्रण
01.11.2027 से – कम से कम 40% सम्मिश्रण
01.11.2028 से – कम से कम 50% सम्मिश्रण

उन्होंने कहा कि इस क्रम में हरियाणा के सभी गैर-एनसीआर जिलों अम्बाला, फतेहाबाद, हिसार, कैथल, कुरुक्षेत्र, पंचकूला, सिरसा एवं यमुनानगर को पत्र के माध्यम से त्वरित अनुपालन हेतु निर्देश जारी कर दिए गए हैं। 'बायोमास पेलेट' एक प्रकार से ठोस ईंधन हैं। लकड़ी, कृषि अवशेषों और अन्य चीजों को छोटे और बेलनाकार छर्रों का रूप दिया जाता है।

एसपी वरूण सिंगला के मार्गदर्शन में पुलिस ने साईबर कॉल सेंटर का किया भंडाफोड़-एएसपी शुभम् सिंह

3 महिला सहित गैंग के 11 ठगों पर कसा शिकंजा-एएसपी

पलवल.03 जुलाई। सुनील कुमार जांगड़ा. पुलिस को मिली सफलता का खुलासा आयोजित प्रेस वार्ता में करते हुये अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पलवल शुभम् सिंह ने बताया कि एस0पी0 पलवल वरुण सिंगला के कुशल निर्देशन एंव नेतृत्व में पलवल पुलिस लगातार अपराधियो पर शिकंजा कस रही है इसी कड़ी में साईबर क्राईम थाना पलवल प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार की टीम ने साईबर ठगी पर प्रहार करते हुये बैंक कस्टमर अधिकारी बनकर ग्राहको के क्रेडिट कार्ड से ठगी करने वाले कॉल सेन्टर का भंडा फोड करते हुए गैंग के 11 सदस्यो को गिरफ्तार किया है जिनमें तीन लड़की भी शामिल है।

आरोपियों की पहचान-

1.प्रदीप निवासी सैनिक नगर उत्तम नगर नई दिल्ली।
2 मोहित निवासी पश्चिम विहार नई दिल्ली।
3. विरेन्द्र निवासी कुंवर सिंह नई दिल्ली।
4 रोहित निवासी टैगोर गार्डन नई दिल्ली।
5 साक्षी निवासी टैगोर गार्डन नई दिल्ली।
6 सुशबु निवासी मुकुन्दपुर नोर्थ बेस्ट दिल्ली ।
7 अविशका निवासी समता विहार, मुकंदपुर नोर्थ वेस्ट दिल्ली ।
8 साहिल निवासी रोहिणी दिल्ली ।
9 साहिब निवासी रोहिणी दिल्ली ।
10 आयुष निवासी जनकपुरी एक्सटेशन दिल्ली ।
11 नितिन निवासी सैक्टर 5 रोहिणी दिल्ली ।

वारदात का तरीका- अपराधी बैंक अधिकारी बनकर ग्राहको को कॉल करते और क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़वाने के नाम पर ओटीपी प्राप्त करके क्रेडिट कार्ड से निकालकर अलग अलग वालेट में प्राप्त करके साथी आरोपियो द्वारा सी एस सी से निकलवाते थे।

आगे विस्तार से जानकारी देते हुए ए एस पी शुभम सिंह ने बतलाया कि मुदई संजय कुमार निवासी बघौला थाना गदपुरी जिला पलवल से थाना पर एक ऑनलाईन शिकायत एच डी एफ सी बैंक के क्रेडिट कार्ड से 33000 रुपये धाखाधड़ी पुर्वक कार्ड की लिमिट बढ़ाने के नाम पर कस्टमर केयर से कॉल आने पर निकाले जाने बारे प्राप्त हुई जिस पर मुक्दमा न. 127 दिनाक 01.07.25 धारा 318 (4) 319 (2) बी एन एस थाना साईबर क्राईम पलवल दर्ज रजि. किया जाकर थाना साईबर क्राईम पलवल की टीम ने घटना में प्रयोग किए गए फोन न. वा बैंक संबंधित विवरण प्राप्त करके दिल्ली में कॉल सैन्टर से कुल 11 अपराधियो को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

बरामगी- आरोपियों से 20 मोबाईल फोन वा बैंक %खाते के बारे में जानकारी मिली है।

100 से अधिक वारदातों का खुलासा- जो अभी तक की पुछताछ में इनके खिलाफ देशभर के अलग-अलग राज्यो मे 100 से उपर शिकायत दर्ज होनी पाई गई है जिनमे करीब 40 लाख से उपर की राशी की धोखाधड़ी पाई गई है। जिनके बारे में संबंधित थाना प्रभारियो को सुचित किया जा रहा है।

रिमांड- आरोपियों से इस नेटवर्क अपराध में संलिप्त अन्य साथी आरोपियो बारे गहन पुछताछ की जा रही है तथा धोखाधडी पुर्वक हासिल की गई रकम को बरामद करने के प्रयास किए जा रहे है। इस नेटवर्क का पूर्णतया सफाया करने हेतु आरोपियों को पुलिस रिमांड पर लेने की तैयारी की जा रही है।

कला कीर्ति भवन में सारंग्य वीणा कार्यक्रम आज, संगीत के सुरों का होगा प्रदर्शन

कुरुक्षेत्र 03 जुलाई। हरियाणा कला परिषद द्वारा प्रदेश में कला और संस्कृति के विस्तार के लिए निरंतर प्रयास किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत हरियाणा कला परिषद द्वारा न केवल कुरुक्षेत्र में बल्कि प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन कर कलाकारों को मंच दिया जा रहा है। इसी कड़ी में कला कीर्ति भवन की भरतमुनि रंगशाला में जुलाई माह में साप्ताहिक संध्या कार्यक्रमों को आयोजित कर हरियाणा कला परिषद द्वारा कुरुक्षेत्रवासियों को प्रत्येक शुक्रवार मनोरंजन प्रदान करते हुए अलग-अलग सांस्कृतिक कार्यक्रम दिखाए जाएगें। यह जानकारी हरियाणा कला परिषद के निदेशक नागेंद्र शर्मा ने दी। उन्होंने बताया कि 4 जुलाई को सारंग्य वीणा कार्यक्रम आयोजित होगा। इस कार्यक्रम में सांरगी और तबला की जुगलबंदी देखने को मिलेगी। चण्डीगढ़ से सुप्रसिद्ध सारंगीवादक पंडित विनोद पवार तथा तबलावादक रजनीश धिमान सारंगी और तबला की प्रस्तुति के साथ-साथ संगीत के विभिन्न पहलूओं को लोगों के साथ सांझा करेंगे। कार्यक्रम का समय शाम को 6.30 बजे रहेगा। इसके अलावा 11 जुलाई को सूफीयाना शाम में विक्रम सिरोहीवाल सूफी तराने प्रस्तुत करेंगे। वहीं 18 जुलाई को स्वांग कबीरा तथा 25 जुलाई को नाटक मीरा का मंचन किया जाएगा।

गत 6 माह में ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन पर 4.42 लाख चालान कर, 4,89,71,175 का राजस्व बतौर जुर्माना वसूला-आईपीएस सतेंद्र कुमार गुप्ता

- ट्रैफिक पुलिस केवल चालान करके दंडित नहीं कर रही बल्कि लगातार आमजन के हित में जागरूकता अभियान जारी-डीसीपी जयवीर राठी

फरीदाबाद- 3 जुलाई। सुनील कुमार जांगड़ा. एडीजीपी ट्रैफिक हरदीप सिंह दून व पुलिस आयुक्त सतेंद्र कुमार गुप्ता के आदेश पर डीसीपी ट्रैफिक जयवीर राठी के दिशा-निर्देश व एसीपी ट्रैफिक शैलेंद्र कुमार के मार्गदर्शन में एसएचओ ट्रैफिक अनोज कुमार व जोन ट्रैफिक इंस्पेक्टर के नेतृत्व में फरीदाबाद ट्रैफिक पुलिस ने 1 जनवरी से 30 जून 2025 तक सड़क सुरक्षा अभियान के तहत कुल 4,42,680 ट्रैफिक उल्लंघन करने पर 4,13,120 चालकों के चालान किए गए, और ?4 करोड़ 89 लाख 71 हजार , एक सौ पिचेहतर रुपये का राजस्व बतौर जुर्माना वसूला गया।

4.42 लाख का यह आंकड़ा पिछ्ले वर्ष की तुलना में काफी अधिक है, जबकी समान अवधि में 1,52,411 उल्लंघन के चालान किए गए थे। आमजन से अपील ट्रैफिक नियमों का पालन करें।

नियमों के उल्लंघन जिनसे सड़क दुर्घटना मे सिधा जान का खतरा बढ़ सकता है, जिसमें सबसे अधिक बिना हेलमेट वाहन चलाने के 1,52,775 चालान किए गए। इसके अतिरिक्त गलत दिशा में वाहन चलाने के 37,345, तेज रफ्तार (ओवरस्पीडिंग) के 38,861, लाइन चेंज उल्लंघन के 10,934, ट्रिपल राइडिंग के 9717, खतरनाक ड्राइविंग के 6945, ड्रिंक एंड ड्राइव के 3517, ड्राइविंग के दौरान मोबाइल उपयोग के 1235, और रेड

लाइट जम्प करने के 921, मामलों में चालान किए गए। ये सभी उल्लंघन सीधे तौर पर दुर्घटनाओं के मुख्य कारण माने जाते हैं।

वहीं कुछ ऐसे वायलेशन भी सामने आए जो ट्रैफिक नियमों के अंतर्गत अपराध की श्रेणी में आते हैं और जिन पर पुलिस द्वारा गंभीर कार्रवाई की गई। इनमें गलत नंबर प्लेट या फॉन्ट के 12,818, नो-एंट्री में प्रवेश करने के 11,258, बिना सीट बेल्ट के गाड़ी चलाने के 7900, ब्लैक फिल्म के 6711, बिना नंबर प्लेट के 6334 और प्रेशर हॉर्न के 1048 मामले शामिल हैं। इनमें से कई मामलों में पुलिस द्वारा स्नढ्ढक्रभी दर्ज की गई हैं और जरूरत पड़ने पर वाहन जब्त किए गए।

पुराने वाहन सड़क से हटाए गए सड़क सुरक्षा के दृष्टिकोण से पुराने पर भी ट्रैफिक पुलिस ने सख्त कार्रवाई की। अभियान के तहत 10 वर्ष से अधिक पुराने डीज़ल वाहनों और 15 वर्ष से अधिक पुराने पेट्रोल वाहनों को चिह्नित कर कार्रवाई की गई, जिसमें कुल 187 वाहन इंपाउंड किए गए। इसके अलावा, अवैध व असुरक्षित जुगाड़ वाहनों के 150 यूनिट्स को जब्त कर सड़क से हटाया गया, जिससे शहर की यातायात व्यवस्था अधिक सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनी।

डीसीपी ट्रैफिक जयवीर राठी ने बताया कि ट्रैफिक पुलिस केवल चालान करके दंडित नहीं कर रही, बल्कि लगातार सार्वजनिक स्थानों, स्कूलों, कॉलेजों और चौकों पर जागरूकता कार्यक्रम भी चला रही है। इसके अलावा खराब, अवैध या नियमविरोधी वाहनों को सड़क से हटाया जा रहा है, ताकि ट्रैफिक व्यवस्था बाधित न हो और सड़क पर चलने वालों की जान की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

फरीदाबाद ट्रैफिक पुलिस आमजन से अपील करती है कि सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता दें, ट्रैफिक नियमों का पालन करें। हेलमेट और सीट बेल्ट जीवन रक्षा के लिए जरूरी है इसलिए अनिवार्य रूप से उपयोग करें, ड्रिंक करके ड्राइव ना करें, ड्राइविंग करते वक्त मोबाइल फोन का प्रयोग ना करें, रॉन्ग साइड ना चले और रेड लाइट जंप ना करें। बारिश का मौसम है धीरे चलें और यदि सड़क पर कहीं जलभराव/ गड्ढे हैं तो बच कर चले। सड़क पर जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभाएं।

ट्रैफिक सहायता/ सुझाव के लिए या जाम की स्थिति में +91 129 222 5999 डायल करें।

हरियाणा सरकार व प्रशासन ने जिला में अवैध खनन पर कसा शिकंजा -उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ

पलवल, 03 जुलाई। उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार जिला प्रशासन की ओर से जिला में अवैध खनन पर शिकंजा कसा हुआ है। उन्होंने कहा कि अवैध खनन को रोकने के लिए हरियाणा सरकार प्रतिबद्ध है और संबंधित अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग करने के आदेश दिए गए हैं। अवैध खनन को रोकने व बिना ई रवाना बिल के खनिज वाहनों के संचालन पर हरियाणा सरकार की पारखी नजर है और नियमों की अवहेलना करने वालों पर तत्परता से कार्रवाई की जा रही है।

जिला खनन अधिकारी कमलेश बिधलान ने जानकारी देते हुए बताया कि विभाग के महानिदेशक के.एम. पांडुरंग के आदेशानुसार व उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ की देखरेख में अवैध खनन को रोकने व बिना ई रवाना बिल के खनिज वाहनों के संचालन पर सख्त कदम उठाए हैं। उन्होंने बताया कि वे स्वयं विभागीय आदेशों की अनुपालना करते हुए जिला से निकल रहे नेशनल व स्टेट हाईवे पर खनिज वाहनों की चेकिंग कर रही हैं। साथ ही दिन रात अवैध खनन रोकने के लिए उनकी टीम पूरी सक्रियता के साथ जिला में मॉनिटरिंग सुनिश्चित कर रही हैं। उन्होंने बताया कि जहां कहीं भी नियमों की अवहेलना पाई जाती है, वहां उनकी टीम निर्धारित नियमों की अनुपालना करते हुए कार्रवाई कर रही है। उन्होंने आमजन से आह्वान किया कि यदि वे जिला में कहीं भी अवैध खनन होते देखें अथवा बिना ई रवाना बिल के खनिज वाहन चलते हुए देखें तो उसकी सूचना टोल फ्री नंबर-1800-180-5530 पर तुरंत पर दें।

आगामी 12 जुलाई को होगी राष्ट्रीय लोक अदालत

- दोनों पक्षों की सहमति से निपटाए जाएंगे मामले- सीजेएम रितु यादव
- राष्ट्रीय लोक अदालत में मिलेगा समाधान, नहीं देनी होगी कोर्ट फीस

फरीदाबाद, 03 जुलाई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, फरीदाबाद द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल के तहत दिनांक 12 जुलाई 2025 (शनिवार) को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन जिला न्यायालय परिसर, सेक्टर-12, फरीदाबाद में

संपन्न होगा। लोक अदालत का आयोजन जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं चेयरमैन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण संदीप गर्ग के कुशल मार्गदर्शन और सीजेएम एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव रितु यादव के सक्षम नेतृत्व में किया जा रहा है। इस लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य न्यायालयों में लंबित अधिक से अधिक मामलों का आपसी समझौते के माध्यम से सौहार्दपूर्ण समाधान सुनिश्चित करना है, जिससे आम जनता को त्वरित, सरल, सस्ता और सुलभ न्याय मिल सके।

इस राष्ट्रीय लोक अदालत में निम्नलिखित प्रकार के मामलों का निपटारा किया जाएगा- बैंक ऋण वसूली से संबंधित मामले, मोटर वाहन दुर्घटना दावा (MACT) मामले, वैवाहिक व पारिवारिक विवाद, दीवानी वाद (सिविल सूट्स), फौजदारी जमानती मामले (Compoundable Criminal Cases), श्रम विवाद, भूमि अधिग्रहण संबंधी मामले, बिजली व जल बिल विवाद (यदि आपसी सहमति संभव हो), राजस्व संबंधित मामले, ट्रैफिक चालान व समरी चालान व अन्य सभी प्रकार के छोटे व समझौता योग्यवाद मामलों का आपसी सहमति से अधिक से अधिक निपटान किया जायेगा।

सीजेएम रितु यादव ने आमजन से अपील की है कि वे इस अवसर का भरपूर लाभ उठाएं और अपने लंबित मामलों को राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से निपटाने हेतु न्यायालय में संपर्क करें। इस प्रक्रिया में किसी भी पक्ष को कोई भी कोर्ट फीस अदा नहीं करनी पड़ती, और यदि पहले से कोर्ट फीस अदा की गई है तो वह राशि नियमानुसार वापिस दी जाती है। लोक अदालत में पारित निर्णय अंतिम होता है तथा उसके विरुद्ध कोई अपील नहीं की जा सकती, जिससे विवाद का स्थायी व त्वरित समाधान संभव हो पाता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत के आयोजन से न्यायिक प्रणाली पर भार कम होगा और समाज में आपसी सद्भाव एवं विश्वास को बल मिलेगा।

दिल्ली-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर बघौला में जाम से निजात दिलाने के लिए उपायुक्त ने किया दौरा

- उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने बघौला को जाम रहित करने के लिए दिए विशेष दिशा-निर्देश
- राष्ट्रीय राजमार्ग पर न आये गांव का पानी, करें समुचित व्यवस्था ताकि न बनें जाम की स्थिति-उपायुक्त

पलवल, 03 जुलाई। उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने दिल्ली-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर बघौला में आम जनमानस को जाम से निजात दिलाने के लिए गंभीरता से मौके का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि यहां जाम की समस्या को खत्म करने के लिए हर आवश्यक कदम उठायें। प्रशासन की ओर से हर संभव सहयोग मिलेगा। साथ ही उन्होंने सावन मास की कांवड़ यात्रा के लिए भी सुगम मार्ग उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए।

उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने पुलिस व प्रशासनिक और विभागीय अधिकारियों को साथ लेकर बघौला का दौरा किया। उन्होंने विस्तार से बघौला को जाम रहित बनाने पर गंभीरता से मंथन किया। समाधान के लिए उन्होंने पुलिस-प्रशासन व विभागीय अधिकारियों के अलावा बघौला के सरपंच तथा ग्रामीणों के साथ विस्तृत चर्चा की। उन्होंने जामग्रस्त क्षेत्र में पूरे सड़क मार्ग का दौरा करते हुए हर संभावित समाधान पर चर्चा की। उन्होंने निर्देश दिए कि भारी व हलके वाहनों के लिए अलग-अलग लेन बनाने की संभावना की पूर्ण जांच करें।

उपायुक्त डा. वशिष्ठ ने निर्देश दिए कि गांव का गंदा पानी किसी भी स्थिति में सडक्मार्ग पर नहीं आना चाहिए। इसके लिए जनस्वास्थ्य विभाग तथा पंचायती विभाग हर जरूरी कदम उठायें, जिसमें एनएचएआई को पूर्ण सहयोग दिया जाए। गंदे पानी के जमावड़े के कारण सडक् पर गड्ढे हो जाते हैं, जिसके कारण जाम की स्थिति पैदा होती है। साथ ही गड्ढों में पानी भरने के कारण भी जाम की स्थिति बनती है। इसलिए जरूरी है कि सडक् पर पानी को रोकने की बेहतरीन व्यवस्था की जाए। उन्होंने पंचायती विभाग व जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि वे तुरंत प्रभाव से पानी रोकने की व्यवस्था को सुनिश्चित करें।

उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने एनएचएआई के अधिकारियों को भी कड़े शब्दों में जाम की समस्या के समाधान के लिए उचित कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने एनएचएआई के पीडी को निर्देश दिए कि वे सड़क मार्ग की प्रोजेक्ट रिपोर्ट उन्हें प्रेषित करते हुए निर्धारित समयावधि में काम करवायें। उन्होंने निर्देश दिए कि फिलहाल सावन मास की कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत अस्थाई तौर पर जरूरी प्रबंध करें। कांवड यात्रा को सुगम बनाने के लिए फ्लाईओवर से कांवड़ यात्रा को गुजारने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि इसके लिए जिला प्रशासन की ओर से हर संभव सहयोग दिया जाएगा।

इस मौके पर पुलिस अधीक्षक वरुण सिंगला, अतिरिक्त उपायुक्त जयदीप कुमार, एसडीएम ज्योति, जिला परिषद के सीईओ जितेंद्र कुमार, डीडीपीओ उपमा अरोड़ा, एनएचएआई के पीडी धीरज सिंह, उप प्रबंधक रजत श्रीवास्तव, कंसलटेंट अभियंता बृजेश कुमार, बीडीपीओ प्रवीण कुमार, ट्रैफिक इंस्पेक्टर जगबीर सिंह आदि संबंधित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।

हरियाणा के खेल मंत्री गौरव गौतम ने 38 वां जन्मदिन सेवा संकल्प के रूप में मनाया

- खेल मंत्री गौरव गौतम ने तपेदिक के 100 मरीजों को प्रोटीन एवं पौष्टिक आहार किट की वितरित

पलवल, 03 जुलाई। हरियाणा सरकार में युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता, खेल और कानून राज्य मंत्री गौरव गौतम के जन्मदिन के अवसर पर गुरुवार हुड्डा सेक्टर-2 में स्थित सामुदायिक केंद्र में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ खेल मंत्री गौरव गौतम ने जन्मदिन का केक काट कर किया। जिला के गणमान्य लोगों ने खेल मंत्री गौरव गौतम को जन्मदिन की हार्दिक बधाई दी। इस अवसर स्वास्थ्य जांच कैंप व निश्शुल्क नेत्र जांच कैंप और रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का लाभ उठाते हुए एक ओर जहां आमजन मानस ने अपनी आंखों की जांच करवाई वहीं दूसरी ओर लोगों ने बढ़-चढक़र रक्तदान किया और अपने शरीर की स्वास्थ जांच भी कराई।खेल मंत्री ने शिविर का निरीक्षण कर रक्तदान करने वाले युवाओं को बैज लगाकर प्रोत्साहित करते हुए कहा कि रक्त केवल मानव शरीर में निर्मित होता है, किसी कंपनी में नहीं बनता। रक्तदान महादान है। यह अनजान व्यक्ति की जान बचा सकता है और इससे हमारे शरीर को कोई हानि नहीं होती। रक्त 24 घंटे में पुन- बन जाता है। उन्होंने कहा कि रक्तदान के दौरान होने वाली विभिन्न चिकित्सा जांच जीवन रक्षक बीमारियों का समय से पता लगाने में सहायक होती है। खेल मंत्री गौरव गौतम ने अपने जन्मदिन पर इस सेवा-पारायण पहल के जरिए रक्तदान और नेत्र स्वास्थ्य के प्रति समुदाय में जागरूकता फैलाई। उन्होंने सभी नागरिकों से रक्तदान शिविरों में भाग लेने का आग्रह किया, जिससे जीवन बचाने में हम सब योगदान दे सकें।

इस मौके पर तपेदिक के 100 मरीजों को प्रोटीन एवं पौष्टिक आहार किट भी वितरित की गई। आदित्य गौतम मेमोरियल ट्रस्ट तथा जिला रेडक्रॉस सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में खेल मंत्री गौरव गौतम के जन्मदिन पर आयोजित किए गए इस कार्यक्रम में लोगों ने बढ़-चढ़ कर रक्तदान किया। रक्तदान के दौरान 38 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया तथा 50 लोगों की आंखों की जांच की गई। खेल मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि पलवल जिले के विकास के लिए अथक प्रयास किए जाएगें। पलवल को स्वच्छ और सुंदर बनाया जाएगा। उन्होने कहा कि पलवल जिले के खिलाडियों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। आने वाले समय में पलवल जिले को खेलों का हब बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2036 में ओलंपिक खेलों का आयोजन किया जाएगा। ओलंपिक खेलों की मेजबानी हमारे देश द्वारा की जाएगी। ओलंपिक खेलों में पलवल जिले की भी अहम भूमिका होगी। उन्होंने कहा कि नई खेल नीति देश को वैश्विक खेल महाशक्ति के रूप में स्थापित करने और वर्ष 2036 ओलंपिक खेलों सहित अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए एक मजबूत दावेदार के रूप में स्थापित करने के लिए एक दूरदर्शी और कार्यनीतिक रोडमैप तैयार करेगी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय खेल नीति और प्रदेश की खेल नीति से हरियाणा प्रदेश के खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करेगी।

धान के स्थान पर दूसरी फसल उगाने पर मिलेगी 8 हजार प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि -उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ

पलवल, 03 जुलाई। उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा खरीफ-2025 के लिए मेरा पानी-मेरी विरासत योजना के आवेदन प्रारंभ हो गए हैं, जिसके लिए किसानों को मेरी फसल-मेरा ब्यौरा पर अपनी फसल का पंजीकरण कराना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि जिन किसानों द्वारा पिछ्ले वर्ष धान बोया गया था और अब वे किसान वैकल्पिक फसलें उगा रहे हैं या खेत को खाली छोड़ रहे है, वे किसान इस योजना के अंतर्गत अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। साथ ही पिछ्ले वर्ष के लाभार्थी किसान वही फसल लगाकर भी लाभ ले सकते हैं। उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने बताया कि इस सत्र में सरकार का एक लाख एकड़ भूमि पर वैकल्पिक फसलों को बढ़ावा देने का लक्ष्य है, जिसमें धान के स्थान पर मक्का, कपास, अरहर, मूंग, ग्वार, उड़द, सोयाबीन, तिल, अरंडी, मूंगफली, प्याज, चारा, सब्जियां, बागवानी फसलें, पोपलर, यूकेलिप्टस (एग्रो फोरेस्ट्री) के साथ-साथ खेत को खाली छोडने् पर भी किसानों को लाभ दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसके लिए 8 हजार रुपए प्रति एकड़ के हिसाब से प्रोत्साहन राशि किसानों को मेरी फसल-मेरा ब्यौरा पर पंजीकरण और फसल सत्यापन के बाद सीधे बैंक खाते में दी जाएगी। उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने किसानों से आह्वान किया कि वे धान की फसल के स्थान पर वैकल्पिक फसलों को लगाकर फसल चक्र को बदलने का काम करें, जिससे मिट्टी का स्वास्थ्य भी सुधरेगा। इसके साथ-साथ किसानों के लाभार्थ फसल का ब्यौरा करने पर सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य पर वैकल्पिक फसलों की शत प्रतिशत खरीद सुनिश्चित करेगी। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत बीमा का अंश किसान द्वारा वहन कर अपनी फसल का बीमा कराने से जोखिम की परिस्थितियों में फसल नुकसान होने पर 72 घंटे के अंदर टोल फ्री नंबर-14447 एवं प्रधानमंत्री फसल बीमा पोर्टल पर अपनी शिकायत दर्ज करने से नुकसान का आंकलन कर बीमा कंपनी मुआवजा राशि किसान के खाते में सीधे देगी।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा 6 जुलाई को करेंगे भाजपा के तीन जिला कार्यालयों का उद्घाटन -बड़ौली

- झज्जर, कुरूक्षेत्र और सिरसा जिला के भाजपा कार्यालयों का होगा उद्घाटन
- सप्ताह भर में हो जाएगी सभी जिलों की कार्यकारिणी की घोषणा -बड़ौली

पंचकूला, 3 जुलाई। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा 6 जुलाई को डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर झज्जर, सिरसा और कुरूक्षेत्र के भाजपा कार्यालयों का उद्घाटन करेंगे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष दिल्ली से ही तीनों भाजपा कार्यालयों का उद्घाटन करेंगे। यह उद्घाटन कार्यक्रम सायं 5 बजे वर्चुअली होगा। प्रदेश अध्यक्ष ने यह भी कहा कि सप्ताह भर में जिला जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारियों के नामों की घाषणा कर दी जाएगी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने गुरुवार को 9 जिला अध्यक्षों और प्रभारियों की बैठक ली। पंचकूला स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय पंचकमल में बुलाई गई इस बैठक में संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा, प्रदेश महामंत्री डा. अर्चना गुप्ता मौजूद रही। बैठक में जिला कार्यसमिति और जिला पदाधिकारियों के नामों को लेकर मंथन हुआ। श्री बड़ौली ने कहा कि शुक्रवार को 18 जिलों के जिला अध्यक्षों और प्रभारियों के साथ बैठक होगी और चयनित पदाधिकारियों के नामों की सूची को केंद्रीय कार्यालय भेज दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि एक सप्ताह में जिला पदाधिकारियों के नामों की घोषणा कर दी जाएगी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि आज की बैठक में पार्टी के आगामी कार्यक्रमों व अभियानों के विषय पर चर्चा कर कार्य योजना तैयार की गई। उन्होंने कहा कि 6 जुलाई को डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती है। इस दिन भाजपा के कार्यकर्ता प्रदेशभर में कार्यक्रमों का आयोजन कर डा. मुखर्जी की विचारधारा से लोगों को अवगत कराएंगे। उन्होंने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान चल रहा है इसी की तहत भाजपा के कार्यकर्ता पौधारोपण करेंगे और लोगों को भी स्वच्छ पर्यावरण के लिए अधिक से अधिक पौधारोपण करने के लिए प्रेरित करेंगे।श्री बड़ौली ने कहा कि भाजपा ने लोगों में विश्वास पैदा किया है और राष्ट्रवाद को बढ़ावा दिया है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की सामूहिक मेहनत का परिणाम है कि बीजेपी ने हर चुनाव में शानदार तरीके से जीत दर्ज की। उन्होंने कहा कि हमें अपने बूथों को और अधिक मजबूत बनाना है साथ ही अपनी विचारधारा व प्रतिबद्धता को सर्वव्यापी व सर्वस्पर्शी बनाने के लिए और अधिक परिश्रम करना है। श्री बड़ौली ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। हम सभी को पीएम मोदी और सीएम नायब सैनी के नेतृत्व में सबका साथ, सबका विकास व सबका विश्वास का मंत्र लेकर जन-जन तक बार-बार पहुंचना है। आज की बैठक में पंचकूला, अंबाला, यमुनानगर, कुरूक्षेत्र, करनाल, पानीपत, गोहाना, सोनीपत जिला के जिला अध्यक्ष और प्रभारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

कंट्रोल रूम से आई कॉल नहीं उठाने पर 2 ईएचसी निलंबित, दो एसपीओ बर्खास्त

रेवाड़ी, एजेंसी। एसपी मीणा ने कहा कि कोई भी व्यक्ति आपात स्थिति में ही कंट्रोल रूम पर कॉल करता है। इस दौरान अगर उसे सहायता न मिले तो बड़ा नुकसान हो सकता है। रेवाड़ी पुलिस अधीक्षक हेमेंद्र मीणा ने ड्यूटी में लापरवाही पर दो ईएचसी को निलंबित किया है, जबकि दो एसपीओ को बर्खास्त कर दिया है। चारों कर्मचारी कसोला थाने की ईआरवी (डायल 112) पर तैनात थे। एसपी हेमेंद्र मीणा ने बताया कि 29 जून को कंट्रोल रूम से कॉल आई थी। आरोप है कि कसोला पुलिस स्टेशन की ईआरवी पर तैनात ईएचसी धर्मेंद्र, दीपचंद और एसपीओ बलवान व पवन ने कॉल रिसीव नहीं की। कॉल रिसीव नहीं होने की सूचना कंट्रोल रूम से रेवाड़ी पहुंची, जिसके बाद चारों कर्मियों पर यह कार्रवाई की गई है। एसपी मीणा ने कहा कि कोई भी व्यक्ति आपात स्थिति में ही कंट्रोल रूम पर कॉल करता है। इस दौरान अगर उसे सहायता न मिले तो बड़ा नुकसान हो सकता है। उन्होंने ईआरवी पर तैनात पुलिस कर्मियों को चेतावनी देते हुए कहा है कि जनता के साथ अभद्रता करने वाले पुलिस कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई होगी। लिहाजा, सभी कर्मचारी ईमानदारी और जिम्मेदारी से ड्यूटी करें।

रोहतक मगन सुसाइड कांडः दिव्या और दीपक को सताने लगा जेल जाने का डर, कोर्ट ने खारिज की जमानत याचिका

रोहतक, एजेंसी। रोहतक के मगन सुसाइड कांड में मुख्य आरोपियों दीपक और दिव्या को अदालत से बड़ा झटका लगा है। बुधवार को रोहतक की कोर्ट ने दोनों आरोपियों की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। साथ में जज शैलेंद्र कुमार ने दोनों को फटकार लगाते हुए कहा कि आपको यहां जमानत नहीं मिलेगी। आप हाईकोर्ट चले जाइये। कोर्ट ने यह फैसला मगन के सुसाइड से पहले रिकॉर्ड किए गए वीडियो, अश्लील विलप, कॉल डिटेल, और बैंक रिकॉर्ड्स के आधार पर लिया। अब पुलिस दोनों को गिरफ्तार कर पूछताछ करेगी और मामले में आगे की जांच को गति देगी। बता दें 18 जून 2025 को मगन उर्फ अजय सुहाग ने अपने गांव डोभ में आत्महत्या कर ली थी। मरने से पहले उसने एक वीडियो बनाया था, जिसमें उसने आरोप लगाया कि उसकी पत्नी दिव्या और उसका पुलिस वाला बॉयफ्रेंड उसे परेशान कर रहे हैं। दिव्या उसे कहती है कि अपने पिता की हत्या कर पैतृक जमीन बेच दे क्योंकि उसके पुलिसवाले बॉयफ्रेंड को प्रमोशन करने के लिए रुपए चाहिए। दोनों पर सख्त कार्रवाई की जाए। वहीं, दिव्या के अश्लील डांस का वीडियो सामने आया, जिसमें वह अपने बॉयफ्रेंड के साथ दिख रही थी। अभियोजन पक्ष ने तर्क दिया कि दोनों पर मगन को आत्महत्या के लिए उकसाने का गंभीर आरोप है, और उनके खिलाफ पर्याप्त सबूत मौजूद हैं। अदालत ने इन तथ्यों को ध्यान में रखते हुए दोनों की जमानत याचिका खारिज कर दी। मगन के पिता रणवीर सिंह ने अदालत के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि मेरे बेटे को इंसाफ मिलना चाहिए। जिन लोगों ने उसे इस कदर प्रताड़ित किया कि उसने अपनी जान दे दी, उन्हें कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए।

सिक्किम को पड़ोसी देश बताने के लिए कांग्रेस नेता पर मुकदमा होः हरियाणा के मंत्री महिपाल ढांडा

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने कांग्रेस नेता अजय कुमार के सिक्किम को पड़ोसी देश कहने वाले बयान पर बुधवार को तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। इस बयान ने देशभर में विवाद को जन्म दिया है। हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने इसे शर्मनाक और अस्वीकार्य करार देते हुए कहा कि इस तरह की टिप्पणी करने वालों पर देशद्रोह का मुकदमा दर्ज होना चाहिए। उन्होंने यह भी मांग की कि जो लोग इस बयान का समर्थन करते हैं, उनके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। ढांडा ने कांग्रेस से देश से माफी मांगने की मांग की, साथ ही सवाल उठाया कि क्या कांग्रेस देश को टुकड़ों में बांटने की कोशिश कर रही है? महिपाल ढांडा ने कांग्रेस की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा, कांग्रेस की नीति हमेशा से सत्ता हासिल करने की रही है, चाहे इसके लिए उन्हें किसी भी हद तक जाना पड़े। उन्होंने 1947 के विभाजन का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि उस समय से ही कांग्रेस की मानसिकता देश को बांटने की रही है। ढांडा के अनुसार, सत्ता की लालसा में कांग्रेस साम, दाम, दंड, भेद जैसी नीतियों का सहारा लेती है और देश की एकता को कमजोर करने में कोई कसर नहीं छोड़ती। यह विवाद तब शुरू हुआ जब अजय कुमार ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सिक्किम को गलती से पड़ोसी देश कह दिया। इसके बाद उन्होंने माफी मांगते हुए इसे मानवीय भूल और जुबान फिसलने की गलती बताई। हालांकि, बीजेपी, खासकर सिक्किम इकाई, ने इस बयान को अपमानजनक और अज्ञानता पूर्ण करार दिया है। बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने इसे जिन्ना की मानसिकता से जोड़ा और कांग्रेस पर पूर्वोत्तर और सिक्किम का अपमान करने का आरोप लगाया।

मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना के तहत शगुन राशि में 10,000 की वृद्धि

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा सरकार ने सामाजिक न्याय और समावेशी विकास की दिशा में एक और ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना के अंतर्गत दी जाने वाली सहायता राशि में उल्लेखनीय वृद्धि की है। अब प्रदेश के पिछड़ा वर्ग के पात्र परिवारों को बेटियों के विवाह के अवसर पर ?51,000 की शगुन राशि प्रदान की जाएगी, जो पहले ?41,000 थी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा इस प्रस्ताव को स्वीकृति दिए जाने के बाद यह योजना पिछड़ा वर्ग कल्याण के क्षेत्र में एक मील का पत्थर साबित हो रही है। सरकार का उद्देश्य स्पष्ट है – कोई भी परिवार केवल आर्थिक तंगी के कारण अपनी बेटी के विवाह में असहाय न महसूस करे। इस सहायता से न सिर्फ आर्थिक बोझ कम होगा, बल्कि सामाजिक समरसता को भी बल मिलेगा। राज्य सरकार का यह फैसला न केवल आर्थिक सहयोग का प्रतीक है, बल्कि यह सामाजिक सम्मान, आत्मनिर्भरता और समानता की दिशा में एक सार्थक प्रयास है। इस निर्णय से हजारों परिवारों को सीधा लाभ मिलेगा, जिससे वे गर्व के साथ अपनी बेटियों का विवाह कर सकेंगे। योजना का लाभ लेने के लिए विवाह की तिथि से 6 माह के भीतर विवाह पंजीकरण कराना अनिवार्य है। पूरी आवेदन प्रक्रिया डिजिटल, पारदर्शी और सरल बनाई गई है, ताकि राज्य के ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के पात्र लाभार्थी बिना किसी बाधा के इस योजना से जुड़ सकें।

समाधान शिविरों के दौरान प्राप्त शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें उपायुक्तः मुख्यमंत्री सैनी

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मौजूदा मॉनसून सीजन के मद्देनजर अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी ड्रेनों की पूरी तरह सफाई सुनिश्चित की जाए और ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में जलभराव की समस्या से बचने के लिए प्रभावी जल निकासी प्रणाली सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि बरसाती पानी के त्वरित निकासी के लिए पर्याप्त संख्या में पंपों की व्यवस्था की जाए। मुख्यमंत्री ने यह निर्देश आज यहां वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी उपायुक्तों के साथ समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए दिए।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि आगामी दिनों में भारी बारिश की संभावना को देखते हुए सभी उपायुक्त अपने-अपने जिलों में बारिश के पानी की निकासी के लिए आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करें, ताकि आमजन को किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने उपायुक्तों को जलभराव के संभावित स्थानों की पहचान कर तदनुसार उचित कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए।

बरसाती पानी की निकासी के लिए पर्याप्त पंपों की उपलब्धता करें सुनिश्चित

बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रत्येक जिले में उपलब्ध पंपों की संख्या की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी पंपों को पूरी तरह चालू स्थिति में रखा जाए ताकि वर्षा जल की निकासी में कोई समस्या न हो। साथ ही उन्होंने सभी उपायुक्तों को अपने जिलों में सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, शहरी स्थानीय निकाय, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग तथा हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) के पास उपलब्ध पंपों की विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए, ताकि आवश्यकता पड़ने पर उनका समुचित उपयोग किया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी उपायुक्त निर्धारित प्रारूप में पंपों की उपलब्धता से संबंधित जानकारी पोर्टल पर अपलोड करें। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि पंप सेटों की निर्बाध संचालन के लिए बिजली बैकअप की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में जलभराव रोकने के लिए प्रभावी जल निकासी प्रणाली करें सुनिश्चित

ड्रेनों की सफाई की प्रगति की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि विशेष रूप से नगरों एवं शहरों से गुजरने वाले ड्रेनों की समुचित सफाई की जाए ताकि ओवरफ्लो की समस्या उत्पन्न न हो सके। उन्होंने फरीदाबाद में गौंछी ड्रेन को कवर करने की संभावना तलाशने और राज्य की अन्य ड्रेनों के लिए भी इसी प्रकार की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ड्रेनों का सौंदर्यीकरण किया जाना चाहिए और जाल लगाकर इनमें कचरा डालने से रोका जाए।

बाढ़ की तैयारियों के लिए प्रत्येक जिले को 4.50 लाख रुपये तथा जल निकासी कार्यों के लिए जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग को 50 लाख रुपये आवंटित

बैठक में मुख्यमंत्री ने विभिन्न सड़कों, पुलों के निर्माण तथा जल निकासी के लिए भूमिगत पाइपलाइन बिछाने की प्रगति की भी समीक्षा की। बैठक में बताया गया कि बाढ़ की तैयारियों के लिए प्रत्येक जिले को 4.50 लाख रुपये की राशि आवंटित की गई है। इसके अतिरिक्त, जल निकासी कार्यों के लिए जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग को 50 लाख रुपये दिए गए हैं। आवश्यकता पड़ने पर राज्य आपदा प्रबंधन कोष के तहत अतिरिक्त धनराशि भी आवंटित की जा सकती है। मुख्यमंत्री ने उपायुक्तों को मानसून सीजन के दौरान दूषित पानी के कारण होने वाली तथा वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम के लिए उपयुक्त कदम उठाने के भी निर्देश दिए।

घरौंडा में 53 सट्टेबाज पकड़े, 12 लाख रुपये नकद बरामद

करनाल, एजेंसी। करनाल में सीएम फ्लाइंग ने 53 लोगों को अवैध सट्टेबाजी करते हुए पकड़ा। यह घरौंडा के रिहायशी इलाके में एक मकान में सट्टेबाजी का धंधा चला रहा है। सीएम फ्लाइंग स्क्वाड ने घरौंडा में देर रात 1ः30 बजे एक मकान पर छापेमारी कर 53 लोगों को अवैध सट्टेबाजी करते हुए पकड़ा। इस कार्रवाई में लगभग 12 लाख रुपये नकद, ताश, लूडो की गोटियां और अन्य सट्टेबाजी सामग्री बरामद की गई। सीएम फ्लाइंग के डीएसपी सुशील कुमार ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि रिंकू कश्यप नामक व्यक्ति घरौंडा के रिहायशी इलाके में एक मकान में सट्टेबाजी का धंधा चला रहा है। यह अवैध गतिविधि रात के समय संचालित होती थी, जिसमें लोग महंगी गाड़ियों में आकर शामिल होते थे। उच्च अधिकारियों के निर्देश पर सीएम फ्लाइंग और घरौंडा पुलिस की संयुक्त टीम ने छापेमारी की। पुलिस ने भारी मात्रा में ताश, लूडो की गोटियां और अन्य सामान जब्त किया।

तेलंगाना राज्य की समृद्ध संस्कृति और परंपराओं को प्रदर्शित करता है बोनालू उत्सवः बंडारू दत्तात्रेय

चंडीगढ, एजेंसी। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने आज नई दिल्ली स्थित तेलंगाना भवन में सिंहवाहिनी महाकाली देवस्थानम, लाल दरवाजा, हैदराबाद द्वारा आयोजित 11वें वार्षिक बोनालू महोत्सव के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। उन्होंने उत्सव में सराहनीय कार्य करने वालों को शाल एवं प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने सिंहवाहिनी महाकाली देवालयम, लाल दरवाजा, हैदराबाद को इस आयोजन के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी और कहा कि भविष्य में इसी प्रकार देश की राजधानी दिल्ली में बोनालु महोत्सव मनाया जाता रहे ताकि दिल्ली और उत्तर भारत में रहने वाले तेलंगाना के लोग हमेशा अपनी संस्कृति के जुड़े रहे। उन्होंने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि वार्षिक बोनालू महोत्सव नई दिल्ली में मनाया जा रहा है, जो तेलंगाना राज्य की समृद्ध संस्कृति और परंपराओं को प्रदर्शित करता है। हरियाणा के राज्यपाल ने कहा कि तेलंगाना राज्य में मनाए जाने वाले इस त्योहार में माँ काली की आराधना की जाती है। बोनालू महोत्सव का आयोजन हिंदी पंचांग के अनुसार आषाढ़ मास में किया जाता है। इस महोत्सव के पहले और अंतिम दिन माता यल्लम्मा की विशेष पूजा अर्चना करने की परंपरा है। उन्होंने कहा कि बोनालू उत्सव तेलंगाना की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। जो देश की राजधानी में रह रहे सभी तेलगू भाषी लोगों को जोड़े रखने का एक बेहतरीन उदाहरण है। बोनालू महोत्सव में शामिल होने वाले श्रद्धालु माँ काली को पारंपरिक रूप से तैयार चावल, दूध और गुड़ से बने व्यंजन अर्पित करते हैं। साथ ही माँ काली से बेहतर स्वास्थ्य, समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हैं। इस महोत्सव के दौरान भव्य शोभायात्रा निकाली जाती है। जिसमें पारंपरिक नृत्य, संगीत और ढोल नगाड़ों के साथ महिलायें पारंपरिक पोशाक में मिट्टी या पीतल के बर्तन को सिर पर कलष के रूप में उठाकर माता का आशीर्वाद लेती है। राज्यपाल ने कहा कि बोनालू उत्सव का आरंभ माता काली को श्रद्वासुमन अर्पित करने के लिये किया जाता है जिसने माता काली से सभी आम जन को भीषण महामारियों से सुरक्षा मिल सके। राज्यपाल ने देवी महाकाली को बंगारू बोनम (स्वर्ण बोनम) अर्पित किया और राष्ट्रीय राजधानी में राज्य की अनूठी सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित और बढ़ावा देने के लिए तेलंगाना सरकार की सराहना की।

राज्यपाल दत्तात्रेय का पारंपरिक दप्पु धुनों और तेलंगाना लोक कला प्रदर्शनों के साथ भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर अपने संबोधन में, बंडारू दत्तात्रेय ने तेलंगाना की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रतिबिंबित करने के लिए बोनालू और बाथुकम्मा जैसे त्योहारों की सराहना की। समारोह के अनुष्ठानों में बंगारू बोनम, पोथुराजु स्वागत और पारंपरिक पूजा शामिल रहे, जिसके बाद शाम को अंबेडकर ऑडिटोरियम में एक शानदार सांस्कृतिक ग्रैंड फिनाले हुआ।

गरीब विरोधी बीजेपी सरकार ने दिया कुछ नहीं, जो था उसे भी छीन लियाः दीपेन्द्र हुड्डा

चंडीगढ, एजेंसी। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने बीपीएल परिवारों को मिलने वाले सरसों तेल के दाम में 150त्न वृद्धि तुरंत वापस लेने की मांग करते हुए कहा कि बीजेपी सरकार सरसों तेल के बढ़े हुए दाम वसूलकर 1.86 करोड़ लोगों की जेब पर डाका डाल रही है। प्रदेश में करीब 46.43 लाख BPL कार्ड धारक हैं। प्रति कार्ड चार सदस्य की गणना के हिसाब से सीधे 1.86 करोड़ लोगों पर इस फैसले की चोट पड़ी है। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार ने अभी बिजली महंगी की, अब सरसों तेल ढाई गुना महंगा कर लोगों का जीना दूभर कर दिया। दीपेन्द्र हुड्डा ने भाजपा सरकार को जनविरोधी और गरीबविरोधी बताते हुए कहा कि जब से बीजेपी सत्ता में आई है वो सिर्फ लोगों को लूटने में लगी है। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने याद दिलाया कि प्रदेश में पूर्ववर्ती कांग्रेस की हुड्डा सरकार के समय गरीबों के लिए अनेक जनकल्याण योजनाएं चलाई जाती थी जिन्हें बीजेपी ने सत्ता में आते

ही घोटाले करके बंद कर दिया। बीजेपी सरकार ने दिया कुछ नहीं, जो था उसे भी छीन लिया। उन्होंने बताया कि कांग्रेस सरकार ने गरीबों के लिये दाल-रोटी योजना चलायी लेकिन, भाजपा सरकार ने उसमें घोटाला करके योजना ही बंद कर दी। दाल-रोटी, नमक और सरसों तेल बंद करने के बाद स्कूली बच्चों के वजीफे को भी सरकार ने बंद कर दिया।

हुड्डा ने कहा कि हरियाणा पहला ऐसा प्रदेश था जहां एससी वर्ग के बच्चों को पहली जमात से वजीफा मिलता था। कांग्रेस की हुड्डा सरकार के समय गरीब और वंचित वर्ग को 100-100 गज के मुफ़्त प्लॉट, मकान बनाने के लिए अनुदान दिया जाता था।

पीएम श्री स्कूल परीक्षा में शॉर्ट फॉर्म की लापरवाही से कई शिक्षक परीक्षा देने से चूके, डॉ. राजकुमार गोयल ने सरकार से जताई नाराजगी

चंडीगढ, एजेंसी। हरियाणा में पिछले दिनो आयोजित की गई पीएम श्री स्कूल परीक्षा के दौरान एक परीक्षा केंद्र के अस्पष्ट नाम के कारण अनेक शिक्षकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। जानकारी के अनुसार एक परीक्षा केंद्र गौड़ ब्राहमण सेंट्रल स्कूल रोहतक निर्धारित किया गया था

लेकिन एडमिट कार्ड पर गौड़ ब्राहमण सेंट्रल की बजाय जीबीसी जैसी शार्ट फॉर्म का प्रयोग होने के कारण दूर-दराज से आए परीक्षार्थी भ्रम में पड़ गए। परिणामस्वरूप कई शिक्षक समय पर परीक्षा केंद्र नहीं पहुंच सके और परीक्षा देने से वंचित रह गए। इनमें अधिकांश परीक्षार्थी बहादुरगढ़, दिल्ली और शिवानी क्षेत्र से आए थे। कुछ जीन्द से भी सबंध रखते थे। एडमिट कार्ड में गौड़ ब्राहमण सेंट्रल की बजाय जीबीसी जैसी शॉर्ट फॉर्म का प्रयोग होने से ऑटो चालक और अन्य नागरिक भी इस संक्षिप्त नाम से स्कूल का पता नही बता पाए जिससे अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र तक पहुंचने में कठिनाई हुई। अखिल भारतीय अग्रवाल समाज हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष एवं प्रमुख समाजसेवी डा. राजकुमार गोयल ने इस गंभीर लापरवाही पर सरकार से नाराजगी जताते हुए कहा कि इस प्रकार की त्रुटियां न केवल मेहनती शिक्षकों के भविष्य के साथ अन्याय हैं बल्कि प्रशासनिक लापरवाही का प्रतीक भी हैं। परीक्षा जैसे महत्वपूर्ण आयोजन में पूरी पारदर्शिता और स्पष्टता अपेक्षित है। उन्होंने हरियाणा सरकार से मांग की है कि भविष्य में एडमिट कार्ड में परीक्षा केंद्र का नाम पूरा, स्पष्ट और स्थानीय रूप से प्रचलित फॉर्मेट में लिखा जाए ताकि किसी भी परीक्षार्थी को भ्रमित न होना पड़े।

अस्पताल के बाहर युवती को छोड़कर भागे युवक, प्राइवेट पार्ट से बह रहा था खून, 6 महीने पहले प्रेमी के साथ हुई थी फरार

कुरुक्षेत्र, एजेंसी। हरियाणा के कुरुक्षेत्र में कुछ युवक मंगलवार देर रात एक युवती को गंभीर हालत में एलएनजेपी अस्पताल के बाहर छोड़कर भाग भागे। युवती की हालत काफी गंभीर है और चिकित्सक उसका इलाज कर रहे हैं। मिली जानकारी अनुसार शहर निवासी एक युवती करीब छह माह पहले एक युवक के साथ चली गई थी। मंगलवार रात करीब 8 बजे कुछ युवक उसे गंभीर हालत में अस्पताल के गेट पर छोड़कर चले गए।

बताया जा रहा है कि युवती को कोई नशीला इंजेक्शन भी लगाया गया है। चिकित्सकों के अनुसार युवती के गुप्तांग से रक्त बह रहा था और उसके सिर पर भी चोट लगी है। समाचार लिखे जाने तक इस संबंध में केस दर्ज नहीं हुआ था, लेकिन अस्पताल की ओर से पुलिस थाना को सूचना भेजी गई है। एलएनजेपी अस्पताल के चिकित्सक के अनुसार युवती के सिर में चोट है, जिससे खून बह रहा है। अभी युवती का शारीरिक परीक्षण किया जा रहा है, जिसके बाद सही जानकारी मिल पाएगी। इस बारे में पुलिस को सूचना भेज दी गई है। सीएम की एक चेतावनी और 4 महीने में 6 लाख 36 हजार परिवार बीपीएल से बाहर चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा सरकार की सख्ती के बाद

चाह महीने में करीब छह लाख 36 हजार परिवार गरीबों रेखा से नीचे (बीपीएल) श्रेणी से बाहर हो गए हैं। मार्च में राज्य में बीपीएल परिवारों की संख्या 52,50,740 थी, 30 जून को घटका 46,14,674 तक पहुंच गई है। अव इन्हें बीपीएल के तहत मिलने वाली सुविधाएं नहीं मिलेगी। बीपीएल धारकों को सरकार की ओर से गेहूं, तेल, दाल, चीनी की सुविधाएं मिलती है। विपक्ष ने बीपीएल परिवारों की बढ़ती संख्या को लेकर सरकार पर कई बार निशाना साधा था। एक समय में बीपीएल की आबादी करीब 75 पहुंच गई थी। मार्च में मुख्यमंत्री सैनी ने मौका देते हुए कहा था कि ये स्वयं परिवार पहचान पत्र में अपनी आय ठीक करा लें, वरना जांच के बाद उनसे न सिर्फ पिछली सारी सुविधाओं की वसूली होगी, बल्कि कानूनी कार्रभाई भी की जाएगी। इसके बाद कई लोगों ने अपनी नाम हटवा लिए। जांच में किसी की आय ज्यादा मिलने, बिजली बिल तय सीमा से ज्यादा आने व दोपहिया वाहन मिलने के बाद किड ने ऐसे लोगों के नाम बीपीएल सूबी से बाहर कर दिए।

हरियाणा पुलिस की अपराधियों पर सर्जिकल स्ट्राइक, 1 माह में 58 इनामी बदमाश और 101 गैंगस्टर दबोचे

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने वर्ष 2025 में 1 जनवरी से 29 जून तक संगठित अपराध के विरुद्ध निर्णायक कार्यवाही करते हुए बेहद प्रभावशाली सफलता हासिल की है। इस अवधि में एसटीएफ ने 58 इनामी बदमाशों, 101 गैंगस्टरों/गैंग के सदस्यों तथा 178 जघन्य अपराधियों को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे पहुंचाया है। यह उपलब्धियाँ 2025 में एसटीएफ की आक्रामक रणनीति, त्वरित कार्यवाई और अपराध तंत्र पर सीधी चोट को दर्शाती हैं, जिसने प्रदेश में अपराध के खिलाफ सुरक्षा कवच को और मजबूत किया है। यदि वर्ष 2024 की समान अवधि से तुलना की जाए, तो तब 100 इनामी अपराधी, 29 गैंगस्टर/गैंग सदस्य, और 227 गंभीर अपराधों में संलिप्त अपराधी गिरफ्तार किए गए थे। इस तुलना से यह स्पष्ट होता है कि वर्ष 2025 में एसटीएफ ने संगठित गैंग नेटवर्क पर कहीं अधिक गहरी चोट की है, जिससे न केवल गैंगस्टरों की सक्रियता में गिरावट आई है, बल्कि संगठित अपराध का फैलाव भी सीमित हुआ है। हरियाणा एसटीएफ की यह सफलता तकनीक-आधारित निगरानी, मजबूत खुफिया तंत्र और सटीक रणनीतिक कार्रवाई का प्रमाण है, जिसने अपराधियों में खौफ और आमजन में भरोसे को और गहरा किया है। पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने कहा कि हरियाणा पुलिस का एसटीएफ राज्य में संगठित अपराधों के विरुद्ध हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। एसटीएफ ने सीमाओं से परे जाकर गैंगस्टरों, नशा तस्करी नेटवर्क और अंतर्राज्यीय अपराध सिंडिकेट्स के खिलाफ जो कार्य किया है, वह सराहनीय और प्रेरणादायक है। आधुनिक तकनीक, विश्लेषणात्मक क्षमताओं और समर्पित मानव संसाधन के बल पर एसटीएफ ने न केवल अपराधियों की कमर तोड़ी है, बल्कि हरियाणा पुलिस को राष्ट्रीय स्तर पर एक सशक्त साइबर और संगठित अपराध-निरोधक एजेंसी के रूप में स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि मुझे गर्व है कि एसटीएफ हरियाणा दिन-प्रतिदिन और अधिक सक्षम, सजग और अत्याधुनिक बन रही है। एसटीएफ आने वाले समय में अपराधों पर लगाम लगाने में एक मॉडल यूनिट के रूप में देशभर में उदाहरण प्रस्तुत करेगी । अपनी रणनीतिक दृष्टि, तकनीकी दक्षता और साहसिक कार्रवाई के बल पर एसटीएफ ने यह साबित कर दिया है कि संगठित अपराधों के विरुद्ध लड़ाई में एक सशक्त, समर्पित और आधुनिक पुलिस बल किस प्रकार निर्णायक भूमिका निभा सकता है। वर्ष 2024 में हरियाणा की एसटीएफ ने अपराधियों के खिलाफ अपने अभियानों को और अधिक प्रभावशाली बनाते हुए कई उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल कीं। पूरे वर्ष में एसटीएफ ने 195 इनामी बदमाशों को गिरफ्तार किया, जो 2023 में हुई 175 गिरफ्तारियों की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि है और यह दर्शाता है कि एसटीएफ ने वांछित अपराधियों के विरुद्ध दबाव बढ़ाया है। जघन्य अपराधों से जुड़े मामलों में एसटीएफ की सक्रियता और भी अधिक प्रभावशाली रही, वर्ष 2023 में 200 आरोपियों की गिरफ्तारी के मुकाबले 2024 में यह संख्या बढ़कर 397 हो गई–जो लगभग 98त्न की बढ़ोतरी है। यह आंकड़ा इस बात का प्रमाण है कि एसटीएफ ने हत्या, अपहरण, बलात्कार और अन्य गंभीर अपराधों के मामलों में तीव्र और निर्णायक कार्रवाई की है। वहीं, गैंगस्टरों और उनके सहयोगियों की गिरफ्तारी 2023 के 69 से घटकर 2024 में 58 रही, जो इस बात का संकेत है कि एसटीएफ की निरंतर कार्रवाई ने गैंग नेटवर्क को कमजोर कर दिया है, जिससे उनकी सक्रियता में गिरावट आई है। समग्र रूप से देखा जाए तो एसटीएफ हरियाणा का प्रदर्शन न केवल आँकड़ों में बल्कि अपराधियों के मन में डर और आमजन में सुरक्षा की भावना पैदा करने में भी प्रभावी सिद्ध हुआ है।

गत दो वर्षों के दौरान एसटीएफको मजबूती प्रदान करने हेतु बल की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। अपराध के बदलते परिदृश्य को देखते हुए दो नई इकाइयों की स्थापना भी की गई है, ताकि तेजी से बदलते आपराधिक तरीकों का प्रभावी ढंग से मुकाबला किया जा सके। इसके साथ ही, एसटीएफ मुख्यालय में एक इंटेलिजेंस एवं विश्लेषण विंग तथा वित्तीय खुफिया इकाई का गठन किया गया है, जिससे आर्थिक अपराधों पर निगरानी और कार्रवाई और भी प्रभावी हो सकी है।

बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर का महिलाओं ने 'सोहनी सेवा से जताया विरोध

वृंदावन। विश्व प्रसिद्ध ठाकुर बांके बिहारी मंदिर के प्रस्तावित कॉरिडोर और न्यास गठन के खिलाफ गोस्वामी और व्यापारी समाज की महिलाओं का विरोध प्रदर्शन लगातार जारी है। प्रतिदिन अलग-अलग रूपों में महिलाएं सरकार के खिलाफ अपना मोर्चा खोले हुए हैं। इसी क्रम में बुधवार को गोस्वामी और व्यापारी समाज की महिलाओं ने बांके बिहारी मंदिर के प्रांगण में 'सोहनी सेवा' कर विरोध प्रदर्शन किया। इस मौके पर अनुराधा गोस्वामी ने कहा कि आज विरोध के क्रम में गोस्वामी और व्यापारी समाज की महिलाओं ने मंदिर प्रांगण को स्वयं अपने हाथों से साफ किया है। उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार वृंदावन में बांके बिहारी मंदिर का कॉरिडोर बनाना चाहती है लेकिन उससे वृंदावन की तंग गलियों की सफाई भी नहीं हो पा रही है। अनुराधा गोस्वामी ने आगे कहा आज हमने मंदिर प्रांगण को स्वयं अपने हाथों से साफ कर सरकार को यह बताया है कि वृंदावन को कॉरिडोर की नहीं बल्कि सफाई की आवश्यकता है। उन्होंने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा कि उन्होंने सोहनी सेवा कर अपने ठाकुर बांके बिहारी लाल को मनाया है और उनसे प्रार्थना की है कि यदि उनसे कोई गलती हुई हो, तो उन्हें क्षमा करें और कॉरिडोर रूपी राक्षस को वृंदावन से दूर भगा दें। इस विरोध प्रदर्शन में सुमन गोस्वामी, सुनीता गोस्वामी, मधु गोस्वामी, नीलम गोस्वामी, निशा शर्मा, दीपशिखा गोस्वामी, श्रद्धा खंडेलवाल, रितु सारस्वत, राखी गोस्वामी, मनीषा गोस्वामी, ममता गोस्वामी, नेहा पुरोहित, नीरू गोस्वामी, नीलम गोस्वामी, मनोरमा गोस्वामी, रेनू गोस्वामी, अंजना गोस्वामी, पूनम गोस्वामी, निम्मी गोस्वामी, निधि गोस्वामी, यामिनी गोस्वामी, गीत गोस्वामी, प्रीति गोस्वामी, रमा गोस्वामी, मेघा गोस्वामी, अर्चना गोस्वामी, रीना गोस्वामी, भावना गोस्वामी, सीमा गोस्वामी और सरोज गोस्वामी सहित बड़ी संख्या में महिलाए मौजूद थीं।

बरसात शुरू होते ही सडक पर भरा 4 से 5 फीट पानी

मथुरा। नगर निगम के वार्ड 33 सोख रोड स्थित नरसी विहार कॉलोनी के साइड से जा रही सडक का नामकरण हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के नाम पर किया गया है। जिस पर 10 से 12 कॉलोनी बसी हुई है। यहां पक्का मार्ग काफी पुराना बना हुआ है लेकिन पानी का निकास नहीं है जिसके कारण रोड पर चार से पांच फीट बारिश का पानी अभी भी भरा हुआ है। जिसको लेकर क्षेत्रीय महिलाओं द्वारा नगर निगम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया। नगर निगम के खिलाफ नारेबाजी की गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि जल निकासी की समस्या भी पुरानी हो चली है। बसावट बढने के साथ यह और विकराल हो रही है। जल्द सडक और नाली का निर्माण नहीं हुआ तो जनप्रतिनिधियों को इसका खामियाजा भुगतना पडेगा। पार्षद से लेकर मेयर तक को बहुत उम्मीदों के साथ चुना था। हालत यह है कि किसी की मौत होने पर सडक पर शव रखने की जगह भी नहीं बची है। बारिश में खड़े होकर शव को अंतिम संस्कार के लिए लेकर गए थे। इन सभी समस्याओं को लेकर क्षेत्रीय पार्षद अभिजित चौधरी को सूचना देकर बुलाया तो क्षेत्रीय पार्षद अभिजीत चौधरी द्वारा बताया गया कि इस रोड को लेकर कई बार नगर निगम के उच्च अधिकारियों को अवगत करा चुके हैं लेकिन अभी तक कोई समाधान नहीं हुआ है। इस समस्या को लेकर दोबारा उच्च अधिकारियों को अवगत करा दिया जाएगा। वहीं इस पूरी घटना से अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार को अवगत कराया तो उन्होंने भी आश्वासन दिया है कि जल्द रोड और नाली का निर्माण होगा लेकिन उसके लिए अभी पानी की निकासी कैसे हो सकता है उसके लिए संभवत पूर्ण प्रयास कर रहे हैं।

ब्राह्मण विरोधी बयान को लेकर अखिलेश यादव का विरोध, आजमगढ़ में आगमन पर घरों के सामने लगाया काला झंडा

आजमगढ़, एजेंसी। आजमगढ़ जिले में अखिलेश यादव के आगमन पर ब्राह्मण समाज के लोगों ने अपने घरों पर काला झंडा लगा दिया। इटावा कांड के बाद पूर्व सीएम अखिलेश द्वारा दिए गए बयान को लेकर लोग नाराज हैं।

इटावा कांड के बाद समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के कथित ब्राह्मण विरोधी बयान को लेकर ब्राह्मण समाज में व्यापक रोष देखने को मिल रहा है। पूरे उत्तर प्रदेश में ब्राह्मण समाज के लोग सपा प्रमुख के खिलाफ नाराजगी जता रहे हैं। इसी क्रम में बुधवार को अखिलेश यादव के आजमगढ़ आगमन से पहले जिले भर में ब्राह्मण समुदाय के लोगों ने अपने घरों पर काला झंडा लगाकर विरोध दर्ज कराया। अखिलेश यादव बुधवार को आजमगढ़ जिला मुख्यालय से लगभग सात किलोमीटर दूर कंधरापुर थाना क्षेत्र के अनवरगंज स्थित अपने नवनिर्मित आवास और कार्यालय का उद्घाटन करने पहुंचे। लेकिन इससे पहले जिले के कई क्षेत्रों में अखिल भारतीय ब्राह्मण सभा और विश्व हिंदू महासंघ के आह्वान पर ब्राह्मण समाज ने काला झंडा लगाकर शांतिपूर्ण विरोध किया।

ब्राह्मण बहुल उगर पट्टी, चेवता, गौरी नारायणपुर (कंधरापुर क्षेत्र), बनहरा (रौनापार), गजहड़ा (मुबारकपुर), चेवार (देवगांव) और पलथी (दीदारगंज) जैसे गांवों में सैकड़ों ब्राह्मण परिवारों ने घरों पर काला झंडा लगाकर अपना विरोध प्रकट किया।

ब्राह्मण समाज के लोगों का कहना है कि इटावा की घटना दुर्भाग्यपूर्ण थी, जिसमें दोषियों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई कर रही है। लेकिन इसके बावजूद अखिलेश यादव द्वारा पूरे ब्राह्मण समाज पर टिप्पणी करना अत्यंत निंदनीय है। उनका कहना है कि गांवों में सभी जातियों के लोग आपसी सौहार्द के साथ रहते हैं, लेकिन सपा अध्यक्ष के बयान ने ब्राह्मण और यादव समाज के बीच सामाजिक दूरी बढ़ाने का कार्य किया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि यह बयान पूरी तरह से राजनीतिक लाभ के उद्देश्य से दिया गया है, जो अस्वीकार्य है। विरोध कर रहे ब्राह्मण समाज ने यह भी स्पष्ट किया कि उनका विरोध पूरी तरह से शांतिपूर्ण है और वे सिर्फ काले झंडे लगाकर अपनी भावनाएं व्यक्त कर रहे हैं।

10 करोड़ रुपये के आईटीसी घोटाले में वरिष्ठ सपा नेता के रिश्तेदार भी जांच के घेरे में

लखनऊ, एजेंसी। आईटीसी घोटाले में वरिष्ठ सपा नेता के रिश्तेदार देवेंद्र सिंह भी जांच के घेरे में आ गए हैं। उनके खिलाफ जांच के आदेश दिए गए हैं। मामला 10 करोड़ के घोटाले का है। फर्जी फर्म द्वारा 10.76 करोड़ रुपये का इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) ट्रांसफर करने के मामले में राज्य कर विभाग के संयुक्त आयुक्त देवेंद्र सिंह के खिलाफ भी जांच के आदेश दिए गए हैं। देवेंद्र सिंह वरिष्ठ सपा नेता के करीबी रिश्तेदार बताए जाते हैं। रायबरेली में पंजीकृत फर्म राजधानी इंटरप्राइजेज की संदिग्ध गतिविधियों को देखते हुए विभागीय अधिकारियों ने स्थलीय निरीक्षण किया था। निरीक्षण में फर्म नहीं पाई गई, जिसके बाद उसका पंजीयन निलंबित कर दिया गया था। इसके बावजूद फर्म ने 10.76 करोड़ रुपये का बोगस आईटीसी लेकर ट्रांसफर कर दिया था। इस बेहद गंभीर मामले में शासन ने सहायक आयुक्त रितेश बरनवाल और उपायुक्त मनीष कुमार पर मिलीभगत का आरोप लगाते हुए निलंबित कर दिया था। ये दोनों ही अधिकारी संयुक्त आयुक्त देवेंद्र सिंह के अधीनस्थ थे।

संयुक्त आयुक्त (कार्यपालक) देवेंद्र पर आरोप है कि उन्होंने इस मामले की जानकारी तत्परता से लखनऊ जोन और केंद्रीय जीएसटी को नहीं दी। साथ ही राजस्व को बचाने में भी लापरवाही की। उनकी जांच आईएएस सैमुअल पाल एन को सौंपी गई है। विभागीय सूत्रों के मुताबिक देवेन्द्र सिंह सपा सरकार में प्रभावी रहे हैं। वे पश्चिम के जिलों में तैनात रहे हैं। पहले उनके पास संयुक्त कार्यपालक के साथ एसआईबी की भी जिम्मेदारी थी। कुछ समय पहले ये जिम्मेदारी ली गई और नई पोस्टिंग दी गई। फिलहाल कानपुर में तैनात हैं।

माया टीला हादसे के मुख्य आरोपी सुनील चैन पर लगाई रासुका

माया टीला खुदाई प्रकरण में की गई बडी कार्यवाही

मथुरा। गोविन्दनगर क्षेत्र में 15 जून को माया टीला की अवैध खुदाई मे मकान ढह जाने के कारण मलवे मे दबकर एक व्यक्ति और दो बच्चो की मृत्यु हो गई थी। घटना से सम्बन्धित जिला कारागार में निरुद्ध अभियुक्त और घटना के मुख्य आरोपी के विरूद्ध थाना गोविन्द नगर पुलिस द्वारा राष्टीय सुरक्षा कानून (रासुका) के अन्तर्गत कार्यवाही की गई है। कई लोग बेघर हो गये थे तथा माया टीला के निवासियों में भय व्याप्त हो गया था एवं लोग आक्रोशित हो गये थे, लोक व्यवस्था पूर्णतः छिन्न भिन्न हो गयी थी जिसे सुचारू रुप से चलाने के लिये पुलिस प्रशासन द्वारा काफी मशक्कत की गयी थी। इस सम्बन्ध मे थाना गोविन्दनगर पर धारा 105 बीएनएस बनाम सुनील गुप्ता उर्फ सुनील चैन पुत्र बीडी गुप्ता निवासी गली कानूनगो मण्डी रामदास थाना गोविन्दनगर जिला मथुरा व उसके अन्य साथियो के विरूद्ध अभियोग पंजीकृत किया गया था। अभियुक्त व मुख्य आरोपी सुनील गुप्ता के विरुद्ध 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। फरार चल रहे अभियुक्त्स सुनील गुप्ता उर्फ सुनील चैन को थाना गोविन्दनगर पुलिस ने 17 जून को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। अभियुक्त सुनील गुप्ता उर्फ सुनील चैन वर्तमान में जिला कारागार मथुरा में निरुद्ध है जो जमानत पर छूटने के लिये भरसक प्रयास कर रहा था। इसके जमानत पर रिहा होने से लोक व्यवस्था पुनः छिन्न भिन्न होने की पूर्ण सम्भावना व गवाहों को डराने धमकाने व साक्ष्यों को प्रभावित करने की प्रबल संभावना को दृष्टिगत रखते हुए जैसा कि यह पूर्व में भी करता रहा है। इसके विरूद्ध पूर्व मे भी कई अभियोग पंजीकृत है। लोक व्यवस्था के प्रतिकूल कार्यवाहियो को रोकने के उद्देश्य से जनहित मे प्रभारी निरीक्षक थाना गोविन्दनगर द्वारा दो जुलाई को सुनील गुप्ता उर्फ सुनील चैन के विरूद्ध राष्टीय सुरक्षा अधिनियम 1980 की धारा 3(2) की कार्यवाही की गयी है।

सूनील चैन का आरापाधिक रिकार्ड–वर्ष 2025 में धारा 105 बीएनएस के तहत थाना गोविन्दनगर पर अभियोग पंजीकृत हुआ। 2024 में धारा 120बी, 307, 323, 420, 467, 468, 471, 504, 506 आईपीसी में थाना गोवर्धन पर रिपोर्ट दर्ज हुई थी। वर्ष 2018 में धारा 302, 201, 120 बी आईपीसी में थाना सुरीर पर अभियोग दर्ज हुंआ था। वर्ष 2019 में धारा 363, 366 आईपीसी व पोक्सो एक्ट में थाना गोविन्दनगर मुकदमा दर्ज हुंआ था। चैन के खिलाफ वर्ष 2020 में धारा 323, 324, 504, 506, 336, 34 आईपीसी में थाना गोविन्दनगर पर रिपोर्ट लिखी गई थी।

● माया टीला धंसने से तीन निर्दोषों की जान गई थी। उस घटना के कारण समूचे मथुरा जनपद में आम नागरिकों में दहशत और असुरक्षा का माहौल व्याप्त हो गया था जिसके चलते 55 वर्षीय अभियुक्त सुनील चैन पुत्र बीडी गुप्ता निवासी गली कानूनगो मंडी रामदास पर रासुका लगाने की कार्रवाई की गई है।

– सीपी सिंह, जिलाधिकारी मथुरा

● रासुका लगाने की कार्रवाई की सूचना न्यायालय और जेल प्रशासन को दे दी गई है। इस घटना में फरार आरोपी कन्नू अग्रवाल के खिलाफ कुर्की की कार्यवाही की जा रही है। जिला जेल में रासुका के आदेश की एक प्रति सुनील चैन को पढ़कर सुनाई गयी और उपलब्ध भी कराई गयी है।

– श्लोक कुमार, एसएसपी मथुरा

आईआईटीएन ने मसल्स बनाने के लिए गोवंश को घर में घसीटकर काट डाला, खुद ही पुलिस को फोन कर बताई ये बात

कानपुर, एजेंसी। फतेहपुर में एक आईआईटियन ने मसल्स बनाने के लिए गोवंश को घर में घसीटकर काट डाला। आईआईटियन ने यूट्यूब पर बीफ खाने का वीडियो देखा था। पुलिस ने आरोपी युवक को जेल भेजा दिया है। वह मानसिक बीमार है और दो साल से घर पर ही है। यूट्यूब पर बीफ खाने से मसल्स बनाने का वीडियो देख आईआईटियन ने बुधवार तड़के एक गोवंश को घर में घसीटकर काट डाला।

हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने आरोपी के घर पर हंगामा किया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। परिजन ने पुलिस को बताया कि बेटा मानसिक बीमार है। इलाज चल रहा है। वह दो साल पहले अमेरिका से नौकरी छोड़कर आया था। अशोक नगर निवासी सूबेदार मेजर मोहन निषाद सेना में असम के जोराघाटी में तैनात थे। वह इसी पद से सेवानिवृत्त हुए थे। परिजन के मुताबिक, रोहन (28) ने प्रारंभिक पढ़ाई असम से की। इसके बाद मद्रास आईआईटी से इंजीनियरिंग करने के बाद वह अमेरिका की एक एयरोस्पेस कंपनी में 18 लाख के पैकेज पर नौकरी करने लगा। करीब दो साल पहले नौकरी छोड़कर वह घर आ गया था। पुलिस के मुताबिक, रोहन ने बताया कि मंगलवार रात आठ बजे उसने यूट्यूब पर बीफ खाने से मसल्स बनने का वीडियो देखा था। सके बाद बुधवार भोर में करीब चार बजे वह अन्ना बछड़े को पकड़कर घर के हाते में घसीट ले गया और बांधकर बांके से उसकी गर्दन काट डाली।

सुबह करीब सात बजे पड़ोसियों की नजर पड़ी तो उन्होंने रोहन से कारण पूछा। इस पर उसने बांका लहराकर पड़ोसियों को काट डालने की धमकी दी। इसी बीच हिंदू संगठन के कार्यकर्ता भी पहुंच गए। उनसे इंजीनियर की नोकझोंक हुई। सीओ वीर सिंह ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

खुद 112 डायल कर बोला- लोग गोवंश काटने नहीं दे रहे- पढ़े लिखे परिवार से आने वाले इंजीनियर रोहन निषाद का परिचय जानने के बाद पुलिस भी अवाक हो गई। इस घटना के पीछे रोहन की मानसिक बीमारी को माना जा रहा है। उसका मसल्स बनाने का शौक भी घटना के पीछे शामिल है।

मथुरा में फैक्ट्री के अंदर घातक रसायनों से तैयार किया जा रहा था पनीर

● **फैक्ट्री में सोयाबीन पाउडर, चूने का घोल, एसिटिक एसिड और हाइड्रोजन पेराक्साइड जैसे रसायन का भंडार मिला**

● **1100 किलो तैयार पनीर के अलावा दूसरी खाद्य वस्तु भी मौके से की बरामद**

मथुरा। मथुरा में बेहद खतरनाक तरीके से स्वास्थ्य के लिए घातक रसायनों से हजारों किलो पनीर प्रतिदिन फैक्ट्री में तैयार किया जा रहा था। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने इनपुट मिलने के बाद जाल बिछाया और फैक्ट्री पर पुलिस की मौजूदगी में दलबल के साथ छापामार। छापामार कार्यवाही के दौरान फैक्ट्री के अंदर का नजारा देख कर खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम में सामिल अधिकारी भी अचंभित रह गये। संचालक के पास इस तरह का कारोबार करने के लिए किसी तरह का कोई लाइसेंस नहीं था। बरसाना में संचालित इस अवैध फैक्ट्री से 1100 किलो पनीर जब्त किया गया जबकि खाद्य सुरक्षा टीम ने कारखाने में की छापेमारी के दौरान 6 सैंपल लिए जिन्हें जांच के लिए भेजा गया है। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने जनपद के अलग अलग स्थान पर छापामार कार्रवाई की है। बरसाना स्थित एक पनीर फैक्ट्री पर छापेमारी की गई। सहायक आयुक्त धीरेंद्र प्रताप सिंह और खाद्य सुरक्षा अधिकारी ज्ञानपाल के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने कार्रवाई की। निरीक्षण के दौरान टीम को परिसर में पनीर का निर्माण होते हुए मिला। फैक्ट्री में खाद्य व्यवसाय के लिए आवश्यक लाइसेंस नहीं था। टीम ने मौके से 3800 लीटर रिकॉम्बाइंड मिल्क, 60 किलो मिश्रित दूध और लगभग 1100 किलो तैयार पनीर जब्त किया। इसके अलावा फैक्ट्री से रिफाइंड के 13 टिन सोयाबीन पाउडर, 13 टीन प्रत्येक टीन में 15 लीटर रिफाइन पामोलीन था। प्लास्टिक के डिब्बे में सात किलो चूने का घोल, पनीर बनाने के लिए एक ड्रम में 40 किलो मिश्रति घोल, एक कैन में 30 लीटर एसिडिक ऐसिड, 25 लीटार हाइड्रोजन पर आक्साइड आदि सामान बरामद किया। कार्यवाही करने वाली टीम में सहायक आयुक्त खाद्य धीरेन्द्र प्रताप सिंह, मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी ज्ञानपाल सिंह, खाद्य सुरक्षा अधिकारी दलवीर सिंह, खाद्य सुरक्षा अधिकारी अरूण कुमार आदि थे। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत कार्रवाई करते हुए टीम ने कुल 6 नमूने लिए। इनमें पनीर के 2 नमूने, रिफाइंड तेल का 1 नमूना, चूने के घोल के 2 नमूने और पनीर बनाने में प्रयुक्त घोल का 1 नमूना शामिल है। सभी नमूने जांच के लिए लैब भेजे गए हैं।

राजस्व में कमी

हर महीने बढ़ रहे 25 हजार करदाता, पर विभाग की वृद्धि स्थिर, कारणों की खोज में जुटी टीम

लखनऊ, एजेंसी।

राजस्व कर विभाग में अपीलों का तेज निस्तारण किया जा रहा है व सख्ती के बावजूद राजस्व में कमी आई है। विभाग की टीम कारणों की खोज में जुटी हुई है। राज्य कर विभाग में हर महीने 25 से 30 हजार नए करदाता जुड़ रहे हैं। अपीलों का निस्तारण भी तेजी से हो रहा है। समयबद्ध लक्ष्य दिए गए हैं। इसके बावजूद विभाग की ग्रोथ स्थिर है। पिछले वर्ष जून की तुलना में इस साल जून में तो नकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई है।

इसका एक प्रमुख कारण उत्पादन सूचकांक में राष्ट्रव्यापी कमी को माना जा रहा है, लेकिन विभाग की टीम इस गिरावट के अन्य कारणों की खोज कर रही है। वस्तु एवं सेवा कर नेटवर्क (जीएसटीएन) ने जून की राज्यवार

जीएसटी ग्रोथ जारी की है। इसमें पहली बार नौ राज्य ऐसे हैं, जिनकी ग्रोथ जून में नकारात्मक रही है। इस सूची में गुजरात, पंजाब, चंडीगढ़ और यूपी का नाम भी है। शेष पांच में से चार राज्य नार्थ ईस्ट के हैं। जीएसटी की सबसे तेज ग्रोथ वाले राज्यों में बिहार और झारखंड शामिल हैं। इस बदलाव ने विभाग को भी विश्लेषण पर मजबूर कर दिया है।

यूपी में निर्यातक तो अच्छे खासे हैं। यहां से करीब दो लाख करोड़ का निर्यात हो रहा है, लेकिन आयातकों की संख्या कम है। आयातकों की संख्या महाराष्ट्र, गुजरात और कर्नाटक में ज्यादा है। इसका राजस्व संबंधी लाभ भी इन्ही राज्यों के करदाताओं को मिलता है। दूसरी तरफ उत्पादन ग्रोथ में राष्ट्रीय स्तर पर कमी आई है, जिसका असर यूपी पर भी पड़ा है। इसके बावजूद राज्य कर विभाग समीक्षा कर रहा है कि शुद्ध जीएसटी आय में राष्ट्रीय स्तर पर 10.7 फीसदी की वृद्धि हुई है।

औद्योगिक और बुनियादी दृष्टि से अपेक्षाकृत पिछड़े राज्यों में रिकॉर्ड 12 फीसदी की ग्रोथ दर्ज की गई है, फिर यूपी में राजस्व की रफ्तार धीमी पड़ने के क्या कारण हो सकते हैं। इसके जरिये विभाग अपने सालाना जीएसटी लक्ष्य 1.75 लाख करोड़ तक पहुंचने का रोडमैप भी तैयार करेगा।

सपा सांसद सुमन के खिलाफ इतिहासकार ने दी गवाही, अगली सुनवाई 11 जुलाई को

अलीगढ़, एजेंसी।

महाराणा सांगा पर रामजीलाल सुमन के बयान के खिलाफ क्षत्रिय महासभा ने अदालत में याचिका दायर की थी। इसमें इतिहासकार प्रो विवेक सेंगर ने गवाही दी है। बयान दर्ज कराते हुए उन्होंने सपा सांसद के बयान को गलत करार दिया।

सपा सांसद रामजीलाल सुमन के महाराणा सांगा पर विवादित बयान मामले में दायर याचिका पर 2 जुलाई को एमपी-एमएलए कोर्ट में सुनवाई हुई। इस बार याची पक्ष की ओर से इतिहासकार प्रो. विवेक सेंगर को गवाही के लिए कोर्ट में पेश कराया गया। उन्होंने विभिन्न लिखित दस्तावेजों के आधार पर अपने बयान दर्ज कराए। महाराणा सांगा पर रामजीलाल सुमन के बयान के खिलाफ क्षत्रिय महासभा ने अदालत में याचिका दायर की थी। मामले में कोर्ट में बयान दर्ज कराते हुए उन्होंने सपा सांसद के बयान को गलत करार दिया। उन्होंने कहा कि विभिन्न दस्तावेजों में जो लिखा है, उसके अनुसार सपा सांसद का बयान सनातनियों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला व देश को बांटने वाला है। अब इस मामले में न्यायालय ने अगली तारीख 11 जुलाई नियत कर दी है। इस अवसर पर एडवोकेट राजेश सिंह चौहान, एडवोकेट सतीश सिंह, अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. शैलेंद्र सिंह उपस्थित रहे।

कर्ज से परेशान बुजुर्ग ने की आत्महत्या, सुसाइड नोट बरामद; बताई साहूकार की कहानी... कितने वसूल चुका

मेरठ, एजेंसी।

आत्महत्या से पहले उन्होंने एक सुसाइड नोट लिखा, जिसमें उन्होंने अपनी परेशानियों का जिक्र किया। दिलीप विहार कॉलोनी निवासी बुजुर्ग अजेन्द्र ने कर्ज के बोझ से तंग आकर बुधवार को आत्महत्या कर ली। वह दिल्ली पुलिस में तैनात सिपाही विशाल के पिता थे। आत्महत्या से पहले उन्होंने एक सुसाइड नोट लिखा, जिसमें उन्होंने अपनी परेशानियों का जिक्र किया। परिजनों के अनुसार, करीब तीन साल पहले अजेन्द्र ने एक प्लॉट खरीदने के लिए एक व्यक्ति से दो लाख रुपये उधार लिए थे। आरोप है कि साहूकार अब तक उनसे 12 लाख रुपये तक वसूल चुका है, और फिर भी लगातार दबाव बना रहा था। परिजनों का आरोप है कि अत्यधिक मानसिक तनाव और लगातार हो रही प्रताड़ना के कारण अजेन्द्र ने यह आत्मघाती कदम उठाया। उधर घटना की सूचना पर गौरव बड़ौत समेत नगर के अन्य गणमान्य व्यक्ति व पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने सुसाइड नोट भी बरामद कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

मृतक दिल्ली पुलिस के सिपाही विशाल का पिता था

मूल रूप से अजेन्द्र नाला जनपद शामली का रहने वाला था और कई साल से बड़ौत में दिलीप विहार कॉलोनी में रहता था। इस घटना से कॉलोनी में शोक की लहर है और लोग आर्थिक शोषण के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। सूचना प्राप्त हुई थी। जिसके बाद पुलिस को मौके पर भेजा गया था। अभी तक इस मामले में कोई तहरीर नहीं आई है। तहरीर आने पर जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सुविधा और संसाधनों के आधार पर होगी माध्यमिक विद्यालयों की ग्रेडिंग, आवश्यक कमियों को किया जाएगा दूर

लखनऊ, एजेंसी।

यूपी के माध्यमिक विद्यालयों की ग्रेडिंग सुविधा और संसाधनों के आधार पर की जाएगी। इसके लिए विद्यालय में कक्षाओं, प्रयोगशाला और पुस्तकालय जैसी सुविधाओं को आधार बनाया जाएगा। मूल्यांकन के बाद कमियों को दूर कराया जाएगा। उत्तर प्रदेश के 2295 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में पठन-पाठन की सुविधा व संसाधनों की व्यवस्था सुधारने के लिए विभाग की ओर से इन विद्यालयों की भी परख ग्रेडिंग जारी की जाएगी।

इसके लिए विभाग ने राजकीय माध्यमिक विद्यालयों को एक निर्धारित प्रारूप में अपनी सूचनाएं ऑनलाइन अपलोड करने के निर्देश दिए हैं। इसके आधार पर मूल्यांकन कर ग्रेडिंग जारी की जाएगी।

परिषदीय विद्यालयों के साथ-साथ प्रदेश के राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में भी ऑपरेशन कायाकल्प, प्रोजेक्ट अलंकार, पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) आदि के माध्यम से सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं व संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसके साथ ही यहां आईसीटी लैब, स्मार्ट क्लास आदि की भी सुविधा बढ़ाई जा रही है। इसके बाद भी अगर कोई कमी है तो उसको इस ग्रेडिंग के माध्यम से दूर करने का प्रयास किया जाएगा। विभाग की ओर से राजकीय विद्यालयों में शिक्षक व कर्मचारियों की संख्या, बिजली कनेक्शन, कंप्यूटर कक्ष की उपलब्धता, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, आर्ट रूम, स्मार्ट क्लास, वाईफाई की सुविधा, शिक्षक-छात्र

उपस्थिति, पाठ्यक्रम के अनुसार पढ़ाई आदि के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा। विद्यालयों के प्रधानाचार्यों व प्रधानाध्यापकों को नए सत्र में अप्रैल से जून तक की सूचनाएं schoolgrading-mad-hyamikshiksha.in पर अपलोड करने के निर्देश दिए गए हैं।

माध्यमिक शिक्षा निदेशक की ओर से सभी डीआईओएस व मंडलीय संयुक्त शिक्षा निदेशक को निर्देश दिया गया है कि इन सूचनाओं को निर्धारित समय में अपलोड कराना सुनिश्चित करें। इसके लिए सभी विद्यालयों को प्रेरित भी करें। ताकि विद्यालयों की ग्रेडिंग समय पर जारी की जा सके।

200 नंबर पर होगी ग्रेडिंग

माध्यमिक शिक्षा विभाग की ओर से 200 नंबर पर कॉलेजों की ग्रेडिंग जारी की जाएगी। इसमें 80 फीसदी नंबर पर उत्कृष्ट, 60 से 80 फीसदी लाने पर बहुत अच्छा, 40 से 60 फीसदी तक अच्छा, 20 से 40 पर संतोषजनक, 20 फीसदी नंबर लाने पर असंतोषजनक माना जाएगा।

यह तय की गई है समयसारिणी

प्रधानाध्यापक-प्रधानाचार्य को ऑनलाइन सूचना भरकर, आकड़ों के साथ डीआईओएस को आठ जुलाई तक भेजनी होगी। डीआईओएस इनका ऑनलाइन सत्यापन कर, पांच फीसदी विद्यालयों का भौतिक निरीक्षण कर अपनी रिपोर्ट मंडलीय संयुक्त शिक्षा निदेशक को 12 जुलाई तक भेजेंगे। वहीं मंडलीय संयुक्त शिक्षा निदेशक मंडल के विद्यालयों का सत्यापन कर, कम से कम पांच विद्यालयों का भौतिक निर्धारण कर अपनी रिपोर्ट 15 जुलाई तक राज्य मुख्यालय भेजेंगे। इसके बाद मुख्यालय की ओर से ग्रेडिंग जारी की जाएगी।

हाई ब्लड प्रेशर पर पाना चाहते हैं काबू, तो अपनाएं ये रामबाण इलाज

खराब लाइफस्टाइल, अनहेल्दी डाइट प्लान और तनाव जैसे तमाम फैक्टर्स हाई ब्लड प्रेशर का मुख्य कारण हो सकते हैं। क्या आप जानते हैं कि कुछ घरेलू उपायों की मदद से आप हाई ब्लड प्रेशर की समस्या पर काफी हद तक काबू पा सकते हैं? इस तरह के नेचुरल ट्रीटमेंट्स न केवल हाई बीपी की समस्या को दूर कर सकते हैं बल्कि आपके दिल की सेहत को भी काफी हद तक मजबूत बना सकते हैं।

डाइट प्लान में शामिल करें मेडिटेशन

क्या आपको भी यही लगता है कि मेडिटेशन सिर्फ आपकी मेंटल हेल्थ के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है? अगर हां, तो आपको अपनी इस गलतफहमी को जल्द से जल्द दूर कर लेना चाहिए। हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों को रेगुलरली मेडिटेशन की प्रैक्टिस करनी चाहिए। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि मेडिटेशन को अपने डेली डाइट प्लान में शामिल करके आप अपनी हार्ट हेल्थ को काफी हद तक सुधार सकते हैं।

डाइट प्लान में क्या शामिल करना चाहिए?

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक खट्टे फलों का सेवन करके हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल किया जा सकता है। बीपी पर काबू पाने के लिए संतरा, नींबू, मौसमी और अंगूर को कंज्यूम किया जा सकता है। इसके अलावा बादाम, अखरोट, चिया सीड्स, अलसी के बीज और कद्दू के बीज को सही मात्रा में और सही तरीके से कंज्यूम करके भी हाई ब्लड प्रेशर की समस्या पर काबू पाया जा सकता है।

फायदेमंद साबित हो सकता है प्राणायाम

आयुर्वेद के मुताबिक प्राणायाम का रेगुलर अभ्यास करने से हाई बीपी की समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है। आप हर रोज नियम से अनुलोम-विलोम और भ्रामरी प्राणायाम कर सकते हैं। प्राणायाम न केवल आपकी हार्ट हेल्थ को मजबूत बनाए रखने में बल्कि आपकी ओवरऑल हेल्थ को सुधारने में भी काफी ज्यादा मददगार साबित हो सकता है।

बारिश में स्ट्रीट फूड्स के हैं शौकीन तो जरा संभल जाइए, वरना बढ़ सकता है पेट की जानलेवा बीमारियों का खतरा

बारिश के मौसम में कीड़े-मकोड़ों का प्रकोप काफी बढ़ जाता है। हवा में नमी के कारण इन जीवाणुओं के पनपने का खतरा होता है। ये खाने-पीने की चीजों से भी चिपकने लगते हैं। ऐसे में, स्ट्रीट फूड्स खाना सेहत के लिए खतरनाक साबित हो सकता है।

बरसात की रिमझिम फुहारें और सड़कों के किनारे चटपटे स्ट्रीट फूड स्वाद में जितने मजेदार लगते हैं, असल में उतने ही खतरनाक हो सकते हैं। बारिश का मौसम संक्रमण और बैक्टीरिया जनित बीमारियों का गढ़ माना जाता है। हवा में बढ़ी नमी के कारण फूड आइटम्स जल्दी दूषित हो जाते हैं। ऐसे में अगर आपने सावधानी नहीं बरती, तो स्वाद के चक्कर में अस्पताल का चक्कर भी लग सकता है।

बारिश में स्ट्रीट फूड्स के नुकसान

बरसात के मौसम में नमी का स्तर बढ़ने से वातावरण बैक्टीरिया और वायरस के पनपने के लिए अनुकूल बन जाता है। इन सूक्ष्म जीवों की मौजूदगी सबसे ज्यादा खाने-पीने की चीज़ों में होती है, विशेषकर खुले में बिकने वाले स्ट्रीट फूड में। स्वाद के चक्कर में हम यह भूल जाते हैं कि इन खाद्य पदार्थों में संक्रमण का खतरा सबसे अधिक होता है, जो आंतों से जुड़ी गंभीर बीमारियों को जन्म दे सकता है।

इस मौसम में मोमोज, पानी पूरी, चाट, पेटीज, बड़ा पाव जैसे स्ट्रीट फूड आमतौर पर हर नुक्कड़ पर मिल जाते हैं और इनका स्वाद लोगों को लुभाता है। लेकिन आपको जानना चाहिए कि यह सब आपकी सेहत को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

मोमोज

स्टीम में पकने के बावजूद अक्सर मोमोज अंदर से अधपके रह जाते हैं। ऐसे में इनमें बैक्टीरिया, वायरस और फंगस के पनपने की संभावना बढ़ जाती है। यह आंतों में सूजन, कालरा, हेपेटाइटिस और पेचिश जैसी बीमारियों का कारण बन सकते हैं।

पानी पूरी

बारिश के मौसम में पानी पूरी के पानी में बैक्टीरिया और वायरस आसानी से पनपते हैं, खासकर अगर पानी दूषित है। इससे उल्टी, दस्त और टाइफाइड जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

पेटीज और चाट

खुले में रखे गए इन व्यंजनों में बैक्टीरिया और धूल-मिट्टी आसानी से जम जाते हैं। अगर इन्हें सही तापमान पर नहीं बनाया गया है, तो ये फूड पॉइजनिंग का कारण बन सकते हैं।

बड़ा पाव

यह तला हुआ फूड है और अक्सर बार-बार इस्तेमाल किए गए तेल में बनाया जाता है। बारिश के मौसम में इसकी सफाई और गुणवत्ता पर नजर रखना मुश्किल होता है, जिससे पेट की समस्याएं हो सकती हैं।

मानसून में भी दिखें स्टनिंग, वाटरप्रूफ मेकअप से बारिश में पाएं परफेक्ट लुक

बारिश का मौसम जहां सुकून और ठंडक लाता है, वहीं मेकअप लवर्स के लिए यह एक बड़ी चुनौती बन जाता है। ऐसे मौसम में वाटरप्रूफ मेकअप का ट्रेंड तेजी से बढ़ा है, जो चेहरे पर मेकअप को लंबे समय तक बरकरार रखता है और ग्लैमरस लुक भी देता है।

महिलाओं को मेकअप करने का काफी शौक होता है, लेकिन बारिश के मौसम में उनके लिए मेकअप करना काफी चैलेंजिंग हो जाता है। बारिश में ऑफिस जाते वक्त या घूमने-फिरने के दौरान भीगना आम बात है। परेशानी तब बढ़ जाती है, जब आप मेकअप करने के बाद भीग जाएं। यही कारण है कि वाटरप्रूफ मेकअप का ट्रेंड काफी बढ़ गया है, क्योंकि यह मेकअप को फैलने और खराब होने से बचाने में मदद करता है।

ब्यूटी एक्सपर्ट वंदना ठाकुर के अनुसार, वाटरप्रूफ मेकअप नमी, पसीने और बारिश के पानी से खराब नहीं होता। यह चेहरे को फ्रेश और आकर्षक बनाए रखता है। ये प्रोडक्ट्स विशेष तौर पर बनाए जाते हैं ताकि बारिश में भी आपकी सुंदरता बनी रहे।

हाइलाइटर से बढ़ाएं ग्लो

बारिश के मौसम में भी चेहरा फ्रेश और शाइनी दिखे, इसके लिए हाइलाइटर का उपयोग करें। यह नाक, होंठ और गालों को उभारता है और चेहरे पर एक ग्लैमरस लुक लाता है। मार्केट में स्किन टोन के अनुसार कई शेड्स उपलब्ध हैं, जो नेचुरल फिनिश देते हैं। ब्रश या स्पंज से इसे आसानी से लगाया जा सकता है।

मानसून मेकअप के लिए टिप्स

बारिश में मेकअप बेस के लिए वाटरप्रूफ फाउंडेशन का उपयोग करें।

वाटरप्रूफ मस्कारा और आईलाइनर का उपयोग करना चाहिए ताकि बारिश में भी आंखें सुंदर दिखें।

मैट या सेमी-मैट फिनिश वाली वाटरप्रूफ लिपस्टिक का उपयोग करें।

मेकअप लगाने के बाद, इसे सेट करने के लिए मेकअप सेटिंग स्प्रे का उपयोग करें।

बारिश में मेकअप लगाने से पहले, त्वचा को बर्फ से मसाज कर फिर मैटिफाइंग बेस या पाउडर का उपयोग करें।

क्रीम बेस्ड प्रोडक्ट्स की जगह पाउडर बेस्ड प्रोडक्ट्स का उपयोग करें।

बारिश में मेकअप को कम से कम रखें।

बरसात में भी कई गुना बढ़ेगी खूबसूरती

मस्कारा, फाउंडेशन, लिपस्टिक, आई लाइनर और हाइलाइटर जैसे मेकअप प्रोडक्ट्स हाई क्वालिटी वाले हैं, जिससे आपको मानसून में भी अट्रैक्टिव और बोल्ड लुक मिलता है। इन्हें अप्लाई करके चिपचिपापन नहीं होता है। स्किन टोन के लिए ये प्रोडक्ट्स काफी सारे शेड्स में आते हैं। ये ब्यूटी प्रोडक्ट्स वाटरप्रूफ, स्मजप्रूफ, स्वेटप्रूफ और ट्रांस्फरप्रूफ ब्यूटी प्रोडक्ट्स ड्यूरेबल और लान्ग लास्टिंग हैं, जो आपको पूरा दिन खूबसूरत दिखने में मदद करते हैं, खूबसूरती कई गुना बढ़ जाती है।

विटामिन बी12 की अधिकता से हो सकते हैं ये रोग

विटामिन बी12 की कमी की वजह से सेहत पर पड़ने वाले नेगेटिव असर के बारे में ज्यादातर लोग जानते होंगे। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस विटामिन की अधिकता की वजह से भी आपकी सेहत पर कुछ साइड इफेक्ट्स पड़ सकते हैं? कुल मिलाकर किसी भी चीज की कमी या फिर अति सेहत पर भारी पड़ सकती है। यही वजह है कि आपको किसी भी पोषक तत्व को संतुलित मात्रा में ही अपने डाइट प्लान में शामिल करना चाहिए।

सिर में दर्द/चक्कर

अगर आपके शरीर में विटामिन बी12 की ज्यादा मात्रा चली जाए, तो आपको मतली, सिर में दर्द या फिर चक्कर की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। अगर आप इस तरह की समस्याओं से बचना चाहते हैं तो आपको विटामिन बी12 का इंजेक्शन लेने से पहले डॉक्टर से कंसल्ट जरूर करना चाहिए।

हार्ट हेल्थ पर पड़ सकता है असर

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि विटामिन बी12 की अधिकता आपकी हार्ट हेल्थ पर भारी पड़ सकती है। इस विटामिन की अधिकता की वजह से आपके दिल की धड़कन बढ़ सकती है। इसके अलावा अगर आप किडनी से जुड़ी किसी बीमारी से जूझ रहे हैं, तो आपको विटामिन बी12 सप्लीमेंट लेने से बचना चाहिए।

त्वचा के लिए हानिकारक

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक विटामिन बी12 की अधिकता, आपके शरीर के साथ-साथ आपकी त्वचा पर भी बुरा असर डाल सकती है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि इस विटामिन की अधिकता की वजह से आपको मुंहासों, खुजली और रैश जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। अगर आपके शरीर में इस विटामिन की अधिकता है, तो आपको अपने डाइट प्लान में विटामिन बी12 से भरपूर खाने-पीने की चीजों को शामिल करने से बचना चाहिए।

सोने के तेवर फिर गरम, 100719 पर पहुंचा भाव, चांदी में 1060 रुपये की उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने-चांदी के तेवर एक बार फिर गरम हो रहे हैं। आज सोने का भाव 306 रुपये और चांदी का 1060 रुपये उछला है। आज 3 जुलाई गुरुवार को 24 कैरेट सोना 97786 रुपये पर खुला है। जीएसटी के साथ 24 कैरेट सोना जहां 100,719 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट से बिक रहा है तो चांदी 110,980 रुपये किलो बिक रही है।

22 कैरेट गोल्ड का रेट : आईबीजेए रेट्स के मुताबिक 23 कैरेट गोल्ड भी 306 रुपये उछल कर 97394 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव से खुला। जीएसटी संग इसकी कीमत अब 100,315 रुपये हो गई है। वहीं, 22 कैरेट गोल्ड का औसत हाजिर भाव 280 रुपये बढ़कर 89572 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट पर खुला। जीएसटी के साथ यह 92259 रुपये का 10 ग्राम बैठेगा।

18 कैरेट गोल्ड का भाव : 18 कैरेट गोल्ड का भाव भी 230 रुपये महंगा होकर 73340 रुपये प्रति 10 ग्राम पर है। 3 पर्सेंट जीएसटी के साथ 75540 रुपये का पड़ेगा। जबकि, 14 कैरेट गोल्ड की कीमत 179 रुपये चढ़कर होकर 57205 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई है। इसमें जीएसटी जोड़ने के बाद यह 58921 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच जा रहा है। अभी इसमें मेकिंग चार्ज नहीं जुड़ा है। सोने-चांदी के हाजिर भाव इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन ने जारी किए हैं। हो सकता है आपके शहर में इससे 1000 से 2000 रुपये का अंतर आ रहा हो। आईबीजेए दिन में दो बार रेट जारी करता है। एक बार दोपहर 12 बजे के करीब दूसरा 5 बजे के आसपास।

इस साल कितने बढ़े सोने-चांदी के दाम : सर्राफा बाजारों में इस साल सोना करीब 22046 रुपये और चांदी 21731 रुपये महंगी हो चुकी है। 31 दिसंबर 24 को सोना 76045 रुपये प्रति 10 के रेट से खुला था और चांदी 85680 रुपये प्रति किलो से। इस दिन सोना 75740 रुपये पर बंद हुआ। चांदी भी 86017 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी।

पीएनबी के बाद अब इंडियन बैंक ब ने माफ किया पूरा शुल्क, 7 जुलाई से ग्राहकों उठा सकेंगे फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकारी बैंक ग्राहकों के लिए अच्छी खबर है। इंडियन बैंक बचत बैंक खातों में मिनिमम बैलेंस की आवश्यकता को समाप्त कर रहा है। बैंक ने ऐलान किया है कि वह 7 जुलाई, 2025 से बचत बैंक खातों में न्यूनतम बैलेंस की जरूरत को समाप्त कर रहा है। बता दें कि इससे पहले पंजाब नेशनल बैंक ने इसी तरह का ऐलान किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में बैंक के आधिकारिक अकाउंट ने लिखा कि इस निर्णय का उद्देश्य ग्राहकों के लिए वित्तीय समावेशन, पहुंच और सामर्थ्य में सुधार करना है। पोस्ट में एक ग्राफिक में लिखा है, आपका पैसा, आपके नियम। कोई न्यूनतम शेष राशि नहीं, कोई जुर्माना नहीं। 7 जुलाई, 2025 से 0 प्रतिशत प्रभावी ।बैंक ने लिखा, पब्लिक अनाउंसमेंट- एक महत्वपूर्ण कस्टमर-फोकस पहल में हम 7 जुलाई, 2025 से प्रभावी, अपने सभी बचत बैंक खातों में न्यूनतम शेष राशि शुल्क की पूर्ण छूट की घोषणा करते हुए खुश हैं ।इसमें कहा गया है- इस कदम का उद्देश्य वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना और समाज के सभी वर्गों के लिए बैंकिंग को अधिक सुलभ और किफायती बनाना है।

सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर नए कारोबार में तेजी के कारण जून में 10 महीने के उच्च स्तर पर, पीएमआई से पुष्टि

नई दिल्ली, एजेंसी। मांग के सकारात्मक रुझान और बिक्री में जारी सुधार के बीच अंतरराष्ट्रीय बिक्री और रोजगार सृजन में मजबूत विस्तार होने से जून में भारत के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर 10 महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई। एक मासिक सर्वेक्षण में गुरुवार को इसकी पुष्टि की गई। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स मई में 58.8 से बढ़कर जून में 60.4 हो गया, जो नए व्यावसायिक ऑर्डरों में तीव्र वृद्धि के कारण हुआ।

क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में, 50 से ऊपर का अंक विस्तार को दर्शाता है, जबकि 50 से नीचे का अंक संकुचन को दर्शाता है। एचएसबीसी के मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, सेवा पीएमआई व्यवसाय गतिविधि सूचकांक दस महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया, जिसका कारण नए घरेलू ऑर्डरों में तीव्र वृद्धि थी। नए निर्यात ऑर्डरों में भी वृद्धि हुई, यद्यपि धीमी गति से। मार्जिन में सुधार हुआ, क्योंकि इनपुट लागत में वृद्धि आउटपुट शुल्कों के मुकाबले कम थी।

आंकड़ों के अनुसार अगस्त 2024 के बाद से नए ऑर्डरों में सबसे तेज वृद्धि हुई। सेवा कंपनियों को घरेलू बाजार की निरंतर मजबूती से सबसे अधिक लाभ हुआ। साथ ही नए निर्यात कारोबार में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई। पैनल के सदस्यों के अनुसार, विदेशी मांग में विशेष रूप से एशियाई, मध्य पूर्वी और अमेरिकी बाजारों से सुधार हुआ है।

भारतीय सेवा क्षेत्र के निरंतर विस्तार का भर्ती पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। जून में लगातार 37वें महीने रोजगार में वृद्धि हुई। मई के रिकॉर्ड से धीमी होने के बावजूद रोजगार वृद्धि की दर अपने दीर्घकालिक औसत से आगे निकल गई।

सर्वेक्षण में कहा गया है कि मूल्य के मोर्चे पर, लागत दबाव उपभोक्ता सेवा श्रेणी में सबसे अधिक था, जबकि आउटपुट शुल्क में सबसे तेज वृद्धि वित्त और बीमा क्षेत्र में देखी गई। सर्वेक्षण के अनुसार, एक वर्ष के समय में उत्पादन स्तर के दृष्टिकोण के बारे में आशावाद कायम रहा, 18 प्रतिशत सेवा प्रदाताओं ने वृद्धि का पूर्वानुमान लगाया। हालाँकि, उत्साहित फर्मों का यह अनुपात 2022 के मध्य के बाद से सबसे कम था। इसलिए, आत्मविश्वास का समग्र स्तर गिर गया और अपने दीर्घकालिक औसत से नीचे था।

पाकिस्तान का साथ देने वाले दो देशों पर दिख रहा भारतीय पर्यटकों के बायकॉट का असर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत-पाकिस्तान के बीच चले संघर्ष का असर देश की एयरलाइन इंडस्ट्री और मध्य एशिया जाने वाले यात्राओं पर साफ दिखा। मई के आंकड़ों से पता चलता है कि कैसे इन दोनों क्षेत्रों को प्रभावित किया। जब बॉर्डर इलाकों में हमला हुआ तो उत्तर और पश्चिम भारत के 32 एयरपोर्ट बंद कर दिए गए। पहले ही दिन 50 से ज्यादा फ्लाइट कैंसल करनी पड़ीं। डीजीसीए के अनुसार, मई में एयर इंडिया को सबसे ज्यादा झटका लगा। उसकी 3.4 प्रतिशत फ्लाइट कैंसल हुईं, जबकि अप्रैल में ये सिर्फ 0.27 प्रतिशत थी।

भारत और पाक संघर्ष में अजरबैजान और तुर्किये ने पाकिस्तान का साथ दिया। इसके बाद कई लोगों ने उन दोनों की अपनी यात्रा रद्द कर दी। मई के आंकड़े बताते हैं कि अजरबैजान जाने वाले भारतीयों की संख्या पिछले साल मई में 29,691 थी, जो इस साल मई में घटकर 23,326 रह गई। तुर्किये में भी भारतीय पर्यटकों की संख्या मई 2024 में 41,544 थी, जो मई 2025 में घटकर 31,659 रह गई। अजरबैजान के लिए 2018 के बाद यह पहली बार है जब भारतीय पर्यटकों की संख्या में इतनी बड़ी गिरावट आई (कोविड साल छोड़कर)। तुर्किये में यह गिरावट लगातार तीसरे महीने रही।

यूएस-वियतनाम व्यापार समझौते से सबक ले सकता है भारत, जीटीआरआई की रिपोर्ट में अहम संकेत

वॉशिंगटन , एजेंसी। हाल ही में अमेरिका और वियतनाम के बीच व्यापार समझौता हुआ है। इस व्यापार समझौते से भारत कई सबक सीख सकता है। खासकर भारतीय निर्यातकों पर इसका गहरा असर हो सकता है। भारत, वियतनाम को निर्यात के मामले में प्रतिद्वंदी और क्षेत्रीय सहयोगी दोनों मानता है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव (जीटीआरआई) की रिपोर्ट में यह बताया गया है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि अमेरिका और वियतनाम में जब साल 2000 में व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर हुए थे, जिसके बाद वियतनाम के उत्पाद अमेरिका में सिर्फ 2 से 10 प्रतिशत टैरिफ पर आने लगे। अब ट्रंप प्रशासन ने नई डील में वियतनामी उत्पादों के अमेरिका में आने पर 20 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का फैसला किया है। अमेरिका के इस कदम से वियतनाम का निर्यात बुरी तरह से प्रभावित हो सकता है। जीटीआरआई ने कहा कि भारतीय निर्यातकों को भी इससे सबक लेना चाहिए।

नए समझौते से वियतनाम के निर्यात पर पड़ेगा विपरीत असर: साल 2000 में हुए व्यापार समझौते के बाद वियतनाम के उत्पादों की अमेरिका में आवक काफी बढ़ गई और एक समय जो वियतनाम का निर्यात सिर्फ 80 करोड़ डॉलर था, वह बढ़कर 135 अरब डॉलर हो गया। विशेषज्ञों का दावा है कि नए टैरिफ के बाद वियतनाम की यह बढ़त खत्म हो सकती है और इससे वियतनाम का निर्यात सेक्टर बुरी तरह से प्रभावित होगा। इतना ही नहीं वियतनाम होकर अमेरिका आने वाले चीनी सामान पर 40 प्रतिशत टैरिफ लगाने का फैसला किया गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका का यह कदम विश्व व्यापार संगठन के नियमों के खिलाफ है। जीटीआरआई ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर बातचीत अंतिम चरण में है। ऐसे में भारत की तरफ से बातचीत कर रहे लोगों को सलाह है कि वे वियतनाम के अनुभव से सीखें और पुरानी छूट को वापस लेने, टैरिफ लगाने और सामान के उत्पादन की जगह को लेकर अस्पष्ट नियमों पर अमेरिका के साथ स्पष्ट बातचीत करें।

8 देशों के पास है अमेरिका से बड़ा तेल भंडार

नई दिल्ली, एजेंसी। पेट्रोलियम को काला सोना कहा जाता है। इससे कई तरह के प्रोडक्ट्स बनते हैं जिनका कई उद्योगों में व्यापक इस्तेमाल होता है। इसके बिजनस पर कब्जा करने के लिए दुनिया देशों के बीच होड़ चलती रहती है। पश्चिम एशिया के कई देशों के इकॉनमी पूरी तरह तेल पर निर्भर है। फिलहाल अमेरिका दुनिया में कच्चे तेल का सबसे बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता है लेकिन उसके पास इसका बहुत बड़ा भंडार नहीं है। दुनिया के आठ देशों में अमेरिका से बड़ा ऑयल रिजर्व है। जानिए किन देशों के पास है कच्चे तेल के बड़े भंडार...

तेल उत्पादक देशों के संगठन ओपेक के मुताबिक दुनिया का सबसे बड़ा तेल भंडार दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला के पास है। इस देश के पास 303 अरब बैरल ऑयल रिजर्व है जो दुनिया के कुल ज्ञात तेल भंडार का 17.3 फीसदी है। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर सऊदी अरब है। इस देश का ऑयल रिजर्व 267 अरब बैरल है जो दुनिया का 15.2 फीसदी है। ईरान 209 अरब बैरल के भंडार के साथ इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर है। वेनेजुएला और ईरान उन देशों में शामिल हैं जहां पेट्रोल की कीमत सबसे कम है।

कौन-कौन हैं टॉप 10 में: कनाडा एरिया के आधार पर दुनिया का दूसरा बड़ा देश है। इस देश में 163 अरब बैरल कच्चे तेल का भंडार है जो दुनिया का 9.3 फीसदी है। इराक में 145 अरब बैरल कच्चे तेल का भंडार है। इसी तरह यूएई में 113 अरब बैरल, कुवैत में 102 अरब बैरल, रूस में 80 अरब बैरल, अमेरिका में 74 अरब बैरल और लीबिया में 48 अरब बैरल कच्चे तेल का भंडार है। भारत अपनी जरूरत का 85 फीसदी कच्चा तेल आयात करता है। यूक्रेन युद्ध के बाद रूस भारत का सबसे बड़ा सप्लायर बनकर उभरा है।

ऑफिस में काम करने वालों की भर्तियां 20 फीसदी बढ़ी, दिल्ली-एनसीआर जैसे महानगरों में धीमी बढ़ोतरी

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑफिस में काम करने वालों (व्हाइट कॉलर) की भर्तियां जून, 2025 में सालाना आधार पर 20 फीसदी बढ़ी हैं। इसमें मुख्य रूप से टियर-2 श्रेणी के शहरों (छोटे शहर) का योगदान रहा है और वे देश की रोजगार वृद्धि को गति देने वाले प्रमुख इंजन के रूप में उभर रहे हैं।

26 फीसदी वृद्धि के साथ कोयंबटूर सबसे आगे: फाउंडइट इनसाइट्स ट्रैकर के मुताबिक, भर्तियों में 26 फीसदी वृद्धि के साथ कोयंबटूर सबसे आगे रहा। इसके बाद नागपुर और नासिक में 24 फीसदी की वृद्धि हुई। इसमें आईटी, बीएफएसआई (बैंकिंग, वित्तीय सेवा एवं बीमा), विनिर्माण और एफएमसीजी क्षेत्रों का योगदान है।

हाल के वर्षों में सबसे मजबूत वृद्धि: फाउंडइट के मुख्य राजस्व एवं वृद्धि अधिकारी प्रणय काले ने कहा, यह हाल के वर्षों में सबसे मजबूत वृद्धि है, जो भारत के रोजगार परिदृश्य में टियर-2 शहरों के बढ़ते महत्व को बताती है। अब नौकरी चाहने वालों के पास अपने घर के पास ही विभिन्न अवसर उपलब्ध हैं।

दिल्ली-एनसीआर जैसे महानगरों में धीमी बढ़ोतरी: रिपोर्ट के मुताबिक, टियर-2 शहरों में भर्तियां सालाना आधार पर 28 फीसदी बढ़ी हैं। इसके उलट, दिल्ली-एनसीआर (5 फीसदी), चेन्नई (18 फीसदी) और बंगलूरू (16 फीसदी) जैसे प्रमुख महानगरों में तुलनात्मक रूप से धीमी वृद्धि देखी गई। टियर-2 शहरों में आईटी भर्तियों में 53 फीसदी की असाधारण वृद्धि रही जो राष्ट्रीय औसत 30 फीसदी से अधिक है।

भारत को रोकने के लिए चीन, फॉक्सकॉन से चीनी कर्मचारियों को बुलाना देश के लिए चेतावनी, दिग्गज निवेशक ने किया अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। फॉक्सकॉन ने भारत स्थित अपने आईफोन प्लांट्स के सैकड़ों चीनी इंजीनियरों और टेक्नीशियनों को वापस बुला लिया है। इससे भारत में एपल की आईफोन निर्माण को बढ़ाने की योजना को बड़ा झटका लग सकता है। इस बीच, कमोडिटी निवेशक सूर्या कनेगांवकर ने इसे सोचा-समझा झटका बताया। उनका कहना है कि भारत में फॉक्सकॉन के आईफोन प्लांट से चीन द्वारा इंजीनियरों को वापस बुलाना कोई आश्चर्य की बात नहीं है। उन्होंने कहा, भारत को रोकने के लिए चीन कुछ भी करने से नहीं चूकेगा।

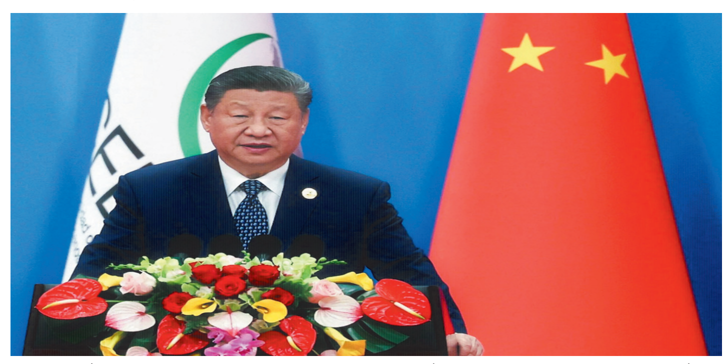

क्या है डिटेल

फॉक्सकॉन के तमिलनाडु और कर्नाटक प्लांट से 300 से अधिक चीनी टेक्नीशियनों को वापस बुलाना कारोबार को बाधित करने की चाल है। इसे टेक्नोलॉजी हस्तांतरण को प्रतिबंधित करने और भारत की विनिर्माण महत्वाकांक्षाओं को रोकने के कदम के रूप में देखा जाता है। कनेगांवकर ने एक्स पर लिखा, यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है। भारत को एक लड़खड़ाते हुए प्रतिद्वंद्वी के रूप में देखा जाता है, जो जमीन से उठने के लिए संघर्ष कर रहा है। बता दें कि फॉक्सकॉन ने स्थानीय टीमों को ट्रेंड करने और उच्च-स्तरीय विनिर्माण प्रक्रियाओं को एम्बेड करने के लिए चीनी इंजीनियरों पर भरोसा किया है। उनके अचानक चले जाने से संचालन धीमा होने और ज्ञान हस्तांतरण में बाधा आने की उम्मीद है।

जबकि एपल और फॉक्सकॉन ने ताइवान और वियतनामी प्रतिस्थापनों की ओर रुख किया है, और भारतीय श्रमिकों को अपस्किल करना शुरू कर दिया है, फिर भी अंतर बना हुआ है।

कनेगांवकर ने एक गहरी संरचनात्मक कमजोरी की ओर इशारा किया- भारत पूरी तरह से चीनी मशीन टूल्स, दुर्लभ पृथ्वी और इलेक्ट्रॉनिक्स घटकों पर निर्भर रहते हुए औद्योगीकरण का प्रयास कर रहा है, जो बेतुका है। आपूर्ति श्रृंखला के हर हिस्से का अध्ययन और सुधार कल ही किया जाना चाहिए था। मल्टीनेशनल कंपनियों के लिए संदेश स्पष्ट है- आपूर्ति श्रृंखलाओं को भारत में स्थानांतरित करने की कीमत चुकानी पड़ सकती है। भारत, जो अब वैश्विक आईफोन का 20 प्रतिशत उत्पादन करता है, 2026 तक अमेरिका के लिए अधिकांश उपकरणों की आपूर्ति करने की एप्पल की योजना का केंद्रबिंदु है। लेकिन भू-राजनीतिक जोखिम इस प्रक्षेपवक्र को खतरे में डालते हैं। कानेगांवकर ने कहा, एक राज्य के रूप में अपनी स्थिति को मित्रों और शत्रुओं दोनों की उदारता पर निर्भर देखना आत्मनिरीक्षण और तत्काल सुधार की मांग करता है।

मुकेश अंबानी का गेम प्लान, एफएमसीजी ब्रांड्स को अलग कर बना रहे नई कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। रिलायंस के चेयरमैन मुकेश अंबानी अपने नए गेम प्लान से प्रतिद्वंद्वियों को मात देने की तैयारी है। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने अपने सभी तेजी से बिकने वाले उपभोक्ता सामान यानी एफएमसीजी ब्रांड्स को अलग करने का बड़ा फैसला लिया है। ये ब्रांड अभी रिलायंस की रिटेल कंपनियों आरआरवीएल, आरआरएल, आरसीपीएल के अंदर थे। अब इन्हें एक नई अलग कंपनी में रखा जाएगा, जिसका नाम होगा न्यू रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड। यह नई कंपनी ठीक जियो प्लेटफॉर्म्स की तरह सीधे रिलायंस की सहायक कंपनी होगी।

बदलाव का मुख्य कारण: इकनॉमिक टाइम्स की खबर के मुताबिक इस बदलाव का मुख्य कारण है कि इन एफएमसीजी ब्रांड्स को विशेष और पूरा ध्यान मिल सके। रिलायंस का कहना है कि एफएमसीजी का बिजनेस पूरी तरह अलग है। इसमें ब्रांड बनाना, उत्पादों पर रिसर्च करना, उन्हें बनाना, बांटना और उनका मार्केटिंग करना शामिल है। इसके लिए अलग कौशल और विशेषज्ञता की जरूरत होती है, जो सामान्य रिटेल बिजनेस से भिन्न है। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल के एक आदेश में भी कहा गया है कि यह कदम एक अलग तरह के निवेशकों को आकर्षित करने में मदद करेगा।

रिलायंस के चेयरमैन मुकेश अंबानी पहले ही अपनी रिटेल और टेलीकॉम कंपनियों के लिए आईपीओ लाने की योजना का संकेत दे चुके हैं। कंपनी के प्लान जानने वाले लोगों का मानना है कि यह रीस्ट्रक्चरिंग रिटेल बिजनेस को शेयर बाजार में लाने की तैयारी का हिस्सा है। एफएमसीजी बिजनेस को अलग करने से रिटेल कंपनी का वैल्यूएशन (मूल्यांकन) बेहतर और स्पष्ट हो सकेगा। फिलहाल रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड का वैल्यूएशन 100 अरब डॉलर (करीब 8.5 लाख करोड़ रुपये) से भी ज्यादा है, जो इसके आईपीओ को हाल के सबसे बड़े आईपीओ में से एक बना सकता है।

कितना बड़ा है एफएमसीजी बिजनेस कौन से हैं ब्रांड्स: रिलायंस का एफएमसीजी बिजनेस वित्त वर्ष 2024-25 में लगभग 11,500 करोड़ रुपये का था। इसमें 15 से ज्यादा घरेलू और खरीदे गए ब्रांड्स शामिल हैं, जैसे... एनसीएलटी के दस्तावेज के मुताबिक, एफएमसीजी बिजनेस को लगातार बड़े पैमाने पर पूंजी निवेश (कैपिटल इन्वेस्टमेंट) की जरूरत होती है और यह एक अलग तरह के निवेशकों को अपनी ओर खींच सकता है। इसलिए, यह साफ किया गया है कि कंज्यूमर ब्रांड्स का बिजनेस, रिटेल बिजनेस का हिस्सा नहीं है और इसे सीधे रिलायंस की एक अलग सहायक कंपनी में रखने का प्रस्ताव है।

अप्रैल-जून तिमाही में विदेशी फंड प्रवाह घटा, रियल एस्टेट में संस्थागत निवेश 33 प्रतिशत लुढ़का

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक राजनीतिक और आर्थिक अनिश्चितताओं के चलते अप्रैल-जून 2025 के दौरान भारत में रियल एस्टेट में संस्थागत निवेश में गिरावट आई है। इसका मतलब है कि देश में रियल एस्टेट सेक्टर (जैसे मॉल, ऑफिस, हाउसिंग प्रोजेक्ट्स आदि) में बड़े वित्तीय संस्थानों द्वारा किया जाने वाला निवेश पहले की तुलना में कम हो गया है। रियल एस्टेट परामर्शदाता कोलियर्स की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

रिपोर्ट के अनुसार अप्रैल-जून 2025 में संस्थागत निवेश 33 प्रतिशत घटकर 1.69 अरब डॉलर रह गया। पिछले साल इसी अवधि में यह 2.53 अरब था। इस गिरावट की मुख्य वजह विदेशी फंडिंग में लगभग 50 प्रतिशत की कमी रही, जो 2,046.8 मिलियन डॉलर से घटकर 1,048.4 मिलियन डॉलर रह गई।

घरेलू निवेशकों की हिस्सेदारी बढ़कर हुई 34 प्रतिशत

हालांकि, घरेलू निवेशकों ने बाजार में भरोसा जताया और अप्रैल-जून तिमाही में 32 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 642.8 मिलियन डॉलर का निवेश किया। यह पिछले साल की समान अवधि में 486.5 मिलियन डॉलर था। कोलियर्स इंडिया के सीईओ, बादल याग्निक ने कहा कि घरेलू पूंजी अब भारत के रियल एस्टेट निवेश में एक प्रमुख चालक बनकर उभरी है। 2021 में कुल निवेश में इसकी हिस्सेदारी 16 प्रतिशत थी। यह 2024 में बढ़कर 34 प्रतिशत हो गई। उन्होंने यह भी बताया कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद 2025 की पहली छमाही में घरेलू निवेश का हिस्सा कुल निवेश का 48 प्रतिशत रहा। इससे कुल निवेश 3 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच सका।

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच विदेशी निवेशक सतर्क बने रहे

आंकड़ों के अनुसार, जनवरी-जून 2025 के दौरान कुल संस्थागत निवेश 15 प्रतिशत घटकर 2,998.10 मिलियन अमरीकी डॉलर रहा। यह एक साल पहले इसी अवधि में 3,528.50 मिलियन अमरीकी डॉलर था। इस दौरान विदेशी निवेश 1,570.6 मिलियन डॉलर रहा, जो पिछले साल के 2,593.8 मिलियन डॉलर से काफी कम है। वैश्विक निवेशक उभरते व्यापक आर्थिक परिदृश्यों, ऋण प्रवाह और महंगाई के दबावों के बीच सतर्क बने हुए हैं। इसके विपरीत, घरेलू निवेशकों ने 1,427.5 मिलियन डॉलर का निवेश किया, जो कि 2024 की पहली छमाही के 934.7 मिलियन डॉलर की तुलना में 53 प्रतिशत अधिक है। रिपोर्ट में बताया गया है कि संस्थागत निवेश में फंडिंग के स्रोतों में फैमिली ऑफिसेज, विदेशी कंपनियां, विदेशी बैंक, पेंशन फंड्स, निजी इक्विटी, रियल एस्टेट डेवलपर्स फंड, विदेशी एनबीएफसी, सूचीबद्ध रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट और संप्रभु संपत्ति कोष शामिल हैं।

महिला एशियाई कप क्वालीफायर

भारत ने इराक को 5-0 से हराया

चियांग माइ, एजेंसी। भारतीय महिला फुटबॉल टीम ने एएफसी महिला एशियाई कप 2026 क्वालीफायर में शानदार प्रदर्शन करते हुए इराक पर जीत दर्ज की। बुधवार को चियांग माइ स्टेडियम की

700वीं वर्षगांठ पर भारत ने इराक को 5-0 से हराया।

पहले हाफ में संगीता बासफोर और मनीषा ने भारत की स्थिति मजबूत कर दी। वहीं, दूसरे हाफ में कार्तिका अंगमुथु, फंजौबाम निर्मला देवी और नोंगमाईथेम रतनबाला देवी ने गोल करके टीम को बढ़त दिलाई। भारत ने अब तक तीन मैचों में 22 गोल दागे हैं, जबकि एक भी गोल भारतीय टीम के खिलाफ नहीं हुआ है। भारतीय टीम तीनों मैच जीती है। भारतीय टीम ग्रुप बी में 9 अंक के साथ शीर्ष पर है। वहीं, थाईलैंड दूसरे स्थान पर है। 5 जुलाई को भारत-थाईलैंड के बीच मैच होगा। मंगोलिया (13-0) और तिमोर-लेस्ते (4-0) के खिलाफ जीत दर्ज करने के बाद इराक के खिलाफ पूरे आत्मविश्वास के साथ उतरी भारतीय टीम ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया।

टीम ने इराकी डिफेंस को भेदने के लिए शानदार ड्रिब्लिंग का इस्तेमाल किया। वहीं, मिडफील्डर्स ने पासिंग और त्वरित बदलावों के साथ गति को नियंत्रित किया। ब्रेक के समय 2-0 से पीछे चल रहे इराक ने एक बदलाव किया और अलजेबारी की जगह फैजा महमूद को मैदान में उतारा। लेकिन भारत की बढ़त बरकरार रही।

दूसरे हाफ में बमुश्किल तीन मिनट ही हुए थे कि कार्तिका अंगमुथु ने 25 गज की दूरी से एक शानदार शॉट लगाया, जो गोल में बदल गया। भारत की तरफ से चौथा गोल 68वें मिनट में निर्मला देवी ने किया। जबकि, 5वां गोल 80वें मिनट में रतनबाला देवी ने किया।

रोनाल्डो के साथी खिलाड़ी की मौत, 2 हफ्ते पहले बचपन की प्रेमिका से रचाई थी शादी

नई दिल्ली, एजेंसी। लिवरपूल के स्टार डिओगो जोटा की 28 साल की उम्र में गुरुवार (3 जून) को नॉर्थ स्पेन में सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। उनकी लेम्बोर्गिनी के सड़क से फिसलने से हादसा हुआ। उन्होंने अपनी बचपन की प्रेमिका से दो हफ्ते पहले ही शादी की थी। कार में पुर्तगाल के फॉरवर्ड के साथी फुटबॉलर और भाई आंद्रे सिल्वा भी थे। 26 वर्षीय आंद्रे की भी दुर्घटना में मौत हो गई। जोटा पुर्तगाल की राष्ट्रीय टीम के लिए भी खेले हैं। वह 2019 और 2025 में क्रिस्टियानो रोनाल्डो की अगुआई में यूईएफए नेशंस लीग जीतने वाली पुर्तगाली टीम का हिस्सा भी रहे। वहीं,सिल्वा निचले डिवीजनों में पुर्तगाली क्लब पेनाफेल के लिए खेले हैं। रिपोर्ट के अनुसार माना जा रहा है कि वलाडोलिड से 70 मील पश्चिम में ए-52 पर ओवरटेक करते समय लेम्बोर्गिनी का टायर फट गया।

विश्व मुक्केबाजी कप

मीनाक्षी और पूजा रानी ने भारत के लिए पदक सुनिश्चित

अस्ताना, एजेंसी। भारतीय मुक्केबाजी दल ने कजाकिस्तान की राजधानी अस्ताना में चल रही विश्व मुक्केबाजी कप में दो पदक सुनिश्चित कर दिया हैं। मीनाक्षी (48 किग्रा) और पूजा रानी (80 किग्रा) ने देश के लिए पदक सुनिश्चित किया है।

मीनाक्षी ने क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे की गुओ यी-जुआन के खिलाफ शानदार और प्रभावशाली जीत दर्ज की। भारतीय मुक्केबाज ने अपने तीखे फुटवर्क, सटीक मुक्के और रिंग में अपनी शानदार जागरूकता दिखाते हुए 5-0 के साथ सर्वसम्मत जीत हासिल की। मुकाबले की गति को नियंत्रित करने तथा दूरी से स्पष्ट रूप से अंक प्राप्त करने की उनकी क्षमता ने निर्णायकों को किसी भी प्रकार के संदेह से मुक्त रखा। उन्होंने सेमीफाइनल में अपना स्थान सुनिश्चित कर लिया और इसके साथ ही अपने लिए कम से कम कांस्य पदक सुनिश्चित कर लिया। भारत की सबसे अनुभवी मुक्केबाजों में से एक पूजा रानी ने 80 किग्रा वर्ग में स्थानीय गुलसाया येरजान के खिलाफ दमदार प्रदर्शन किया। क्वार्टर फाइनल जैसे कड़े और अहम मुकाबले में पूजा ने आक्रामकता और नियंत्रण

का मिश्रण करते हुए 4-1 के विभाजित निर्णय के जरिए जीत हासिल की। इस मुकाबले में पूजा ने शुरुआती दौर में दबाव झेला, लेकिन बाद के चरणों में निर्णायक पंच जड़े। आखिरी समय में उनके जोरदार पंच ही उनकी जीत का कारण बने। इस जीत के साथ, उन्होंने पोडियम फिनिश हासिल किया और अब वह सेमीफाइनल में पहुंचकर इसे स्वर्ण में बदलने की कोशिश करेंगी।

इससे पहले, अनामिका (51 किग्रा) ने क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं। उन्होंने तुर्की की आयसेन तस्किन को हराया, जिससे इस भार वर्ग में भारतीय की उम्मीदें जीवित हैं।

पुरुषों की ओर से जदुमणि सिंह ने फिलीपींस के जे. ब्रायन बारिकुआत्रो के खिलाफ एक करीबी मुकाबले में बहादुरी से मुकाबला किया। जोशीले प्रयास के बावजूद जदुमणि बहुत कम अंतर से हार गए और कड़े मुकाबले के बाद टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

चहल ने काउंटी चैम्पियनशिप में दिखाया स्पिन का जलवा, आउट होने के बाद बल्लेबाज हुआ हैरान

नॉर्थम्पटन (एजेंसी)। युजवेंद्र चहल काउंटी चैंपियनशिप 2025 में अपनी स्पिन का जलाव एक बार फिर बखेर रहे हैं। उन्होंने बल्लेबाज को क्लीन बोल्ड करके केंट को शुरुआती झटका दिया। इस दौरान बल्लेबाज भी आउट से हैरान हो गया कि ऐसा हुआ कैसे। केंट के 29/2 पर लड़खड़ाने के साथ चहल की प्रतिभा पूरी तरह से देखने को मिली क्योंकि उन्होंने एक गेंद को अंदर की ओर घुमाया, उसे खूबसूरती से डिप किया और फिर उसे तेजी से स्पिन करके ऑफ स्टंप पर मारा, एक ऐसी शानदार गेंद जिसने बल्लेबाज को हैरान कर दिया और दर्शकों को आश्चर्यचकित कर दिया। लगातार दूसरे सीजन में नॉर्थम्पटनशायर के साथ वापसी करते हुए चहल का प्रभाव तुरंत ही दिखने लगा है। उम्मीद है कि वह सीजन के अंत तक रेड और व्हाइट बॉल दोनों प्रारूपों में नॉर्थेंट्स के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। पिछले साल चहल ने डर्बीशायर के खिलाफ अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 9/99 की गेंदबाजी करके सुर्खियां बटोरी थीं और ऐसा लगता है कि वे पहले से ही इस रिकॉर्ड को तोड़ने के इरादे से खेल रहे हैं। पिछले साल चहल ने सिर्फ चार प्रथम श्रेणी मैचों में 21 की औसत से 19 विकेट लिए जिससे वे चैंपियनशिप के सबसे बेहतरीन गेंदबाजों में से एक बन गए। उनके मैच जीतने वाले स्पेल ने नॉर्थम्पटनशायर को सीजन के आखिर में महत्वपूर्ण जीत दिलाने में मदद की और ड्रेसिंग रूम के हर कोने से उनकी प्रशंसा भी हुई।

सुपरयूनाइटेड रैपिड शतरंज

गुकेश नें प्रज्ञानन्दा को हराया

जाग्रेब , क्रोसिया (एजेंसी)। सुपरयूनाइटेड रैपिड के पहले दिन भारत के विश्व चैंपियन गुकेश डी ने लगातार दो जीत दर्ज करते हुए अच्छी शुरुआत की है । गुकेश को पहले राउंड में पोलैंड के यान डूड़ा से हार का सामना करना पड़ा था और ऐसे में एक बार फिर रैपिड में उनके खेल पर सवाल उठ ही रहे थे की उन्होने लगातार दो बाजियों में पहले फ्रांस के अलीरेजा को सफ़ेद मोहरो से और फिर हमवतन प्रज्ञानन्दा को काले मोहरो से पराजित करते हुए शानदार वापसी की । गुकेश नें इन दोनों खेल में समय और आक्रामक शतरंज दोनों का उपयुक्त तालमेल दिखाया और यह जताया की वह इस फॉर्मेट में भी लगातार खुद को बेहतर कर रहे है ।

गिल-जडेजा की शानदार साझेदारी के चलते भारत सम्मानजनक स्कोर की ओर

5 विकेट पर भारत 400 के पार, कप्तान शुभमन गिल का शानदार 157 रन

बर्मिंघम (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरा टेस्ट बर्मिंघम के एजबेस्टन स्टेडियम में खेला जा रहा है। गुरुवार को मैच का दूसरा दिन है और पहला सेशन जारी था।

भारत ने पहली पारी में 5 विकेट पर 400 रन बना लिए हैं। कप्तान शुभमन गिल और रवींद्र जडेजा नाबाद हैं। दोनों 150+ की साझेदारी कर चुके हैं। जडेजा फिफ्टी और गिल सेंचुरी बना चुके हैं।

भारतीय टीम ने 310/5 के स्कोर से खेलना शुरू किया। गिल ने 153 और जडेजा ने 72 रन बना लिए थे। बुधवार को यशस्वी जायसवाल ने 87 रन बनाए थे। क्रिस वोक्स को 2 विकेट मिले थे।

भारतीय टीम ने पहली पारी में 380 रन का आंकड़ा हासिल कर लिया है। 95वां ओवर डाल रहे शोएब बशीर की 5वीं बॉल पर गिल ने एक रन लिया और स्कोर 380 रन पहुंचा दिया था।

जडेजा ने स्टोक्स के ओवर में लगातार दो चौके मारे

रवींद्र जडेजा ने 92वां ओवर डाल रहे बेन स्टोक्स के ओवर में लगातार दो चौके मारे। उन्होंने इंग्लिश कप्तान की पहली बॉल पर कवर में चौका लगाया। फिर दूसरी पर कट करके बैकवर्ड पॉइंट से बाउंड्री निकाली। इस ओवर से 8 रन आए।

कप्तान गिल ने दिन की पहली बॉल पर एक रन लेकर रवींद्र जडेजा के साथ शतकीय साझेदारी पूरी की। टीम इंडिया ने 211 के स्कोर पर 5वां विकेट गंवाया था। तब क्रिस वोक्स ने नीतीश कुमार रेड्डी को बोल्ड कर दिया था।

रवींद्र जडेजा ने एजबेस्टन टेस्ट में लगाया अर्धशतक, कोहली और धोनी के खास क्लब में हुए शामिल

दिग्गज भारतीय ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा एजबेस्टन में इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में कड़ी मेहनत से अर्धशतक बनाकर विराट कोहली और एमएस धोनी के क्लब में शामिल हो गए। बाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने प्रतिष्ठित इंग्लिश स्थल पर संयुक्त रूप से दूसरे सबसे अधिक पचास से अधिक स्कोर बनाने वाले भारतीय खिलाड़ी बनने का रिकॉर्ड बनाया। भारत द्वारा ऋषभ पंत और नितीश कुमार रेड्डी के महत्वपूर्ण विकेट जल्दी-जल्दी गंवाने के बाद रवींद्र जडेजा ने कप्तान शुभमन गिल के साथ मिलकर पारी को संभाला। दोनों ने 6 विकेट के लिए शानदार शतकीय साझेदारी की जिससे भारत ने शानदार वापसी की। जब गिल ने एक और टेस्ट शतक बनाया, तो जडेजा ने दूसरे दिन पहले सत्र में शानदार अर्धशतक पूरा किया। इस तरह वह बर्मिंघम में सबसे अधिक पचास से अधिक स्कोर बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की सूची में पूर्व कप्तान एमएस धोनी और विराट कोहली के साथ शामिल हो गए। लिटिल मास्टर सुनील गावस्कर इस सूची में पहले स्थान पर हैं जिन्होंने एजबेस्टन में टेस्ट मैचों में तीन अर्धशतक लगाए हैं। धोनी, जडेजा, कोहली, पंत और विश्वनाथ ने बर्मिंघम में दो बार पचास या उससे ज़्यादा रन बनाए हैं। दिलचस्प बात यह है कि जडेजा उन कुछ भारतीय बल्लेबाजों में से एक हैं जिन्होंने एजबेस्टन में टेस्ट शतक बनाया है। अगर वह अपने अर्धशतक को शतक में बदल देते हैं, तो यह ऑलराउंडर ऐतिहासिक स्थल पर दो टेस्ट शतक लगाने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर बन जाएंगे।

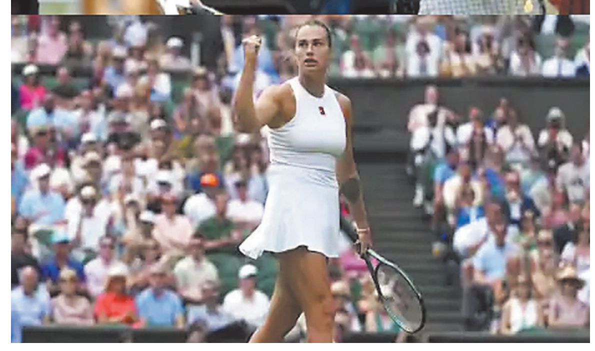

विंबलडन 2025 में अल्काराज का विजयी अभियान जारी

स्पेन (एजेंसी)। स्पेन के कार्लोस अल्काराज ने विंबलडन के दूसरे राउंड में ग्रेट ब्रिटेन के ओलिवर टार्वेट को 6-1, 6-4, 6-4 से हराया।

विंबलडन 2025 के तीसरे दिन कार्लोस अल्काराज ने ब्रिटिश एमेच्योर खिलाड़ी ऑलिवर टारवेट को सीधे सेटों में 6-1, 6-4, 6-4 से हराकर तीसरे राउंड में जगह बना ली है।

डिफेंडिंग चैंपियन अल्काराज ने वर्ल्ड रैंकिंग 733वें नंबर के टारवेट को सिर्फ दो घंटे 17 मिनट में हरा दिया। अल्काराज ने लगातार 20 मैच जीते हैं, जिसमें रोम मास्टर्स, फ्रेंच ओपन और क्वींस क्लब के खिताब शामिल हैं।

अल्काराज का टारगेट लगातार तीसरा विंबलडन खिताब जीतना है। ब्योर्न बोर्ग, पीट सम्प्रास, रोजर फेडरर और नोवाक जोकोविच ओपन एरा में लगातार तीन विंबलडन खिताब जीत चुके हैं।

रोजर फेडरर ने सबसे ज्यादा 8 बार विंबलडन खिताब अपने नाम किया है। उसके बाद 7-7 विंबलडन खिताब जीतने का कारनामा पीट सम्प्रास और नोवाक जोकोविच कर चुके हैं।वहीं, विमेंस सिंगल्स में आर्यना सबालेंका ने 48वीं रैंक की मैरी बौजकोवा को 7-6 (7/4), 6-4 को हराकर अगले दौर में जगह बनाई। 95 मिनट तक चले मुकाबले में सबालेंका ने 41 विनर लगाए।

डीपीएल की नीलामी से पहले पुरानी दिल्ली 6 ने उठाया बड़ा कदम, ऋषभ पंत को किया रिटेन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) के 2024 संस्करण के सेमीफाइनलिस्ट पुरानी दिल्ली 6 ने आधिकारिक तौर पर स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत को आगामी सीजन के लिए रिटेन करने की घोषणा की है। पंत को मार्की खिलाड़ी के रूप में रिटेन किया गया है। पुरानी दिल्ली 6 ने डीपीएल 2024 में अच्छा प्रदर्शन किया, पूरे लीग चरण में ठोस प्रदर्शन किया। हालांकि दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थितियों में उनका सफर छोटा हो गया क्योंकि सेमीफाइनल मुकाबला बारिश के कारण रद्द कर दिया गया।

पंत के टीम में बने रहने से उम्मीद है कि टीम 2025 सीजन में और अधिक प्रतिस्पर्धी इकाई बनाएगी। पंत के बारे में बात करते हुए पुरानी दिल्ली 6 के मालिक आकाश नांगिया ने कहा, 'ऋषभ पंत न केवल विश्व स्तरीय क्रिकेटर हैं, बल्कि पुरानी दिल्ली 6 की धड़कन भी हैं। उनका नेतृत्व, अनुभव और प्रतिभा हमें बढ़त दिलाती है। हम उनके ईद-गिर्द एक मजबूत टीम बना रहे हैं और हमें इस साल जीत का पूरा भरोसा है।

अपनी खुशी जाहिर करते हुए पंत ने कहा, 'डीपीएल युवा प्रतिभाओं को अपना हुनर दिखाने के लिए एक बेहतरीन मंच प्रदान करता है और इस लीग को सफलतापूर्वक आयोजित करने का श्रेय रोहन जेटली और डीडीसीए को जाता है। छक्क द्वारा प्रदान किए गए अवसरों के माध्यम से देश भर के कई खिलाड़ी उभरे और विकसित हुए हैं, जैसे कि दिग्वेश राठी, प्रियांश आर्य और अन्य।

उन्होंने कहा, 'पुरानी दिल्ली 6 वास्तव में घर जैसा लगता है, दिल्ली के प्रशंसकों की जीवंत ऊर्जा और जीतने की बेजोड़ भूख से भरपूर। पिछले साल एक आशाजनक सीजन के बाद, सफल होने का हमारा दृढ़ संकल्प और भी बढ़ गया है और हम इस साल और भी मजबूती से वापसी करने के लिए आशावादी हैं। इस बीच दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ ने आधिकारिक तौर पर दिल्ली प्रीमियर लीग में दो नई पुरुष फ्रेंचाइज को शामिल करने की घोषणा की है। बाहरी दिल्ली और नई दिल्ली फ्रेंचाइजी 2025 सीजन में पदार्पण करेंगी, जिससे लीग में छह से बढ़कर 8 टीमें होंगी। आगामी सीजन के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 6 जुलाई (पुरुष) और 7 जुलाई (महिला) को राष्ट्रीय राजधानी में होने वाली है क्योंकि डीपीएल लैंगिक-समावेशी क्रिकेट के लिए अपनी मजबूत प्रतिबद्धता जारी रखे हुए है।

13 छक्के अश्विन ने 48 गेंदों पर मचाया

सबसे बड़ी पारी खेलकर टीम को टीएनपीएल के क्वालिफायर 2...

नई दिल्ली, एजेंसी। वाह भाई वाह. मान गए अश्विन. निभा दी टीएनपीएल 2025 में अपनी टीम डिंडीगुल के लिए सबसे बड़ी भूमिका. ये हुई ना कप्तानों वाली बात. कहते हैं जब मंच बड़ा होता है, तभी परफॉर्मेन्स देने का भी मजा होता है. अश्विन ने भी उसी बड़े मंच का फायदा उठाया है. टीएनपीएल 2025 के एलिमिनेटर मैच जैसे बड़े मौके पर कप्तान होने के नाते उन्होंने अपनी टीम को वाकई फ्रंट से लीड किया है. जब पहले उन्होंने ऐसे गेंद से किया तो हैरानी नहीं हुई क्योंकि उसके तो वो मास्टर हैं ही. लेकिन जो बल्ले से उन्होंने तूफान मचाया, उस देखकर भइया सचमें मजा आ गया.

बल्ले से पहले अश्विन ने गेंद से बरपाया कहर - अश्विन ने टीएनपीएल 2025 में अपनी सबसे बड़ी पारी खेली है. वो भी सिर्फ 48 गेंदों का सामना करते हुए. हालांकि, इस पारी की बात करें उससे पहले जरा अश्विन के गेंद से मचाए गदर के बारे में जान लीजिए. टीएनपीएल 2025 में 2 जुलाई को डिंडीगुल और चोलाज के बीच एलिमिनेटर मैच खेला गया. इस मैच में ट्रिची ग्रैंड चोलाज ने पहले बैटिंग की. मगर वो 20 ओवर में 150 रन का आंकड़ा भी पार नहीं कर सके. ऐसा इसलिए क्योंकि अश्विन की कमान में डिंडीगुल के गेंदबाजों ने उन पर नकेल कसे रखी. चोलाज ने 20 ओवर में 9 विकेट पर सिर्फ 140 रन बनाए. इन 9 विकेटों में 3 विकेट अकेले कप्तान अश्विन के रहे. उन्होंने 4 ओवर में 28 रन देते हुए ये 3 विकेट लिए और मैच में अपनी टीम के सबसे सफल गेंदबाज रहे. टीएनपीएल 2025 में अश्विन का ये दूसरा बेस्ट बॉलिंग फीगर है. इससे पहले वो 22 रन देकर भी 3 विकेट ले चुके हैं.

13 छक्के बल्ले से 48 गेंदों में मचाया तूफान - अब मैच बड़ा था. मामला एलिमिनेट होने या फिर फाइनल की ओर कदम बढ़ाने से जुड़ा था. तो ऐसे में भला अश्विन सिर्फ गेंद से कहर बरपाकर कहां मानने वाले थे. ऐसे में जब 141 रन का लक्ष्य मिला तो उसे चेज करने के दौरान अश्विन ने अपने बल्ले का जौहर भी खूब दिखाया. अश्विन ने डिंडीगुल के लिए पारी की शुरुआत की और सिर्फ 48 गेंदों में ही इतने रन ठोक दिए कि ये इनिंग टीएनपीएल 2025 में उनकी सबसे बड़ी पारी की वजह बन गई.

घर की इस दिशा में लगाकर देखें क्रासुला का पौधा

दोगुनी तेजी से होगी तरक्की, घर से गरीबी होगी दूर

क्रासुला के पौधे को सौभाग्य और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। इसे घर में सही स्थान पर रखने से कुबेरजी की कृपा बरसती है और धन-दौलत में वृद्धि होने लगती है। लेकिन इसका पूर्ण लाभ प्राप्त करने के लिए प्लांट को वास्तुशास्त्र के अनुसार सही दिशा में लगाना बहुत जरूरी होता है। साथ ही, इससे जुड़े वास्तु नियमों का भी ख्याल अवश्य रखना चाहिए। ऐसा करने से जातक के घर से गरीबी दूर होने लगती है और जीवन में तरक्की हासिल होती है।वास्तुशास्त्र और हिंदू धर्म में क्रासुला के पौधे की विशेष मान्यता होती है। कहा जाता है कि इस पौधे को घर में लगाने से स्वामी कुबेरजी की विशेष कृपा प्राप्त होती है और जीवन की कई समस्याओं से निजात मिल सकती है। क्रासुला के पौधे को सौभाग्य, समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक भी माना जाता है। ऐसे में इस घर में लगाना बहुत फलदायी होता है, जिसे अंग्रेजी में मनी ट्री के नाम से भी जाना जाता है। इसके पीछे की वजह है कि यह प्लांट धन-दौलत में भी वृद्धि करता है। लेकिन वास्तुशास्त्र के अनुसार इसे सही दिशा में लगाना बेहद जरूरी होता है। अगर क्रासुला का पौधा गलत दिशा या स्थान पर लगा हो, तो इससे शुभ की बजाए अशुभ फल की प्राप्ति हो सकती है। ऐसे में आइए विस्तार से जानते हैं क्रासुला का पौधा घर में लगाने की उत्तम दिशा और इससे जुड़े महत्वपूर्ण वास्तु नियम..

क्रासुला का पौधा सही दिशा में लगाने के लाभ

वास्तुशास्त्र के अनुसार, अगर क्रासुला के पौधे को घर में सही दिशा में लगाया जाए तो इससे घर से नकारात्मक ऊर्जा दूर होने लगती है। साथ ही, सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है। मान्यता है कि इस पौधे को घर में लगाने से जातक को आर्थिक तंगी से निजात मिल सकती है और धन-दौलत में दोगुनी वृद्धि होने लगती है। अगर आप वास्तु के सभी नियमों का ख्याल रखते हुए क्रासुला का पौधा घर में लगाते हैं, तो इससे गरीबी दूर होती है और परिवार के सदस्यों की किस्मत भी चमक सकती है। माना जाता है कि इससे घर का माहौल खुशनुमा और शांति पूर्ण बना रहता है। साथ ही, परिवार के बीच चल रहे मनमुटाव भी इससे दूर होने लगते हैं और घर में सौभाग्य का आगमन होता है। इस पौधे को सही दिशा में लगाने से आपको वास्तु दोष से भी निजात मिल सकती है।

क्रासुला का पौधा घर में इस दिशा में लगाएं

यह पौधा आपके जीवन से धन की कमी को दूर कर सकता है, लेकिन इसके लिए क्रासुला प्लांट को सही दिशा में लगाना बेहद महत्वपूर्ण होता है। वास्तु के अनुसार, क्रासुला के पौधे को घर में हमेशा उत्तर दिशा में लगाना चाहिए। इसके अलावा, आप उत्तर-पूर्व दिशा में भी इसे रख सकते हैं। इन दिशाओं को मनी ट्री लगाने के लिए सबसे उत्तम माना जाता है। ऐसा करने से परिवार के सदस्यों के जीवन से नकारात्मकता समाप्त होने लगती है और सभी पर भगवान कुबेर की कृपा बनी रहती है। इस पौधे को सही दिशा में लगाने से आपका भाग्य बदल सकता है और करियर में भी उन्नति हासिल होती है।

घर में भूलकर भी न रखें ऐसा क्रासुला का पौधा

वास्तुशास्त्र के अनुसार, घर में क्रासुला का पौधा लगाना बहुत शुभ होता है। लेकिन भूलकर भी ऐसा प्लांट घर में नहीं रखना चाहिए जो पूरी तरह सूख गया हो, या उसकी पत्तियां गल गई हों। ऐसा क्रासुला का पौधा घर में रखने से तनाव बढ़ सकता है। साथ ही, जातक को जीवन में समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा, अगर पौधे का विकास रुक गया हो तब भी उसे नहीं रखना चाहिए। ऐसे में आप उसकी ग्रोथ बढ़ाने के लिए कुछ उपाय अवश्य कर सकते हैं। शुभ फल के लिए पौधे का हरा-भरा होना और उसका विकास होते रहना जरूरी होता है।

क्रासुला का पौधा लगाने के विशेष वास्तु नियम

इस पौधे को घर के मेन गेट के दाहिनी तरफ लगाना भी बेहद शुभ माना जाता है। इससे परिवार के सदस्यों को पूर्ण लाभ प्राप्त होता है।

क्रासुला के पौधे को ऐसे स्थान पर रखना चाहिए, जहां इस पर सूर्य की रोशनी भी पड़ती रहे। साथ ही, इस प्लांट की देखभाल करना भी बेहद आवश्यक होता है।वास्तु के अनुसार, क्रासुला के पौधे को घर में ड्रॉइंग रूम या बालकनी में भी रखा जा सकता है। यह आसपास के वातावरण को शुद्ध बनाने में सहायक होता है।

माना जाता है कि क्रासुला के पौधे को घर में कुछ स्थानों पर रखना वर्जित होता है। इसे गलती से भी टॉयलेट, बाथरूम या किचन के पास नहीं रखना चाहिए।

धन में वृद्धि और सफलता प्राप्त करने के लिए क्रासुला का पौधा हरा-भरा होना चाहिए। ऐसे में हफ्ते में 2 से 3 बार इस प्लांट में पानी जरूर देना चाहिए और गमले में जल निकासी की जगह भी जरूर बनाएं।

कुंडली में कमजोर गुरु के लक्षण और प्रभाव, गुरु ग्रह कैसे मजबूत करें

कुंडली में गुरु ग्रह के कमजोर होने की स्थिति में शिक्षा और आर्थिक मामलों में बाधाएं आती हैं, जिससे जातक को निर्णय लेने में कठिनाई होती है। अगर गुरु ग्रह मजबूत हो तो जातक को बुद्धि और भाग्य दोनों का भरपूर साथ मिलता है। इसके साथ ही उसकी तार्किक क्षमता भी मजबूत होती है। ऐसे में आइये जानते हैं कि कुंडली में कमजोर गुरु के लक्षण और प्रभाव क्या हैं, और उसे कैसे मजबूत करें। गुरु ग्रह कमजोर अवस्था में है तो जातक को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। खासकर उसकी पढ़ाई में दिक्कतें होती हैं। आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। यही नहीं व्यक्ति में भ्रम की स्थिति बनी रहती है और वह निर्णय लेने में कठिनाई का सामना करता है। कुंडली में कमजोर गुरु ग्रह को मजबूत करने के लिए कुछ उपाय भी बताए गए हैं। ऐसे में आइये जानते हैं, कुंडली में गुरु की ग्रह कमजोर और मजबूत हो तो किस प्रकार के प्रभाव देखने को मिलते हैं और गुरु को बलवान बनाने के लिए क्या उपाय किए जाने चाहिए।

मजबूत गुरु का असर

गुरु ग्रह शिक्षा के कारक हैं और उनकी मजबूत स्थिति से जातक को शिक्षा, उच्च शिक्षा में फायदा मिलता है। बुद्धि और भाग्य आदि का साथ मिलता है। गुरु सबसे अधिक फायदा देने वाले ग्रहों में से एक हैं। धनु और मीन राशि के स्वामी ग्रह गुरु की नीच राशि मकर है और गुरु की वजह से व्यक्ति की तार्किक क्षमता में इजाफा होता है। हालांकि शनि और केतु के साथ गुरु के संबंध अच्छे नहीं माने जाते हैं।

कमजोर गुरु के प्रभाव

किसी की कुंडली में गुरु कमजोर स्थिति में हो तो उसे आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा ऐसे जातक में आत्मविश्वास की कमी होती है। व्यक्ति को फैसले लेने में भ्रम की स्थिति का सामना करना पड़ता है। यही नहीं कुंडली में गुरु कमजोर हों तो व्यक्ति चाहकर भी सभी चीजों का सुख नहीं भोग पाता है। संकट की स्थिति में उसे मदद नहीं मिल पाती है। एकाग्रता की कमी होती है। संपत्ति से जुड़े विवाद का सामना करना पड़ सकता है। व्यक्ति नैतिक और आध्यात्मिक रूप से भ्रष्ट होता है।

क्या कहते आपके सितारे

मेष आज का दिन आपके लिए भागदौड़ से भरा रहने वाला है।आप कुछ बेवजह के कामों को लेकर भी परेशान रहेंगे।आप माता-पिता की सेवा के लिए भी कुछ समय निकालेंगे।आपको उनकी सेहत पर भी पूरा ध्यान देना होगा।आपको किसी दूर रह रहे परिजन की याद सता सकती हैं।आपके साथ बिजनेस में कोई धोखा होने की संभावना है, इसलिए आप अपने आंख और कान खुले रखें।आप किसी दूसरे के मामले में बेवजह बोलने से बचें।

वृषभ आज का दिन आपके लिए कार्यक्षेत्र में बढ़िया रहने वाला है। आपके दिए गए सुझावों का स्वागत होगा और आपकी कोई अटकी डील फाइनल हो सकती है, लेकिन आप जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करें और उनसे कोई ऐसी बात ना बोले, जो कि उन्हें बुरी लगे। आप अपने रहने सहन के स्तर में सुधार लाएंगे और अपने घर के रिनोवेशन का काम भी शुरू कर सकते हैं, जिसके लिए आप कोई लोन भी अप्लाई करने की सोचेंगे।

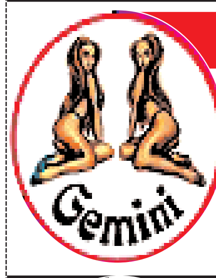

मिथुन आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आप किसी सामाजिक आयोजन में सम्मिलित हो सकते हैं।आपकी धार्मिक कामों में भी काफी रुचि रहेगी, लेकिन आप किसी नए काम की शुरुआत करें, तो उसके लिए आप पूरी लिखा पढ़ी करके आगे बढ़ना होगा। आपको आज भाई-बहनों का पूरा साथ मिलेगा। आपके धन-धान्य में वृद्धि होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा।

कर्क आज का दिन आपके लिए वाणी और व्यवहार में बदलाव लाने के लिए रहेगा। आपके मनमौजी कामों से आपके सहयोगी भी परेशान रहेंगे। आप बेवजह किसी किसी से न उलझें, नहीं तो इससे लड़ाई-झगड़े की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। संतान के मन में चल रही उलझनों को आपको जानने की कोशिश करनी होगी। आप कोई फैसला उन पर ना डालें, आपको सिरदर्द और बदनदर्द आदि जैसी समस्याएं परेशान कर सकती हैं।

सिंह आज का दिन आपके लिए धैर्य और साहस से काम लेने के लिए रहेगा। अविवाहित जातकों के जीवन में किसी नए मेहमान की दस्तक हो सकती है। आपका कोई पुराना लेनदेन चुकता हो सकता है। यदि आपने किसी से कोई कर्ज लिया था, तो उसे भी आप काफी हद तक उतार सकते हैं। आपको अपने आप पड़ोस में किसी वाद-विवाद की स्थिति से बचने की आवश्यकता है। घूमने-फिरने के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी।

कन्या आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आपका कुछ नया करने की कोशिश रंग लाएगी। आप अपने बिजनेस में कुछ नए उपकरणों को शामिल कर सकते हैं। पार्टनरशिप आप थोड़ा देखभाल कर ही करें। आप संतान के लिए कोई लैपटॉप और मोबाइल की खरीदारी कर सकते हैं। आपका कोई पुराना प्यार वापस आ सकता है, जिससे आपके गृहस्थ जीवन में मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

तुला आज का दिन आपके लिए समस्याओं से भरा रहने वाला है। आपको अपने धन को लेकर योजना बनाकर चलना होगा। आपकी किसी बात से आज माताजी परेशान रहेंगी। आपको किसी पुराने लेनदेन से छुटकारा मिलेगा। वाहनों के प्रयोग से आपको थोड़ा सावधान रहना होगा, क्योंकि वाहन की अकस्मात खराबी के कारण आपकी समस्याएं बढ़ सकती हैं। आज आप सोच समझकर कामों को पूरा करेंगे, लेकिन उस पर आपका खर्चा भी अधिक होगा।

वृश्चिक आज का दिन आपके मान-सम्मान में वृद्धि लेकर आने वाला है। ससुराल पक्ष की किसी व्यक्ति से यदि कोई वाद-विवाद की स्थिति उत्पन्न हो, तो आप उसमें चुप रहेंगे। आपको किसी काम को लेकर अपने पिताजी से सलाह लेनी पड़ सकती हैं। आप अपनी जिम्मेदारियों से बिल्कुल पीछे ना हटें। आपके परिवार में सदस्यों में एकजुटता बनी रहेगी और किसी मांगलिक उत्सव की तैयारी भी शुरू हो सकती है। नौकरी के लिए कोई सदस्य घर से दूर जा सकता है।

धनु आज का दिन आपके लिए समस्याओं से छुटकारा दिलाने वाला रहेगा। आप किसी गलत इन्वेस्टमेंट को करने से बच सकते हैं। प्रॉपर्टी में थोड़ा सोच समझकर ही हाथ बढ़ाएं, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। नौकरी में कार्यरत लोगों को मनपसंद काम मिलने से उनके कुछ विरोधी हो सकते हैं, जो उनके बॉस से चुगली लगा सकते हैं, आपको अपनी वाणी पर थोड़ा संयम रखना होगा। परिवार में किसी नए मेहमान का आगमन हो सकता है।

मकर आज का दिन आपके लिए मौज-मस्ती से भरा रहने वाला है। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। अविवाहित जातकों के जीवन में किसी नए मेहमान की दस्तक हो सकती है। आपको अपने कामों को लेकर धैर्य और संयम बनाए रखना होगा। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है। आपको किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा। आपके धन-धान्य में वृद्धि होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा।

कुंभ आज का दिन आपके लिए उलझनों से भरा रहने वाला है। आपको अपने किसी लिए गए निर्णय के लिए पछतावा हो सकता है। शेयर मार्केट में आप थोड़ा सोच समझकर इन्वेस्टमेंट करें, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। आपकी दीर्घकालीन योजनाओं को गति मिलेगी। आप अपनी नौकरी में मन मुताबिक काम ना मिलने से थोड़ा परेशान रहेंगे। किसी दूसरी नौकरी के लिए आप ट्राई कर सकते हैं। राजनीति में कार्यरत लोगों को थोड़ा समझदारी दिखाते हुए कामों को करना होगा और आप किसी अजनबी पर भरोसा बिल्कुल ना करें।

मीन आज का दिन आपके लिए उन्नति की राह पर आगे बढ़ने के लिए रहेगा। आपको परिवार के सदस्यों का पूरा साथ मिलेगा। जीवनसाथी की सलाह आपके लिए कारगर सिद्ध होगी। यदि किसी काम को लेकर आपके मन में संशय चल रहा है, तो आप उस काम में बिल्कुल आगे न बढ़ें। जो विद्यार्थी पढ़ाई-लिखाई को लेकर परेशान चल रहे हैं, उन्हें अपने गुरुजनों का पूरा साथ मिलेगा। आपका कोई लंबे समय से रुका हुआ काम पूरा होने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है।

गुरु के उपाय

गुरुवार को व्रत रखकर भगवान विष्णु की विधि विधान से पूजा करें। गुरुवार को पीली वस्तुओं, वस्त्रों का दान करें। रक्तदान करें। नियमित रूप से गुरु के मंत्र ऊं ग्रां ग्रीं ग्रौं सः गुरवे नमः या ऊं बृं बृहस्पतये नमः मंत्र का जप करें।केले के पेड़ के नीचे गाय के घी का दीया जलाएं।रिश्तों में ईमानदारी बरतें, किसी तीसरे पर नजर न डालें।घर में बृहस्पति यंत्र को स्थापित करें और बृहस्पति से जुड़े मंत्रों और स्तोत्र का पाठ करें।गुरुजनों, शिक्षकों, ब्राह्मणों का सम्मान करें।गोशाला में जाकर गायों की सेवा करें। किसी ज्योतिष से सलाह लेने के बाद पुखराज रत्न का धारण कर सकते हैं।

नूंह जिले के 115 गांवों को मॉडल गांव बनाने की योजना

नूंह, एजेंसी। हरियाणा के नूंह जिले के निवासियों के लिए गुड न्यूज है। जल्द ही यहां के गांवों का कायाकल्प होने वाला है। नूंह जिला प्रशासन ने जिले के 115 गांवों को मॉडल गांव के रूप में विकसित करने की योजना बनाई है। इस कदम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और समग्र विकास को बढ़ावा देना है।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद प्रदीप अहलावत ने बताया कि इन गांवों में घर-घर से सूखा और गीला कचरा अलग-अलग एकत्र करने की व्यवस्था होगी। प्रत्येक घर को दो रंगों की डस्टबिन (हरी और नीली) दी जाएगी। पंचायत स्तर पर निगरानी समिति बनाई जाएगी और कचरा संग्रहण के लिए विशेष वाहन की व्यवस्था होगी। इसके अलावा, कंपोस्ट खाद बनाने के लिए माइक्रो लेवल पर प्रबंधन केंद्र बनाए जाएंगे।

ग्रामीणों को गांवों और घरों के आसपास साफ-सफाई बनाए रखने और स्वच्छता के प्रति जागरूक करने

के लिए नियमित कैंप और रैलियों का आयोजन किया जाएगा। यह पहल स्वच्छ भारत मिशन को जमीनी स्तर पर सशक्त बनाएगी। हर घर में अलग-अलग डस्टबिन भी दिए जाएंगे।

नूंह जिले में सड़कों के सुधारीकरण का काम चल रहा = **रणबीर गंगवा** वार्ता के अनुसार, हरियाणा के लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने सोमवार 30 जून को कहा कि नूंह जिले में इस समय करीब 106 किलोमीटर लंबाई में विभिन्न सड़कों के सुधारीकरण का काम चल रहा है। साथ ही करीब 525 किलोमीटर लंबाई में विभिन्न सड़कों के कामों की अप्रूवल मिल गई है, जिनका कार्य जल्द ही शुरू हो जाएगा। उन्होंने बताया कि इस साल के अंत तक जिला नूंह की सभी सड़कों को सुधारने का काम पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने लोक निर्माण विभाग (बी एंड आर) के अधिकारियों से जिला में चल रहे विकास कार्यों की जानकारी ली और सभी कामों को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अच्छी सड़कों से न केवल यातायात व्यवस्था बेहतर होती है, बल्कि यह आर्थिक और सामाजिक विकास का भी एक अहम आधार बनती हैं। सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि सभी सड़कों का निर्माण तय समय सीमा में पूर्ण हो और निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। गुणवत्तापूर्ण सड़कों से आमजन का सफर सुगम और बेहतर होगा, साथ ही ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच कनेक्टिविटी मजबूत होगी।

अब तो माफी मांग लें देवेंद्र फडणवीस और एकनाथ शिंदे: सांसद संजय राउत

मुंबई, एजेंसी। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के सांसद संजय राउत ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उनके डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे से माफी की मांग की है। उन्होंने यह माफी ठाकरे परिवार से मांगने के लिए कहा है। दिशा सालियन मौत मामले में मुंबई पुलिस की विशेष जांच टीम (एसआईटी) के द्वारा हत्या या किसी साजिश की संभावना को सिरे से खारिज करते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट में रिपोर्ट दाखिल करने के बाद आया है। एसआईटी की इस रिपोर्ट के बाद शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने बीजेपी नेताओं पर जोरदार हमला बोला है और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से आदित्य ठाकरे से माफी मांगने की मांग की है। संजय राउत ने कहा, अब महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को आदित्य ठाकरे से माफी मांगनी चाहिए। नारायण राणे के बेटे नितेश राणे, फडणवीस, बीजेपी के अन्य नेता, एकनाथ शिंदे सभी को आदित्य ठाकरे और शिवसेना से सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। संजय राउत का आरोप है कि इन नेताओं ने दिशा सालियन की मौत वाले मामले में जानबूझकर आदित्य ठाकरे का नाम उछालकर चरित्र हनन किया। एसआईटी ने बॉम्बे हाईकोर्ट में दाखिल अपनी रिपोर्ट में कहा है कि दिशा सालियन की मौत एक दुर्घटना थी। गिरने से उनकी मौत हुई थी। जांच में किसी प्रकार की साजिश या आपराधिक गतिविधि के संकेत नहीं मिले हैं। जांच के दौरान सभी गवाहों के बयान, फॉरेंसिक रिपोर्ट और मोबाइल डेटा की जांच की गई है। दिशा सालियन दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर थीं। 8 जून 2020 को मलाड स्थित इमारत से गिरकर उनकी मौत हो गई थी। उस समय बीजेपी नेताओं ने दावा किया था कि इस मामले में बड़े नेताओं की संलिप्तता हो सकती है और नाम लेकर आदित्य ठाकरे को निशाना बनाया गया था। अब एसआईटी रिपोर्ट सामने आने के बाद शिवसेना (यूबीटी) बीजेपी को राजनीतिक बदले की भावना से प्रेरित अभियान चलाने का दोषी ठहरा रही है।

संक्षिप्त समाचार

लाउडस्पीकर बैन के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंची मस्जिदों की कमेटी

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में मस्जिदों में अजान के लिए लगाए गए लाउडस्पीकर हटाए जाने के खिलाफ मुस्लिम पक्षों ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। इस मामले पर अब बॉम्बे हाईकोर्ट ने राज्य सरकार, मुंबई पुलिस और महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से जवाब मांगा है। जस्टिस रवींद्र वी घुगे और जस्टिस एमएम सत्ये की पीठ ने महाराष्ट्र सरकार और अन्य को नोटिस जारी किया कर कोर्ट को 9 जुलाई तक अपना जवाब देने को कहा है। इससे पहले मुंबई में कई मस्जिदों, दरगाहों और धार्मिक स्थलों का प्रबंधन करने वाली अंजुमन इत्तेहाद ओ तरक्की मदीना जामा मस्जिद और अन्य द्वारा दायर याचिका में आरोप लगाया गया है कि पुलिस की कार्रवाई मनमानी थी और मुस्लिम संस्थानों को टारगेट किया जा रहा है। याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया कि इस साल अप्रैल से ही पुलिस ने मनमाने तरीके से एक्शन लिया है। याचिका के मुताबिक ध्वनि प्रदूषण नियम 2000 के कथित उल्लंघन का हवाला देते हुए कई मस्जिदों और दरगाहों को नोटिस जारी किए गए थे। हालांकि नोटिस में उल्लंघन को लेकर कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी गई थी। याचिका में दावा किया गया है कि पुलिस मस्जिदों और दरगाहों को चुनिंदा तरीके से निशाना बना रही है और इससे इबादत करने वाले लोग प्रभावित हो रहे हैं। याचिका में आरोप लगाया गया है, पुलिस की पूरी कार्रवाई मुस्लिम समुदाय के खिलाफ है और भेदभाव का नतीजा है। यह मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। याचिका में आरोप लगाया गया कि पुलिस निहित राजनीतिक हितों के इशारे पर काम कर रही है। याचिका में यह भी कहा गया है कि अजान इस्लाम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और मुंबई जैसे शहर में लोगों को नमाज के लिए बुलाने के लिए लाउडस्पीकर का इस्तेमाल जरूरी है।

केंद्र का केरल के प्रति नकारात्मक रुख बरकरार- मुख्यमंत्री

तिरूअनंतपुरम, एजेंसी। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार का केरल के प्रति नकारात्मक रुख जारी है और उसने ओणम त्योहार के लिए अतिरिक्त चावल आवंटन की राज्य की मांग को खारिज कर दिया है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच फेसबुक पर एक 'पोस्ट' साझा कर सभी राजनीतिक दलों से एकजुट होकर केंद्र सरकार के कथित केरल विरोधी रुख का विरोध करने का आह्वान किया है।उन्होंने कहा कि केरल की मांग है कि गैर-प्राथमिकता वाले परिवारों को प्रति कार्ड पांच किलोग्राम चावल 8.30 रुपये की दर से उपलब्ध कराया जाए, जो वर्तमान में राज्य को अतिरिक्त आवंटन के रूप में उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने यह भी मांग की है कि गेहूं का आवंटन बहाल किया जाए, जो दो साल पहले तक अतिरिक्त आवंटन के रूप में दिया जा रहा था। मुख्यमंत्री ने कहा कि ओणम जैसे विशेष अवसरों के दौरान बाजार में चावल की कीमत को बढ़ने से रोकने के लिए गैर-प्राथमिकता वाले वर्गों को यथासंभव खाद्यान्न की उपलब्धता सुनिश्चित करना आवश्यक है। विजयन ने कहा, इसी संदर्भ में राज्य ने गैर-प्राथमिकता वाले वर्गों को अतिरिक्त चावल आवंटन की मांग की है। उन्होंने कहा, गैर प्राथमिकता वाले वर्गों को गेहूं का आवंटन बहाल करने की मांग उठाई गई लेकिन केंद्र सरकार इन मांगों को खारिज कर रही है। ये मांग आम लोगों की मदद के लिए हैं। इस संबंध में दलगत राजनीति से ऊपर उठकर एकजुट विरोध किया जाना चाहिए।

त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा कर सकते हैं मंत्रिमंडल विस्तार

अगरतला, एजेंसी। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा बृहस्पतिवार को अपने मंत्रिमंडल का विस्तार कर सकते हैं। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 2023 के विधानसभा चुनाव में सत्ता पर लौटने के बाद साहा मुख्यमंत्री बने। पिछले साल लोकसभा चुनाव से पहले टिपरा मोथा पार्टी (टीएमपी) के उनकी सरकार में शामिल होने के बाद उन्होंने पार्टी के दो विधायकों को अपने मंत्रिमंडल में शामिल किया। सरकार के एक निमंत्रण पत्र में बुधवार को कहा गया है, ''त्रिपुरा के राज्यपाल द्वारा मंत्री-मंत्रियों के शपथ ग्रहण समारोह के अवसर पर त्रिपुरा सरकार के मुख्य सचिव तीन जुलाई को अपराह्न डेढ़ बजे दरबार हॉल, राजभवन में आपकी उपस्थिति की अपील करते हैं।'' अगरतला में राजभवन में राज्यपाल एन. इंद्रसेन रेड्डी से मुलाकात की थी। हालांकि, बुधवार को पत्रकारों के सवालों के जवाब में उन्होंने संभावित मंत्रिमंडल विस्तार पर बोलने से इनकार कर दिया था।

2 किमी का बचेगा चक्कर, कई सेक्टरों तक फायदा; नोएडा में दो दशक से अधूरी पड़ी सड़क जल्द बनेगी

नोएडा एजेंसी। नोएडा में रहने वालों के लिए राहतभरी खबर है। नोएडा सेक्टर-49 कोतवाली से सीधे सेक्टर-100 वोडा महादेव मंदिर के पास से सेक्टर-99 को जोड़ने वाली सड़क जल्द बनेगी। यह सड़क दो दशक से अधूरी पड़ी है। इसको बनने में अतिक्रमण बाधा है। नोएडा विकास प्राधिकरण इसी सप्ताह अतिक्रमण को हटाकर सड़क बनाने की प्रक्रिया शुरू करेगा।

यह सड़क करीब 20 साल से अधूरी है। यहां 45 मीटर चौड़ी सड़क बनेगी। जमीन न मिलने के चलते यहां पर करीब 65 मीटर की सड़क अधूरी है। इस जमीन पर अभी तक सुप्रीम कोर्ट में किसान और नोएडा प्राधिकरण के बीच विवाद चल रहा था। अब यह केस प्राधिकरण जीत चुका है। ऐसे में अब नोएडा विकास प्राधिकरण ने जमीन पर कब्जा लेने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके बाद यहां सड़क बना दी जाएगी। अभी यहां पर कुछ मकान और झुग्गियां बनी हैं। इसके चलते सड़क नहीं बन पाई थी।

सेक्टर-49 के चौराहे से जाने वाला और सेक्टर-48 और 46 का ट्रैफिक वोडा महादेव मंदिर के पास से बाएं मुड़कर प्रतीक एडिफिस सोसाइटी के सामने सेक्टर-100 ट्रैफिक सिग्नल और आगे फिर स्टर्लिंग मॉल ट्रैफिक सिग्नल होकर निकल रहा है।

अब यह सड़क सीधे सेक्टर-46-100

के बीच से सेक्टर-99 के लिए निकलेगी। वहां पर पहले से 45 मीटर चौड़ी सड़क बनी हुई है। पहले से बनी सड़क में मिलकर बाएं मुड़कर वाहन सीधे सेक्टर-104 ट्रैफिक सिग्नल पर निकलेंगे और वहां से दाहिने मुड़कर सेक्टर-98 हाजीपुर अंडरपास चौराहे पर पहुंच जाएंगे। मौके पर प्राधिकरण को करीब 2925 वर्ग मीटर जमीन सड़क निर्माण के लिए जरूरी होगी। दो किलोमीटर का चक्कर बचेगा : यह सड़क बनने से सेक्टर-49 चौराहे होकर नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे की तरफ जाने वाले हजारों वाहन चालकों का करीब दो किलोमीटर का चक्कर बचेगा। उनको दो ट्रैफिक सिग्नल से छुटकारा मिला जाएगा। इसके अलावा स्ट्रलिंग मॉल और हाजीपुर चौराहे पर ट्रैफिक का दबाव भी कम होगा।

3 साल तक रेप किया, हरियाणी गाने की एक्ट्रेस ने एक्टर उत्तर कुमार पर लगाए गंभीर आरोप

गाजियाबाद, एजेंसी। हरियाणवी और देहाती फिल्मों के एक्टर और प्रड्यूसर उत्तर कुमार के साथ एक गाने से फेमस हुई एक 25 वर्षीय एक्ट्रेस ने उन पर यौन शोषण समेत कई गंभीर आरोप लगाए हैं। एक्ट्रेस के मुताबिक, उत्तर कुमार ने कथित तौर पर फिल्मों में रोल दिलाने और शादी का झांसा देकर उनके साथ यौन उत्पीड़न किया। युवती ने एक वीडियो जारी कर अपनी जान को खतरा बताया है।

नोएडा में रहने वाली एक्ट्रेस की ओर से इस संबंध में उत्तर कुमार के खिलाफ गाजियाबाद के थाना शालीमार गार्डन में लिखित शिकायत दी गई है। पीड़िता ने पुलिस से जल्द कार्रवाई की मांग की है। एक्ट्रेस ने अभिनेता के साथ एक फेमस गाना शूट किया था, जो काफी पॉपुलर हुआ था।

शिकायतकर्ता के मुताबिक, वह करीब पांच साल पहले अभिनेता से मिली थीं। अभिनेता ने उन्हें एक फिल्म में लीड रोल दिलाने की बात कही थी। अगस्त

2022 में अभिनेता ने उन्हें शालीमार गार्डन स्थित अपने ऑफिस में मिलने बुलाकर दोस्ती करने की बात कही। इसके बाद शादी करने की भी बात कही गई। एक्ट्रेस के मुताबिक, यह सिलसिला करीब तीन सालों तक चला, जिसमें कई बार उन्हें प्राइवेट स्थानों पर बुलाकर अभिनेता ने झांसा देकर उनका यौन उत्पीड़न किया। एक्ट्रेस का आरोप है कि न तो उन्हें फिल्म दिलाई और न ही आरोपी ने उनसे शादी की। अभिनेत्री ने एक वीडियो जारी किया है। उनका कहना है कि पुलिस में शिकायत करते ही उन्हें समझौते के लिए फोन आ रहे हैं। समझौता नहीं करने पर धमकी दी जा रही है। पीड़िता वीडियो में कह रही हैं कि उनकी जान को खतरा है और अगर उन्हें कुछ होता है तो अभिनेता ही इसका जिम्मेदार होगा। आजतक की रिपोर्ट के अनुसार, एक्ट्रेस का यह भी आरोप है कि जब उन्होंने अभिनेता उत्तर कुमार से शादी और करियर की बात की तो उन्हें जातिसूचक गालियां देकर अपमान किया गया और फिल्मी करियर खत्म करने की धमकी दी गई। अभिनेत्री का कहना है कि उनके पास कई सबूत और चैट मौजूद हैं, जो वह पुलिस को सौंप चुकी हैं।गाजियाबाद पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेते हुए जांच शुरू कर दी है। एसीपी शालीमार गार्डन अतुल कुमार सिंह ने बताया कि पीड़िता से लिखित शिकायत प्राप्त हुई है। प्रारंभिक स्तर पर जांच शुरू कर दी गई है। प्रकरण 2023 से संबंधित है इसलिए तथ्यों के आधार पर इसकी जांच की जा रही है। अभिनेत्री द्वारा प्रस्तुत किए गए डिजिटल सबूतों की भी जांच की जा रही है। जांच में मिले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई मामले में की जाएगी। वहीं, फिलहाल उत्तर कुमार की ओर से इस पूरे मामले पर अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

स्काईडाइविंग विमान रनवे से फिसला और जंगल में जाकर क्रैश, 15 लोग थे सवार

न्यूयार्क, एजेंसी। अमेरिका के न्यू जर्सी में बुधवार शाम एक हवाईअड्डे पर स्काईडाइविंग विमान रनवे से आगे निकलकर जंगल में जा गिरा, जिससे कम से कम 15 लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। स्काईडाइविंग विमान एक विशेष प्रकार का विमान होता है जिसका उपयोग स्काईडाइविंग गतिविधियों के लिए किया जाता है। संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) के प्रवक्ता के अनुसार फिलाडेल्फिया से लगभग 33.8 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में क्रॉस कीज हवाई अड्डे पर 'सेसना 208बी विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिसमें 15 लोग सवार थे, जिनमें 4 बच्चे भी शामिल थे। इस घटना की जांच की जा रही है।

हवाई क्षेत्र से ली गई तस्वीरों में दुर्घटनाग्रस्त विमान एक जंगल में दिखाई दे रहा है और क्षतिग्रस्त हालत में है। दमकल की गाड़ियां और अन्य आपातकालीन वाहन मौजूद हैं। न्यू जर्सी के कैम्?डन में स्थित 'कूपर यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल की प्रवक्ता वेंडी ए. मारानो ने बताया कि अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में तीन लोगों का उपचार किया जा रहा है जबकि आठ लोगों का इलाज आपातकालीन विभाग में किया जा रहा है जिन्हें कम गंभीर चोटें आई हैं। उन्होंने बताया कि चार अन्य लोगों को ''बेहद मामूली चोटें आई हैं।

प्रिंस विलियम और प्रिंसेस केट मिडलटन के अधिकार बढ़े,रॉयल वारंट जारी करने की मिली शक्ति

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के राजकुमार विलियम और राजकुमारी केट मिडलटन को राजा चार्ल्स ने नए अधिकार और शक्तियां दी हैं। किंग चार्ल्स ने दोनों को रॉयल वारंट जारी करने की शक्ति दी है। शाही परिवार को सामान की आपूर्ति करने वाली और सेवा देने वाली कंपनियों या व्यक्ति विशेष को यह सम्मान दिया जाता है। अभी तक प्रिंस विलियम और केट मिडलटन के पास यह शक्ति नहीं थी। केट मिडलटन को 115 साल के इतिहास में पहली बार मिला ये अधिकार : रॉयल परिवार की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, केट मिडलटन पहली राजकुमारी हैं, जिन्हें 115 साल के इतिहास में पहली बार रॉयल वारंट जारी करने की शक्ति मिली है। केट मिडलटन से पहले क्वीन मैरी के पास ये शक्ति थि। क्वीन मैरी के पति जॉर्ज पंचम 1910 में ब्रिटेन के राजा बने थे। साल 1980 में प्रिंस ऑफ वेल्स रहते हुए किंग चार्ल्स को यह अधिकार मिला था। पत्नी राजकुमारी डायना को यह अधिकार नहीं मिला था। प्रिंस ऑफ वेल्स के निजी सचिव सर इयान पैट्रिक ने भी प्रिंस विलियम और प्रिंसेस केट मिडलटन को रॉयल वारंट जारी करने की शक्ति मिलने की पुष्टि की। अगले साल से होंगे नए वारंट के लिए आवेदन : जिनके पास अभी रॉयल वारंट है, वे इस महीने के अंत तक इसे फिर से रिन्यू कराया जा सकेगा। वहीं जो नए रॉयल वारंट के लिए आवेदन करना चाहते हैं, वे अगले साल की शुरुआत में आवेदन कर सकेंगे। रॉयल वारंट के लिए आवेदन करने वाली कंपनी को पांच या सात साल के लिए शाही परिवार को सेवा प्रदान करनी होती है। रॉयल वारंट एक सम्मान है, जो उन लोगों को दिया जाता है, जो लगातार शाही परिवार की सेवा करते हैं और शाही परिवार को सामान की आपूर्ति करते हैं। अभी 800 वारंट धारक हैं, जिनमें खाद्य उत्पादक, रेस्तरां, टेलर्स, होटल आदि शामिल हैं।

इमरान खान का जेल से विद्रोह का खुला ऐलान, जेल की अंधेरी कोठरी मंजूर लेकिन गुलामी नहीं

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा है कि वह गुलामी स्वीकार करने के बजाय जेल की अंधेरी कोठरी में रहना पसंद करेंगे। खान ने अपनी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे आशूरा के बाद वर्तमान शासन के खिलाफ विद्रोह करें। आशूरा, पैगंबर साहब के पोते इमाम हुसैन की शहादत के शोक में मोहर्रम का 10वां दिन है। इस साल यह दिन छह जुलाई को है। खान ने मंगलवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, मैं पूरे देश, विशेषकर पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के कार्यकर्ताओं और समर्थकों से आग्रह करता हूं कि वे आशूरा के बाद इस अत्याचारी व्यवस्था के खिलाफ उठ खड़े हों।

किराए के लिए ख़ाली है

1-3600 वर्ग फुट कमर्शियल हॉल सेमी फर्निश्ड मेन रोड सेक्टर 10 टी सी काम्प्लेक्स फ़रीदाबाद में।
2-1620 वर्ग फुट ऑफिस सेमी फर्निश्ड मेन रोड टी सी काम्प्लेक्स सेक्टर 10 फ़रीदाबाद में।
3 - टू बेड रूम सेट ग्राउंड फ्लोर वेल फर्निश्ड सेक्टर 7 डी ब्लॉक फरीदाबाद में।
4- वन रूम सेट वेल फर्निश्ड सेकंड फ्लोर सेक्टर 7 डी ब्लॉक फ़रीदाबाद में।
इच्छुक व्यक्ति फ़ोन नंबर 9999446252,,9811157562 पर संपर्क करें।

- सूचना -

फ़रीदाबाद ज़िला में भेदीनज़र समाचारपत्र में अपने समाचार,विज्ञापन देने और अख़बार की कापी प्राप्त करने के लिये सम्पर्क करें -
1-गोपाल न्यूज़ एजेन्सी
अम्बेडकर चौक बल्लभगढ़
मोबाइल नम्बर-9811477 204
2-नरेंद्र बुक्स शाप
मूँगफली चौक ऐन.आई. टी. नम्बर -5 फ़रीदाबाद
मोबाइल नम्बर : 9810229192
3-दीक्षित न्यूज़ एजेन्सी ओल्ड फ़रीदाबाद
मोबाइल-98111 59238

छोटा विज्ञापन बड़ा फायदा
आज ही स्पेस बुक कराएं
कॉल करें
0120-4152063,
9811157 562

नई एवं तरोताजा खबरों के लिए भेदी नजर पढ़िए, समय के साथ चलिए
सुनहरा मौका वार्षिक ग्राहक बनिए और
वीआईपी एल्फा सूटकेस कीमत रु. 900 प्राप्त करिए
भेदी नजर समाचार पत्र के ग्राहक बनें
मात्र 700 रूपये दीजिए और वार्षिक ग्राहक बनने के अलावा तुरंत पाइए
और अन्य आकर्षक उपहार के लिए
बम्पर ड्रा
पहना इनाम

एक हीरो बाईक
दूसरा इनाम

एक सोनी एलसीडी 32 इंच व अन्य आकर्षक ईनाम
तीसरा इनाम

बीस मोबाईल फोन
- कोई भी व्यक्ति एजेंट 500 से अधिक मेंबर बना लेगा तो उसे अलग से उपहार दिया जाएगा।
- ये स्कीम एक जनवरी 2025से 31 दिसम्बर 2025तक चलेगी।
- 31 दिसम्बर 2025 को 1000 सदस्य बनाने पर बम्पर ड्रा निकाला जाएगा जिसमें उपरोक्त इनाम
- हरियाणा के किसी भी मंत्री द्वारा दिए जाएंगे।
- ड्रा बम्पर ड्रा में भेदी नजर के वार्षिक मेम्बर ही भाग ले सकते है।
- भेदी नजर प्रत्येक माह की पहली तारिख को कूपन छापेगा।

आर.एन.आई. नं.
HAR/HIN/2011/43680
प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी एवं संपादक उमा शर्मा द्वारा
उमा पब्लिकेशनस्
प्लाट न. 3/1 टी.सी.सी. कॉम्पलेक्स सेक्टर - 10
फरीदाबाद से प्रकाशित एवं नीलू प्रिंटिंग प्रेस
ई-33 सेक्टर -7 नोएडा से मुद्रित
संपादक
उमा शर्मा
प्रधान संपादक
गिरीश चन्द्र शर्मा
फोन नं. -
011-66304689
0120-4189808
0129-2290152
0129-2267 07 8
0129-2977562
फैक्स नं. -
011-66304690
0129-2297 640
मो. : 9811157 562,
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद होगा।
पीआईबी एक्ट अनुसार सभी विवादित समाचारों की ज़िम्मेदारी समाचार लेखक की होगी भेदीनज़र संस्थान ,संपादक और प्रधान संपादक क़ानूनन ज़िम्मेदार नहीं होगा